भारत निविदा लाईन समाचार

हिन्दी साप्ताहिक

भारत निविदा लाईन समाचार पत्र क्राइम की हर खबर....

■ वर्ष : 19 ■ अंक: 10 ■ नई दिल्ली 19 से 25 दिसम्बर 2025 ■ पृष्ठ : 08 ■ मूल्य : 02 रुपए

धुरंधर के गाने शरारत के लिए तमन्ना भाटिया थीं पहली पसंद

अटलजी की जयंती पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र प्रेरणा स्थल का किया लोकार्पण

एक ही परिवार को श्रेय देने की परम्परा से देश को बाहर निकाला: नरेन्द्र मोदी

- 65 एकड़ में बने प्रेरणा स्थल में श्यामा प्रसाद, दीनदयाल व अटल बिहारी की प्रतिमाएं हैं स्थापित

लखनऊ, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने देश के विकास में योगान देने वाली महान विभूतियों का कद छोटा करने का कार्य किया। भाजपा की सरकार ने आंबेडकर, नरसिम्हा राव, प्रणब मुखर्जी, भगवान विरसा मुंडा से लेकर अटलजी तक के योगदान को समान रूप से सम्मान दिया और उनके योगदान को याद किया है। देश में दूसरों की लकीर छोटी कर एक ही परिवार को सारा श्रेय देने का प्रयास हुआ, भाजपा ने उसे भी बदला है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरुवार को यहां पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी महोत्सव के अवसर पर नवनिर्मित राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण करने के बाद एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने क्रिसमस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज लखनऊ की यह धरती नयी प्रेरणा का साक्षी बन रही है। 25 दिसंबर का यह दिन दो महान विभूतियों के जन्म का सुयोग लेकर आता है। अटलजी और महामना मदन मोहन मालवीयजी की जयंती है। आज के ही दिन महाराजा बिजली पासी की भी जन्म जयंती है। महाराजा बिजली पासी ने जो विरासत छोड़ी, उसे हमारे पासी समाज ने आगे बढ़ाया। यह संयोग ही था कि अटलजी ने ही वर्ष 2000 में महाराजा बिजली पासी के नाम पर डाक टिकट जारी किया। इन महान विभूतियों को नमन करता हूं।

नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यह राष्ट्र प्रेरणा स्थल उस सोच का प्रतीक है जिसने भारत को आत्म सम्मान और एकता का मार्ग दिखाया। मुखर्जी, उपाध्याय और अटलजी की यह प्रतिमाएं जितनी ऊंची हैं, उससे अधिक ऊंची उनके विचार हैं। अटलजी कविता कदम मिलाकरङ्कपढ़ते हुए मोदी ने कहा कि यह राष्ट्र प्रेरणा स्थल हमे संदेश देता है कि हमारा हर कदम राष्ट्र के लिए है। सबका प्रयास ही विकसित भारत के संकल्प का सिद्ध करेगा। इस भूमि पर पिछले कई दशकों से कूड़ा जमा था। प्रेरणा स्थल के निर्माण में लगे श्रमिकों और योगीजी की टीम को शुभकामनाएं देता हूं।

मोदी ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ही थे, जिन्होंने भारत के दो प्रधान दो विधान को खारिज किया था। भाजपा सरकार को आर्टिकल 370 को गिराने का अवसर मिला। स्वतंत्र भारत के पहले उद्योग मंत्री के रूप में देश को पहली औद्योगिक नीति दी। आज आत्मनिर्भरता के उसी मंत्र को हम बुलंदी दे रहे हैं। आज भारत में निर्मित सामान पूरी दुनिया में पहुंच रहा है। यूपी में एक जनपद एक उत्पाद सफलता से आगे बढ़ रहा है। दूसरी ओर डिफेंस कॉरिडोर बन रहा है। दुनिया ने ब्रह्मोस को देखा। वह दिन दूर नहीं जब यूपी डिफेंस उत्पादक के रूप में देखा जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दीनदयालजी ने एकात्म मानव वाद का दर्शन दिया। जहां शरीर, मन, बुद्धि, सबका विकास हो। हर जरूरतमंद को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के दायरे में लाने का प्रयास हो। यही सुशासन है। यह सच्चा सेक्युलरिज्म है। आज भारत में पहली बार बिना भेद भाव पक्का घर, बिजली, शौचालय, मुफ्त इलाज और अनाज मिल रहा है। पंडित दीनदयाल के विचारों क साथ न्याय हो रहा है। देश ने गरीबी को हराया है। यह इसलिए संभव हो सका क्योंकि भाजपा सरकार ने अंतिम व्यक्ति को प्राथमिकता दी।

मोदी ने कहा कि 2014 से पहले 25 करोड़ लोग ऐसे थे जो सरकार की सामाजिक सुरक्षा के दायरे में थे। आज 95 करोड़ उस दायरे में है। उप्र में भी बड़ी संख्या में लोगों को इसका लाभ मिला है। बैंक खाते कम ही लोगों के पास थे। बीमा भी नहीं मिल पाता था। बीमा के लिए योजनाएं बनाई गयीं। पहले यही गरीब लोग बीमा के बारे में सोच भी नहीं सकते थे। इन्हीं योजनाओं के जरिय हमारे गरीब परिवारों को लगभग 25 हजार करोड़ रुपये का लाभ मिला है।

मोदी ने कहा कि अटलजी ने सही मायने में सुशासन को जमीन पर उतारा। डिजिटल कार्य को आगे बढ़ाने के लिए अटलजी की सरकार में ही नींव रखी गयी थी। अटल सरकार की टेलीकॉम नीति की वजह से घर-घर में मोबाइल और इंटरनेट पहुंचा। आज अटलजी जहां भी होंगे, प्रसन्न होंगे, आज भारत मोबाइल निमार्ता बन गया है। भारत में यूपी सबसे आगे है। प्रधानमंत्री मोदी ने अटल सरकार की सड़कों को लेकर हुए प्रयास का भी जिक्र किया।

कांग्रेस पर हमला बोलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमें यह नहीं भूलना है कि भारत के प्रत्येक उपलब्धि को एक ही परिवार से जोड़ने की प्रवृत्ति पनपी। एक ही परिवार का नाम, उनकी ही प्रतिमाएं लगाई गयीं, योजनाएं चलाई गयीं। भाजपा ने इस प्रवृत्ति से भी देश को बाहर निकाला है। हमारी सरकार हर किसी के योगदान को सम्मान दे रही है। आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस के योगदान को याद किया जा रहा है। भाजपा ने आंबेडकर के पंचतीर्थ को विकसित किया। कांग्रेस ने सरदार पटेल के कद को छोटा करने का प्रयास किया गया। आज उनकी भव्य प्रतिमा स्थापित की गयी। उनके योगदान का याद किया जा रहा है। भगवान विरसा मुंडा के नाम पर स्मारक बना है। उप्र में ही महाराजा सुहेलदेव से लेकर निषाद राज तक का स्मारक बना है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि परिवारवाद के लोग असुरक्षा के शिकार होते हैं। इन्हें दूसरों की लकीर छोटी करने की आदत रही है। दिल्ली के म्यूजियम में अनेक प्रधानमंत्रियों को नजरअंदाज किया गया। भाजपा सरकार ने उसे भी बदला है। प्रधानमंत्री का कार्यकाल कितना भी छोटा रहा हो, उन्हें प्रधानमंत्री संग्रहालय में बराबर का सम्मान दिया गया है। नरसिम्हा राव और प्रणब दादा को भारत रत्न से नवाजा गया। तरुण गोगोई और मुलायम सिंह समेत अन्य नेताओं को भाजपा सरकार में सम्मान मिला।

मोदी ने कहा कि मुझे गर्व है कि मै उप्र से सांसद हूं। आज उप्र के मेहनतकश लोग विकास की नयी गाथा लिख रहे हैं। कभी यूपी खराब कानून व्यवस्था के लिए जाना जाता था। आज अयोध्या, काशी समेत अन्य स्थानों को विकसित करते हुए विकास की नई गाथा लिख रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने तीनों महान विभूतियों के नाम के जयकारे लगवाकर अपने भाषण का समापन किया। इस अवसर पर रक्षा मंत्री व लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री व यूपी भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक समेत उप्र सरकार के अन्य मंत्री व नेता मौजूद रहे।

ऐसा है राष्ट्र प्रेरणा स्थलप्रदेश की राजधानी लखनऊ की बसंत कुंज योजना के सेक्टर-जे में 65 एकड़ में विकसित राष्ट्र प्रेरणा स्थल में डॉ. श्याम प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय और अटलजी की विशालकाय कांस्य प्रतिमाएं स्थापित की गयी हैं। सभी प्रतिमाएं 65 फुट ऊंची हैं। राष्ट्र प्रेरणा स्थल लखनऊ में गोमती नदी के किनारे हरदोई मार्ग पर बनाया गया है। यहां पर कैफेटेरिया, ध्यान केन्द्र, रैली के लिए मैदान और सभागार जैसी सुविधाएं हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने इन महान विभूतियों के जीवन पर आधारित म्यूजियम का भी लोकार्पण किया। कमल के आकार के बने इस म्यूजियम का प्रधानमंत्री मोदी समेत अन्य नेताओं ने अवलोकन किया।

मोदी के नेतृत्व में विकास के पथ पर अग्रसर है पूर्वोत्तर भारत: नड्डा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर भारत विकास के पथ पर अग्रसर है और पूर्वोत्तर के राज्यों में हवाई, सड़क और डिजिटल कनेक्टिविटी में लगातार सुधार हो रहा है।

श्री नड्डा गुरुवार को क्रिसमस के अवसर पर यहां पूर्वोत्तर भारत के ईसाई समुदाय के समारोह में शामिल हुए। यह समारोह माउ नागा क्रिश्चियन फैलोशिप द्वारा आज यहां के राजपुर रोड़, सिविल लाइन स्थित चर्च में आयोजित किया गया। इस मौके पर श्री नड्डा के साथ भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री अनिल के. एंटनी, दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा और राष्ट्रीय प्रवक्ता टॉम वडक्कन सहित कई अन्य नेता मौजूद थे।

इस मौके पर श्री नड्डा ने ईसाई समुदाय को ईसा मसीह के जन्मदिवस पर शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने केक भी काटा और चर्च समिति के पदाधिकारियों को क्रिसमस के मौके पर समारोह का आयोजन करने को लेकर बधाई दी।

उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर भारत श्री मोदी के नेतृत्व में विकास के पथ पर अग्रसर है। पूर्वोत्तर भारत में हवाई, सड़क और डिजिटल कनेक्टिविटी लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा, हम इस बात के भी साक्षी बने हैं कि नागालैंड में चिकित्सा महाविद्यालय शुरू हुआ है, जिससे नागालैंड के लोगों को इससे लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा, आज जिस तरह हम क्रिसमस का समारोह मना रहे हैं, उसी तरह हम सबको एक साथ मिलकर मानवता के लिए काम करना है जिससे देश का विकास हो और आप सभी उसके भागीदार बने।

दिल्ली मेट्रो की तीन नई लाइनों को केन्द्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी

1214 करोड़ रुपए आएगी लागत

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने राजधानी दिल्ली में बढते प्रदूषण को कम करने, इंदिरा गांधी हवाई अड्डे के टर्मिनल एक और सरकारी कार्यालयों के परिसर 'कर्तव्य भवन' को मेट्रो नेटवर्क से जोड़ने के लिए 1214 करोड़ रुपये की लागत से तीन मेट्रो गलियारों के निर्माण को मंजूरी दी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में बताया कि राजधानी दिल्ली में मेट्रो नेटवर्क का विस्तार करते हुए चरण पांच (ए) के अंतर्गत तीन नये गलियारों को मंजूरी दी है। पहला गलियारा आर.के. आश्रम मार्ग से इंद्रप्रस्थ तक है जिसकी लंबाई 9.913 किमी., दूसरी परियोजना एयरोसिटी से इंदिरा गांधी हवाई अड्डे के टर्मिनल एक तक 2.263 किमी. और तीसरी लाइन तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज तक है जिसकी लंबाई 3.9 किमी है।

दिल्ली मेट्रो विस्तार परियोजना को लेकर पीएम मोदी बोले, जीवन आसान और भीड़ होगी कम

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कैबिनेट ने दिल्ली मेट्रो के चरण 5(ए) परियोजना के अंतर्गत तीन नए कॉरिडोर बनाने को मंजूरी दे दी है। सरकार के इस फैसले से राजधानी का मेट्रो नेटवर्क बढ़ेगा, सफर सुगम होगा और भीड़भाड़ कम होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि दिल्ली के बुनियादी ढांचे को मिला बड़ा बढ़ावा। दिल्ली मेट्रो के चरण 5 (ए) परियोजना के अंतर्गत तीन नए कॉरिडोर के लिए कैबिनेट की मंजूरी से हमारी राजधानी के मेट्रो नेटवर्क का विस्तार होगा, जिससे 'जीवन की सुगमता' बढ़ेगी और भीड़भाड़ कम होगी।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने

एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने तीन नए दिल्ली मेट्रो कॉरिडोर को मंजूरी दी है, जिनकी कुल लंबाई 16.076 किमी है। इस विस्तार का एक प्रमुख आकर्षण सेंट्रल विस्टा कॉरिडोर है, जो सभी कर्तव्य भवनों को निर्बाध मेट्रो कनेक्टिविटी प्रदान करेगा, जिससे कार्यालय जाने वालों और आगंतुकों को घर के दरवाजे तक पहुंच सुनिश्चित होगी। इससे लगभग 60,000 कार्यालय कर्मचारियों और 2 लाख दैनिक यात्रा करने वालों को लाभ होने की उम्मीद है। ये कॉरिडोर आवागमन को काफी हद तक बढ़ाएंगे, यातायात की भीड़ और प्रदूषण को कम करेंगे, जीवाश्म ईंधन की खपत को घटाएंगे और राष्ट्रीय राजधानी में निवासियों और यात्रियों के लिए समग्र रूप से जीवन को आसान बनाएंगे। दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने मेट्रो के इस कॉरिडोर को कैबिनेट की मंजूरी मिलने पर कहा कि ये प्रधानमंत्री मोदी का विकसित दिल्ली के निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक और दूरगामी कदम है।

राष्ट्रपति मुर्मू के मार्गदर्शन में संथाली में संविधान का विमोचन, उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने किया धन्यवाद

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में गुरुवार को संथाली भाषा में भारत का संविधान जारी किया गया। भारत का संविधान अब संथाली भाषा में ओल चिकी लिपि में उपलब्ध है। इस कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन शामिल हुए। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह संथाली भाषी समाज के लिए ऐतिहासिक महत्व रखता है।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने दावा किया कि इस पहल से संथाली भाषा बोलने वाले लोग अब देश के संविधान को अपनी मातृभाषा में पढ़ और समझ सकेंगे, जिससे संविधान के मूल्यों और अधिकारों के प्रति जागरूकता और अधिक मजबूत होगी।

भारत के उपराष्ट्रपति के आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में लिखा गया, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन आज राष्ट्रपति भवन में ओल चिकी लिपि में लिखी गई संथाली भाषा में भारत के संविधान के विमोचन समारोह में शामिल हुए। इस मौके पर उपराष्ट्रपति ने इस पहल के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को धन्यवाद दिया, जिनके मार्गदर्शन में यह काम किया गया। उन्होंने कहा कि इस महान पहल से संथाली बोलने वाले लोग अपनी भाषा में संविधान को पढ़ और समझ पाएंगे। पोस्ट में आगे लिखा गया, उपराष्ट्रपति ने यह भी याद किया कि जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू झारखंड की राज्यपाल थीं, तब उन्होंने कई आदिवासी कल्याण के कदम उठाए थे और आदिवासी संस्कृति और भाषाओं को बढ़ावा दिया था, और उन्होंने राज्य के राज्यपाल के तौर पर अपने कार्यकाल के दौरान उनकी विरासत को आगे बढ़ाया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने इस अवसर पर कहा, अलचिकि लिपि में लिखित संताली भाषा में भारत के संविधान का लोकार्पण करते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। यह हमारे लिए गौरव एवं प्रसन्नता की बात है कि भारत का संविधान संताली भाषा में प्रकाशित हुआ है। संताली भाषा में संविधान का उपलब्ध होना समस्त संताली समुदाय के लिए अत्यंत हर्ष का विषय है। ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम और बिहार में रहने वाले सभी संताली लोग अपनी मातृभाषा एवं लिपि में लिखे गए संविधान को पूरी तरह जान सकेंगे। संविधान के अनुच्छेदों को वे ठीक से समझ सकेंगे।

संथाली भाषा, जिसे 2003 के 92वें संविधान संशोधन अधिनियम के माध्यम से संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया था, भारत की सबसे प्राचीन जीवित भाषाओं में से एक है। यह झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और बिहार में बड़ी संख्या में आदिवासी लोगों द्वारा बोली जाती है।

राष्ट्रपति आज 20 बच्चों को प्रदान करेंगी प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु वीर बाल दिवस के अवसर पर देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 20 बच्चों को उनके साहसिक और उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार (पीएमआरबीपी) प्रदान करेंगी। यह पुरस्कार समारोह 26 दिसंबर 2025 को सुबह 10 बजे, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित होगा। भारत सरकार का महिला एवं बाल विकास मंत्रालय 26 दिसंबर को राष्ट्रीय स्तर पर वीर बाल दिवस मनाएगा। इस अवसर पर बच्चों के साहस, बलिदान और अनुकरणीय मूल्यों का स्मरण किया जाएगा। वर्ष 2025 में 18 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से चयनित 20 बच्चों को यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया जाएगा। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्रतिवर्ष बच्चों को वीरता, कला एवं संस्कृति, पर्यावरण, सामाजिक सेवा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा खेल जैसे क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियों के लिए दिया जाता है।

एक करोड़ का ईनामी गणेश तथा पांच नक्सली मुठभेड़ में मारे गये

कंधमाल/नई दिल्ली, एजेंसी। ओडिशा के कंधमाल जिले में नक्सल विरोधी अभियान में गुरुवार सुबह सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक करोड़ रुपये के ईनामी गणेश उईके समेत छह नक्सली मारे गये।

मुठभेड़ चाकापाड़ और बेलघर थाना क्षेत्र के गुम्मा जंगलों में हुई। सुरक्षा बलों के संयुक्त अभियान में ओडिशा पुलिस का स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की टीमें शामिल हैं।

ओडिसा पुलिस के सूत्रों के अनुसार आज सुबह नौ बजे हुई मुठभेड़ में नक्सलियों की केंद्रीय समिति का सदस्य और प्रवक्ता गणेश उईके मारा गया। गणेश पर एक करोड़ रुपये से अधिक का ईनाम घोषित था। वह ओडिसा नक्सलियों के राज्य समिति का सचिव भी था। गणेश के शव के पास तीन और नक्सलियों के शव सुरक्षा बल के जवानों को मिले हैं। जंगल के इसी इलाके में देर रात हुई मुठभेड़ में भी दो नक्सलियों को ढेर किया गया। देर रात जो दो नक्सली मारे गये वे छत्तीसगढ़ के बीजापुर और सुकमा जिले के रहने वाले थे। नक्सलियों के पास से रिवाल्वर और .303 की राइफल बरामद की गयी थी, पुलिस ने फिलहाल छह नक्सलियों के शवों के फोटो शेयर किये हैं। मुठभेड़ में महिला नक्सलियों के भी मारे जाने की खबर है।

छत्तीसगढ के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विवेकानंद सिन्हा ने "वार्ता" को बताया कि ओडिसा राज्य में हुई मुठभेड़ में मारा गया गणेश 69 वर्ष का था।

अटल बिहारी वाजपेई के नाम पर होंगे मल्टीपरपज हॉल, चार गेट और रोड

हरियाणाः अटल बिहारी वाजपेई के नाम पर होंगे हांसी में मल्टीपरपज हॉल, चार कुतुब गेट व गैस एजेंसी रोडः विधायक विनोद भयाना। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई की जयंती के अवसर पर स्थानीय एसडी महिला महाविद्यालय के सभागार में जिला स्तरीय सुशासन दिवस कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक विनोद भयाना ने की।

कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई ने अपने पूरे राजनीतिक जीवन में देशहित को सर्वोपरि रखा। उनकी सोच ह्लराष्ट्र प्रथमह्व की रही और इसी विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में भाजपा सरकार देश तथा हरियाणा प्रदेश का तेजी से, पारदर्शी तरीके से समग्र विकास कर रही है। उन्होंने कहा कि सुशासन का अर्थ है–जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान, योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना और भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन देना है। हरियाणा सरकार इन सभी मोर्चों पर मजबूती से काम कर रही है। कैबिनेट मंत्री ने शिक्षा के क्षेत्र को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बताते हुए एसडी महिला महाविद्यालय में छात्राओं की सुविधाओं के विस्तार हेतु 11 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि बेटियों की शिक्षा पर किया गया निवेश समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की गारंटी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विधायक विनोद भयाना ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेई केवल एक प्रधानमंत्री नहीं बल्कि एक विचार, एक संस्कार और एक युग थे। विधायक ने कहा कि हांसी क्षेत्र में अटल जी की स्मृति को स्थायी रूप देने के लिए हांसी में बनने वाले मल्टीपरपज हॉल, चार कुतुब गेट तथा गैस एजेंसी रोड का नाम भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई के नाम पर रखा जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि जिला बनने के बाद हांसी में विकास की गति और तेज होगी । उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जनभावनाओं के अनुरूप कार्य कर रही है। उन्होंने क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयास करने का आश्वासन भी दिया। भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि अटल बिहारी वाजपेई ने भारतीय राजनीति को शालीनता, विचार और संवाद की नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि आज भाजपा सरकार अटल जी के सपनों को साकार करते हुए गरीब, किसान, महिला और युवा सभी वर्गों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हरियाणा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में विकास कार्य नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। इस अवसर पर एसडीएम राजेश खोथ ने मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा, विधायक विनोद भयाना एवं अन्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि जिला बनने के बाद हांसी में यह पहला जिला स्तरीय कार्यक्रम है, जो प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के आपसी समन्वय का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि सुशासन दिवस के माध्यम से प्रशासन की जवाबदेही और पारदर्शिता को और अधिक सुदृढ़ किया जा रहा है।

सुशासन दिवस समारोह में डॉ लोकेश शर्मा तथा विभिन्न विद्यालय के छात्र-छात्राओं तथा एसडी महिला महाविद्यालय की छात्रों द्वारा अटल बिहारी वाजपेई के जीवन पर आधारित गीत व भाषण की प्रस्तुति दी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरूआत सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के कलाकारों ने शानदार प्रस्तुति से की।इस दौरान राज्य स्तरीय सुशासन दिवस समारोह कार्यक्रम को भी लाइव दिखाया गया। कार्यक्रम में तहसीलदार अनिल कुमार बिढान, राजपाल यादव, विधायक विनोद भयाना के राजनीतिक सलाहकार दिनेश भूटानी,सुखविंदर जाखड़,एसडी महिला महाविद्यालय के प्राचार्य सुरेश कुमार गुप्ता, प्रेम वर्मा, नवीन ठाकुर ,राजेश ठकराल, विनोद सैनी, श्याम खाण्डा, सतपाल खंडेवाला, धर्मवीर रतेरिया मनजीत जांगड़ा, विधायक के निजी सचिव रवि अरोड़ा तथा क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्ति, अधिकारी, कर्मचारी, छात्राएं एवं नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

श्रद्धा व उल्लास के साथ मना क्रिसमस, चर्चो में विशेष प्रार्थनाएं आयोजित

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेशः सहारनपुर के महानगर में ईसाई समुदाय द्वारा क्रिसमस पर्व को श्रद्धा, आस्था,हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नगर के सभी चर्चों में विशेष प्रार्थना सभाओं का आयोजन किया गया तथा प्रभु यीशु मसीह के प्रेम, मानवता और विश्व शांति के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

क्रिसमस पर्व को लेकर नगर के चर्चों को आकर्षक ढंग से सजाया गया। प्रातःकाल दिन चढ़ते ही श्रद्धालुओं का चर्चों में आगमन शुरू हो गया। गिल कॉलोनी स्थित असेंबली ऑफ गॉड चर्च में प्रातःकाल विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन पादरी राजन पिल्लै के नेतृत्व में किया गया। इस शुभ अवसर पर पादरी राजन पिल्लै ने कहा कि प्रभु यीशु मसीह ने संपूर्ण मानवता को प्रेम, करुणा और सेवा का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि क्रिसमस पर्व प्रभु यीशु मसीह के जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है, जब प्रभु मानव कल्याण के लिए पृथ्वी पर अवतरित हुए। प्रार्थना सभा के पश्चात केरल सॉन्ग गाए गए तथा विश्व शांति के लिए विशेष प्रार्थना की गई। इस अवसर पर जिला सहारनपुर के मेयर डॉक्टर अजय सिंह, स्टेप रेचल एंजेल, अभिषेक, पादरी हेमंत, राहुल राज सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

वहीं बाजोरिया मार्ग स्थित सेंट थॉमस चर्च में पादरी रेव. संजय एबिल सिंह के नेतृत्व में प्रातःकाल विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। पादरी रेव. संजय एबिल सिंह ने कहा कि प्रभु यीशु मसीह ने मानव कल्याण के लिए इस धरती पर जन्म लिया और मानवता का अमर संदेश दिया। उन्होंने सभी से प्रभु द्वारा दिखाए गए सच्चे मार्ग पर चलने का आह्वान किया। इस शुभ अवसर पर केरल सॉन्ग गाए गए तथा बच्चों ने नाटक के माध्यम से प्रभु यीशु मसीह के जीवन और संदेश को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में सहारनपुर लोकसभा के वर्तमान सांसद इमरान मसूद, उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्य मंत्री संजय गर्ग, पूर्व विधायक मसूद अख्तर, डॉक्टर रागिब अंजुम, अमित सेन, अरुण, दानिश, अमित व राजकुमार सहित अनेकों गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इसके अलावा चर्च परिसर में प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रभु यीशु मसीह के जन्म एवं उनके जीवन से जुड़ी झांकियां प्रदर्शित की गईं। सुबह से ही दोनों चर्चों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही और पूरे नगर में क्रिसमस पर्व का उल्लासपूर्ण माहौल देखने को मिला।

शॉर्ट सर्किट से भीषण आग, 2 गाय व 9 बकरियों की मौत, कई घर जलकर राख

दिलीप कुमार

बिहारः बिजली के शॉर्ट सर्किट से लगी आग बृहस्पतिवार को 9:00 बजे की घटना बताया जा रहा है आग लग जाने से 2 गाय और 9 बकरी झुलसकर मर गईं, और घर का सारा सामान जलकर राख हो गया। नगद राशि, साइकिल, गहने, अनाज, सिलाई मशीन सब कुछ जल गया । बैरिया प्रखंड के बगही निमिया टोला शॉर्ट सर्किट से लगी आग, में अशर्फी चौधरी सुरेंद्र चौधरी उमेश चौधरी हरदास चौधरी अवधलाल चौधरी की घर जलकर राख हो गई और दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू ' और वही मौके पर जिला परिषद संजय गुप्ता भी मौजूद रहे आग लगने से लाखों की संपत्ति हुई नुकसान और देखते ही देखते घर को अपनी चपेट में ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुँची। अग्निक चालक रवि रंजन कुमार और अग्निक वीरेश कुमार एवं निशु कुमारी ने तत्परता दिखाते हुए कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। अग्निपीड़ित परिवार ने बताया कि इस आगजनी में उनकी समान सहित हजारों की समान जलकर राख हो गए। अचानक लगी इस आग से ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई, लेकिन दमकर विभाग के द्वारा सक्रियता से आग को फैलने से रोक लिया गया। पीड़ित परिवारों ने अंचल प्रशासन से उचित मुआवजा और सहायता की मांग की है। घटना की सुचना ग्रामीणों ने अंचलाधिकारी को दे दिआ है। दमकल विभाग की टीम ने ग्रामीणों के साथ मिलकर आग पर काबू पाया।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में गहराता संकट

कर्मचारियों–पेंशनर्स में असंतोष, यूनियनों की भूमिका पर सवाल

कमल पटनी

मध्य प्रदेशः देश के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक आज एक गहरे और बहुआयामी संकट से गुजर रहे हैं। यह संकट केवल एनपीए, तकनीक या प्रतिस्पर्धा का नहीं है, बल्कि मानव संसाधन, मानसिक दबाव और प्रतिनिधित्व के पतन का है। एक ओर शाखाएँ स्टाफ की भारी कमी से जूझ रही हैं, वहीं दूसरी ओर बचे हुए कर्मचारियों पर दो-तीन लोगों का काम लादा जा रहा है। लक्ष्य पूरे न होने पर डर, दबाव और मानसिक उत्पीड़न आम बात हो चुकी है। परिणामस्वरूप, युवा अधिकारी तेजी से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को छोड़ रहे हैं। RTI के माध्यम से सामने आया तथ्य कि स्इकमें 713 प्रोबेशनरी ऑफिसर कुछ ही वर्षों में नौकरी छोड़ चुके हैं, एक चेतावनी थी,एक अलार्म लेकिन सवाल यह है किइस अलार्म पर UFBU (United Forum of Bank Unions) ने क्या किया? कोई ठोस आंदोलन नहीं, कोई निर्णायक संघर्ष नहीं, कोई जवाबदेही तय नहीं। इसके विपरीत, हर द्विपक्षीय बैठक के बाद वही परिचित बयान सकारात्मक और सौहार्दपूर्ण चर्चा हुई। 5-Day Banking की बातें होती हैं, पर लागू कराने की क्षमता शून्य है। भर्तियों की घोषणा होती है, पर हजारों खाली पदों पर चुप्पी छाई रहती है। इस पूरी प्रक्रिया में यदि कोई संस्था संतुष्ट दिखाई देती है, तो वह है IBA। और यदि कोई संस्था हर हाल में IBA को नाराज न करने के लिए प्रतिबद्ध दिखती है, तो वह है

UFBU। पेंशनर्स : सबसे बड़ा विश्वासघात स्थिति और भी गंभीर तब हो जाती है जब हम पेंशनर्स की ओर देखते हैं।25 मई 2015 को यूनियनों द्वारा IBA के साथ हस्ताक्षरित दस्तावेज में यह स्वीकार कर लिया गया कि पेंशनर्स का अपने बैंकों से कोई संविदात्मक संबंध नहीं है। यहीं से पेंशनर्स को व्यवस्था से बाहर धकेलने की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो गई।7वें द्विपक्षीय समझौते से लेकर 12वें तक, पेंशन योजना की अधिकांश शर्तें पेंशनर्स के प्रतिकूल तय की गईं। आज स्थिति यह है कि न कर्मचारी संतुष्ट हैं, न पेंशनर्स सुरक्षित। फूट डालो और राज करो यह कोई संयोग नहीं है कि कर्मचारियों और पेंशनर्स को कभी एक मंच पर खड़ा नहीं होने दिया गया। यह फूट और शासन की वही पुरानी नीति है, जिसका लाभ IBA को और संरक्षण UFBU के कुछ नेतृत्व को मिलता रहा है।एक कहावत है चोर-चोर मौसेरे भाई। दुर्भाग्य से, UFBU और IBA के संबंधों पर यह कहावत आज असहज रूप से सटीक बैठती है। UFBU अब संघर्ष का मंच नहीं रहा।वह प्रतिरोध की आवाज नहीं रहा। वह IBA का Industrial Peace Manger बन चुका है, जहाँ कर्मचारी दबाव में है और यूनियन समझौतों में व्यस्त। समाधान : एकता और विवेक इतिहास और समाज दोनों यह सिखाते हैं कि जब संकट में बुजुर्गों का अनुभव और युवाओं की ऊर्जा साथ आती है, तभी सही फैसले, साहस और परिवर्तन संभव होते हैं। आज आवश्यकता है कि कर्मचारी और पेंशनर्स एक हों। तभी भय, अहंकार और शोषण का यह तिलिस्म टूटेगा। कर्मचारी यदि चाहें तो सांप को दूध पिलाना बंद कर सकते हैं। यूनियन का चंदा बंद करना भी एक लोकतांत्रिक और वैधानिक संदेश हो सकता है कि प्रतिनिधित्व बिना संघर्ष के स्वीकार्य नहीं है।अंतिम प्रश्न यदि सब कुछ इतना ही सकारात्मक है, तो कर्मचारी मानसिक दबाव में क्यों हैं? युवा अधिकारी बैंक क्यों छोड़ रहे हैं? आउटसोर्सिंग क्यों बढ़ती जा रही है? स्थायी भर्तियाँ क्यों नहीं हो रहीं? यह संपादकीय किसी संस्था के विरुद्ध नहीं,बल्कि बैंकिंग व्यवस्था के भविष्य के पक्ष में है।अब समय आ गया है,जागने का, जुड़ने का और न्यायपूर्ण प्रतिनिधित्व की माँग करने का।

एक नजर

नव निर्मित वाव थराद जिले की मतदाता सूची तैयार, 963 नए मतदान केंद्र जोड़े गए

देवरामभाई गोविंदभाई सुथार/गुजरातः नव निर्मित वाव थराद जिले की मतदाता सूची तैयार वाव थराद और देवदार विधानसभा में कुल मतदाता 8,02,018 पहले तीन विधानसभा सीटों पर 8,47,295 मतदाता थे। एसआईआर के काम के बाद 45 हजार से अधिक मतदाताओं के नाम कम हो गये हैं। 1996 मतदाता डुप्लीकेट के कारण निरस्त किये गये। यदि एसआईआर पूरा होने के बाद मतदाता सूची से कोई नाम गायब हो गया है, तो दावा दायर करने की समय सीमा सिस्टम द्वारा दी गई है। नवीन जिले में पहले 840 मतदान केंद्र थे। थराद विधानसभा सीट पर 49 नए मतदान केंद्र जोड़े जाएंगे। वाव विधानसभा सीट पर 48 नए मतदान केंद्र जोड़े जाएंगे। देवदार विधानसभा सीट पर 26 नए मतदान केंद्र जोड़े जाएंगे। जिले में 963 नए मतदान केंद्र के साथ 840 मतदान केंद्र जुड़ेंगे।

थाराड पुलिस ने तीन दिनों में 1 करोड़ से अधिक की अवैध शराब और कीमती सामान जब्त

देवरामभाई गोविंदभाई सुथार/गुजरातः 31 तारीख से पहले थाराड पुलिस ने अवैध शराब विक्रेताओं पर कार्रवाई की जाएगी। गुजरात सीमा पर वाहनों की जाँच के दौरान तीन दिनों में एक करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का अवैध सामान जब्त किया गया। भारतमाला राजमार्ग पर स्थित वोटडाऊ चेकपोस्ट पर भारी मात्रा में भारतीय निर्मित विदेशी शराब जब्त की गई। पुलिस ने तीन दिनों में शराब से भरे तीन ट्रक जब्त किए। 33 लाख रुपये से अधिक मूल्य की 5,160 शराब की बोतलें जब्त की गईं। पुलिस ने 1.11 करोड़ रुपये से अधिक की कीमती वस्तुएं जब्त कीं। शराब की तस्करी में शामिल पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया, आगे की जांच जारी है।

विद्यार्थियों के लिए धर्म और विज्ञान पर कार्यशाला, आचार्य पाटोदिया ने दी मार्गदर्शन

गोपाल सोनी/राजस्थानः आदर्श विद्या मंदिर, झोटवाड़ा, जयपुर में विद्यार्थियों के लिए वैज्ञानिक तरीके से धर्म को जीवन में अपनाकर उन्नति के पथ पर बढ़ना विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। मीरा चैरिटेबल ट्रस्ट जयपुर के संस्थापक आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया जी ने विद्यार्थियों को जीवन के हर क्षेत्र में किये जाने वाले कार्यों को वैज्ञानिक तरीके से कर, उन्नति के पथ पर बढ़ने के प्रेरणा दी। श्री पाटोदिया जी ने बताया की कैसे हमारे जीवन का हर पहलू एक फामूर्ले से जुड़ा हुआ है। यदि हम उस फामूर्ले को पहचान लें तो निश्चित ही मंजिल हमारे कदम चूमेगी। आपने छात्रों की सिखाया की कैसे हम माता - पिता, गुरुजन और अपने से बड़ों का आदर करना, उनका सम्मान करना, उनके प्रति आदर का भाव रखना, ईमानदारी के साथ अपने कार्यों को कर अपने उन्नति के पथ पर बढ़ कर मंजिल को प्राप्त कर सकते हैं।

बोडेली नगर पालिका ने मुख्य बाजार में अतिक्रमण हटाने की बड़ी कार्रवाई की

खत्री रमिजभाई

गुजरातः बोडेली नगर पालिका द्वारा अतिक्रमण (दबान) हटाने की बड़ी कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई के तहत बोडेली के मुख्य बाजार क्षेत्र में सड़क किनारे और सार्वजनिक स्थानों पर लगाए गए केबिनों को तोड़ दिया गया। नगर पालिका को लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं कि बाजार में केबिन और कब्जों के कारण यातायात बाधित हो रहा है, पैदल चलने वालों को परेशानी हो रही है और क्षेत्र में अव्यवस्था फैल रही है। इन्हीं शिकायतों को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका प्रशासन ने

अतिक्रमण हटाने का निर्णय लिया। कार्रवाई के दौरान नगर पालिका की टीम, पुलिस बल और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। पहले से दिए गए नोटिस के बाद भी जिन लोगों ने अपने केबिन नहीं हटाए थे, उनके अवैध निर्माण को जेसीबी मशीन की मदद से हटाया गया। इस कार्रवाई के बाद बाजार क्षेत्र में सड़कें खुली नजर आईं और यातायात व्यवस्था में सुधार देखने को मिला। नगर पालिका अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी इस तरह की अतिक्रमण हटाओ कार्रवाई जारी रहेगी और बिना अनुमति के सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी प्रकार का निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं कुछ व्यापारियों ने इस कार्रवाई पर नाराजगी जताई, जबकि कई स्थानीय नागरिकों ने नगर पालिका के कदम का समर्थन करते हुए कहा कि इससे बाजार की व्यवस्था सुधरेगी और आम जनता को सुविधा मिलेगी।

भवानीशंकर चांडा अध्यक्ष, कुलदीप छंगाणी संयुक्त सचिव चुने गए

महेश कुमार पुरोहित

राजस्थानः फलोदी अधिवक्ता संस्थान के वार्षिक चुनाव परिणाम घोषित हो गए हैं। अध्यक्ष पद पर अधिवक्ता भवानीशंकर चांडा ने जीत हासिल की, जबकि संयुक्त सचिव पद पर अधिवक्ता कुलदीप छंगाणी विजयी रहे। चुनाव में अधिवक्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और शांतिपूर्ण माहौल में मतदान संपन्न हुआ। दोनों नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए संस्थान की एकता, सेवा और न्याय व्यवस्था को सशक्त बनाने का संकल्प दोहराया। अधिवक्ता

समुदाय ने उनके चयन पर खुशी जताई और उज्जवल कार्यकाल की शुभकामनाएँ दीं।

सोशल एक्टिविस्ट मोहम्मद लाखा को 'ह्यूमन राइट्स डिफेंडर' अवॉर्ड से सम्मानित

शवराज बढ़ाभाई गढ़वी

गुजरातः भुज की शानः जाने-माने सोशल एक्टिविस्ट मोहम्मद लाखा को प्रतिष्ठित 'ह्यूमन राइट्स डिफेंडर' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया भुज (तारीख 17): कच्छ के सोशल सेक्टर में एक जाना-माना नाम, खासकर शोषित और वंचित तबकों की आवाज के तौर पर, मोहम्मद लाखा हैं। सालों से गरीब मजदूरों और लॉरी-गल्ला मालिकों के हक के लिए लड़ने वाले इस जननेता के काम को नेशनल लेवल पर पहचान मिली है।

हाल ही में, 'एक्शन एड एसोसिएशन ऑफ इंडिया' ने उन्हें 'ह्यूमन राइट्स डिफेंडर' अवॉर्ड दिया, जिससे पूरे कच्छ में

खुशी फैल गई है। संघर्ष और सेवा का पर्यायः मोहम्मद लाखा मोहम्मदभाई लाखा सिर्फ. एक सोशल एक्टिविस्ट नहीं हैं, बल्कि वे एक योद्धा हैं जो कानूनी जानकारी से गरीबों के संवैधानिक हक की रक्षा करते हैं। उनकी सेवा यात्रा के खास पहलू लॉरी-गल्ला मालिकों के मसीहाः स्ट्रीट वेंडर एसोसिएशन कच्छ के फाउंडर के तौर पर, उन्होंने हॉकरों के हितों की रक्षा और उन्हें सुरक्षित रखने के लिए कानूनी प्रावधानों के अनुसार लगातार संघर्ष किया है। नेशनल लेवल पर लीडरशिपः 'नेशनल हॉकर फेडरेशन गुजरात' के जनरल सेक्रेटरी और 'शहरी जन संघर्ष मंच' के फाउंडर के तौर पर, वे बुनियादी मुद्दों को आवाज दे रहे हैं।

कानूनी संघर्षः मुस्लिम समाज के अलग-अलग मुश्किल मुद्दों पर कानूनी कार्रवाई में एक पार्टी के तौर पर, उन्होंने इंसाफ की प्रक्रिया में अहम भूमिका निभाई है। मजदूरों की आवाजः वे हमेशा माइग्रेंट मजदूरों और जरूरतमंदों के शोषण के खिलाफ लड़ने में डटे रहे हैं "यह अवॉर्ड कोई पर्सनल सम्मान नहीं है, बल्कि यह हर उस मजदूर और गरीब इंसान के संघर्ष की जीत है जो अपने हक के लिए संघर्ष कर रहा है।" - मोहम्मद लक्खा (जवाब) समर्थकों में उत्साह जैसे ही इस अवॉर्ड की घोषणा हुई, उनके फैंस, समर्थकों और सोशल लीडर्स में बहुत खुशी देखी जा रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और टेलीफोन के जरिए उन्हें बधाईयां मिल रही हैं। खासकर 'मुस्लिम यूथ कोर कमेटी' के को-कन्वीनर के तौर पर उनके डेडिकेशन की हर जगह तारीफ हो रही है। मानवाधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित महमूदभाई की यह उपलब्धि भुज और पूरे कच्छ के लिए गर्व की बात है।

वीर बाल दिवस पर भव्य पथ संचलन को साहिबजादों के बलिदान को किया नमन

योगेन्द्र कुमार

उत्तर प्रदेशः ग्रेटर नोएडा नगर ई ब्लोक पार्क गामा-1 में बाल वीर दिवस बाबा अजीत सिंह, बाबा जुझावर सिंह, बाबा जोरावर सिंह, बाबा फतेह सिंह जी एवं गुरु गोविंद सिंह जी के समस्त परिवार के बलिदान की याद वीर बाल दिवस बाल पथ संचलन करके ग्रेटर नोएडा नगर जिला गौतम बुद्धनगर में मनाया गया। जिसमें श्रीमान राज कुमार जी जिला कार्यवाह गौतमबुद्ध नगर के ओजस्वी मार्ग दर्शन ने बाल स्वयं सेवकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। भाई साहब ने बाबा अजीत सिंह , बाबा जुझावर सिंह के चमकौर के युद्ध में अदम्य साहस और पराक्रम पर प्रकाश डाला किस तरह 14 वर्ष और 18 वर्ष की उम्र में मुगलों की विशाल सेना से लोहा लेते हुए अपना बलिदान दिया वही बाबा फतेह सिंह और बाबा जोरावर

सिंह के अल्प आयु में महान बलिदान देश धर्म और कर्तव्य निष्ठा पर प्रकाश डाला, माता गुजरी को दिसंबर ,1705 में ठंडे बुर्ज में दोनों साहब जादे के साथ कैद रखना, और मानवता के नाते किसी तरह भाई मोतीराम मेहरा द्वारा गर्म दूध देने पर उनके पूरे परिवार को जीवित कोल्हू में वजीरखां द्वारा पेरा गया जो अभी तक के सबसे घृणित कार्यों में है, वहीं देश धर्म की रक्षा के 7 वर्ष 9 वर्ष की आयु में धर्म रक्षा संकल्प किए जोरावर सिंह और फतेह सिंह को जिंदा दीवार चुनवा देना मुगलों के जुल्मों की पराकाष्ठा को सिद्ध करता है। बाबा जोरावर सिंह और फतेह सिंह ने मुगलों के सभी लालचों को ठुकरा दिया । धर्म परिवर्तन न करने पर दोनों को दीवार में चुनवा दिया। भाई साहब ने धर्म की परिभाषा भी समझाते हुए समाज को उनके त्याग और धर्म के मार्ग पर चलने की आवश्यकता का संदेश दिया कि कलयुग में संगठन शक्ति ही जीवन को शक्ति देगी और राष्ट्र सुदृढ़ता का आधार बनेगी। माननीय नगर संघचालक श्रीमान विरेन्द्र जी की अध्यक्षता व मुख्य शिक्षक गौरव जी के मार्ग दर्शन में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में माननीय सह नगर स?घचालक श्रीमान त्रिलोक जी, नगर कार्यवाह, सह कार्यवाह व नगर कार्यकारणी सदस्य तथा जिला व विभाग के दायित्ववान कार्यकर्ता उपस्थिति रहे। पुलिस प्रशासन के भरपूर सहयोग से कार्यक्रम बहुत सफलता और शांति पूर्वक संपन्न हुआ। थाना बीटा-2 पुलिस प्रशासन टीम का सहयोग के लिए आभार । आज 140 बाल स्वयं सेवकों ने पूर्ण गणवेश तथा 30 बाल स्वयंसेवक अर्द्ध गणवेश में पथसंचलन में भाग लिया व नगर से 60 वरिष्ठ स्वयंसेवक व नगर के गणमान्य बंधु उपस्थित रहे ।

रामपुर मनिहारान मिशन शक्ति फेज 0,5 के अंतर्गत चलाया गया महिला सुरक्षा जागरुकता अभियान

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेशः सरकार द्वारा संचालित जनपद सहारनपुर पुलिस अधीक्षक माननीय आशीष तिवारी जी के निदेर्शानुसार थानाध्यक्ष महोदय राधेश्याम यादव रामपुर मनिहारान के कुशल नेतृत्व में एंटी रोमियो टीम प्रभारी माननीय एसआई देवेंद्र सिंह द्वारा नारी सशक्तिकरण एंव महिला सुरक्षा जागरूकता अभियान विशेष रूप से नगर के पंजाब नेशनल बैंक के निकट मेन बाजार में चलाया गया। यह अभियान जिला पुलिस अधीक्षक माननीय आशीष तिवारी जी के निर्देशन तथा एंटी रोमियो टीम प्रभारी उपनिरीक्षक देवेंद्र सिंह के नेतृत्व में सराहना का विषय बना हुआ है। इस अभियान के दौरान बाजार में मौजूद महिलाओं, युवतियों, दुकानदारों एवं आम नागरिकों को महिला सुरक्षा से जुड़े विषयों पर जागरूक किया गया। उपनिरीक्षक देवेंद्र सिंह ने बताया कि सरकार द्वारा महिला सुरक्षा को लेकर नए व सख्त कानून लागू किए गए हैं, जिनमें छेड़छाड़, पीछा

करने, अभद्र टिप्पणी, सोशल मीडिया पर उत्पीड़न और सार्वजनिक स्थानों पर असुरक्षित व्यवहार पर कठोर कार्रवाई का प्रावधान है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में आरोपी के खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने महिलाओं को डायल 112 पुलिस आपातकालीन सेवा,विमेन पावर लाइन 1090, और 181महिला हेल्पलाइन, व 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, आदि महत्वपूर्ण नंबरों की जानकारी भी दी गई। अभियान के दौरान एंटी रोमियो टीम ने बाजार क्षेत्र में भ्रमण कर लोगों से संवाद किया और असामाजिक तत्वों को सख्त चेतावनी दी। इस दौरान महिला कांस्टेबल सोनू मैडम की उपस्थिति भी बहुत महत्वपूर्ण रही, जिन्होंने महिलाओं को आत्मविश्वास के साथ आगे आकर शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया। एसआई देवेंद्र सिंह ने कहा कि पुलिस का उद्देश्य केवल कार्रवाई करना ही नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता पैदा कर अपराधों को जड़ से रोकना है। स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों ने पुलिस के इस प्रयास की सराहना करते हुए सहयोग का भरोसा दिलाया। इस अभियान से नगर एंव क्षेत्र में सुरक्षा का सकारात्मक संदेश व माहौल उत्पन्न हुआ है।

पुलिस अधिकारियों ने सेक्टर-63 में फुट पेट्रोलिंग कर लिया जायजा

योगेन्द्र कुमार

उत्तर प्रदेशः पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में डीसीपी सेन्ट्रल नोएडा श्री शक्ति मोहन अवस्थी के पर्यवेक्षण में एडीसीपी सेंट्रल नोएडा श्री संतोष कुमार के नेतृत्व में एसीपी-1 सेंट्रल नोएडा श्री उमेश कुमार के द्वारा पुलिस बल के साथ थाना सैक्टर 63 क्षेत्र के अंतर्गत बाजार, महत्वपूर्ण सडकों तथा भीड भाड वाले स्थानों के आस-पास फुट पेट्रोलिंग करते हुए सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। उनके द्वारा पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया गया कि यातायात व्यवस्था को दुरूस्त रखा जाये एवं संदिग्ध प्रतीत हो रहे प्रत्येक व्यक्ति/वाहनों को रोककर उसकी चेकिंग की जाये तथा नियमों का पालन न करने वालों के विरूद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाये।

अंकुर एकेडमी में संगम समारोह और विजेताओं का सम्मान किया गया

अर्जुन दास

राजस्थानः अंकुर एकेडमी स्कूल बोडीगामा छोटा में हुआ संगम समारोह का आयोजन। दिनांक 24 -12- 25 को अंकुर एकेडमी उच्च प्राथमिक विद्यालय बोडीगामा छोटा में तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता के समापन अवसर पर संगम समारोह का आयोजन हुआ। अंकुर एकेडमी के खेल मैदान में आयोजित इस संगम समारोह कार्यक्रम की शुरूआत मां शारदे के दीप प्रज्वलन एवं अतिथियों के स्वागत रस्म से हुई। विद्यालय के संस्था प्रधान प्रियव्रत सिंह चारण ने प्रतिवेदन प्रस्तुत कर विद्यालय की गतिविधियों एवं उपलब्धियां से सभी को अवगत कराया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अरविंद कुमार मेहता

सरोदा ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु अभिभावक एवं शिक्षकों के मध्य आपसी सामन्जस्य की महत्ता को बताया।एसीबीईओ साबला कुलदीप जैन एवं मंचासीन अधिकारियों ने विद्यालय के गौरव प्रिंस दर्जी, अयान सेवक, वंश वैष्णव व मार्गदर्शक शिक्षक अंकित सुथार को राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर सम्मानित किया। साथ ही खेलकूद प्रतियोगिता में विजेता रहे 80 खिलाड़ियों को भी मेडल पहनाकर सम्मानित किया। संगम समारोह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता देवराम मेहता ने बताया कि अच्छे विद्यार्थी में संस्कारों का बीजारोपण उसकी मां से ज्यादा कोई नहीं कर सकता है और भारतीय संस्कृति को आदर्श मानते हुए गर्व से अपनाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रभारी आंचल जोशी एवं अंजली भट्ट के निर्देशन में विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगारंग प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम को नंद किशोर जोशी, गिरधर पांडे, देवशंकर व्यास आदि ने संबोधित किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रवीण रावल पीईईओ बोडीगामा छोटा ने विद्यार्थियों के जीवन में दैनिक दिनचर्या के महत्व एवं बाल संस्कारों पर प्रकाश डाला। विनोद दवे, हिमांशी पण्डया, अमीषा पाटीदार, कल्पना सेवक, रचना जोशी ,उर्वशी सुथार, गरिमा सेवक, अन्य विद्यालय कार्मिकों ने खेलकूद प्रतियोगिता एवं संगम समारोह कार्यक्रम में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एक नजर

अवैध तरीके से सार्वजनिक स्थान पर स्टंट करने वाले 02 चार पहिया वाहन पुलिस द्वारा सीज किये गये

इंद्रेश कुमार पांडे/उत्तर प्रदेशः प्रयागराज के थाना जार्जटाउन पुलिस द्वारा अवैध तरीके से बिना अनुमति के0पी0 ग्राउण्ड में स्टंट करने वाले 02 चार पहिया वाहन को सीज किये गये। इसके संबंध मे सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ था। उस वीडियो का गंभीरता से संज्ञान लेकर थाना जार्जटाउन पुलिस द्वारा के0पी0 ग्राउन्ड मे स्टंटबाजी करने वाले 02 चार पहिया वाहनो को कब्जे मे लेकर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी। सीज वाहनों का विवरण 01 मारुती सुजुकी स्विफ्ट रजि0नं0- वढ 70 एइ 5510, 01 फोर्ड इको स्पोर्ट रजि0नं0 - वढ 70 ऋ1375, कार्यवाही करने वाली पुलिस टीम व0उ0नि0 मुकेश कुमार,उ0नि0 अश्वनी सविता,का0 अभिषेक कुमार, थाना जार्जटाउन, कमिश्नरेट प्रयागराज।

कड़ाके की ठंड में मशीहा बने समाजसेवी, जरूरतमंद लोगों को दिए गए कंबल

इंद्रेश कुमार पांडे/उत्तर प्रदेशः प्रयागराज जनपद के यमुनानगर तहसील बारा अंतर्गत ग्राम पंचायत बवंधर में पड़ रही कड़ाके की ठंड में 250 जरुरतमंद लोगों को ठंड से बचाव हेतु समाजसेवी पाण्डे परिवार की ओर से कंबल वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पूर्व बारा विधायक उदयभान करवरिया मुख्य अतिथि एवं पूर्व जिला भाजपा अध्यक्ष जमुनापार विभवनाथ भारतीय ने जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए। इस अवसर पर क्षेत्र क्षेत्र के तमाम संभ्रांत गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक राजेंद्र पांडेय रहे। कार्यक्रम का संचालन अविनाश त्रिपाठी ने किया कार्यक्रम के अंत में अरविंद पांडेय (नत्थू) ने वहां उपस्थित पत्रकारों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया।

मेजर शैतान सिंह स्टेडियम में 26 और 27 दिसंबर को किया गया प्रतियोगिताओं का आयोजन

महेश कुमार पुरोहित/राजस्थानः फलोदी शहर में उत्सव का माहौल बने जा रहा है। 26 और 27 दिसंबर को मेजर शैतान सिंह स्टेडियम में कुरजां महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस दो दिवसीय महोत्सव में

विभिन्न रोचक एवं पारंपरिक प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी, जिनमें रंगोली, मेहंदी, मांडना, फैंसी ड्रेस, साफा बांधना, मिस्टर एंड मिसेज फलोदी, मटका दौड़, रस्साकसी तथा मल्ला श्री जैसी स्पधाएं शामिल हैं।इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन निर्धारित प्रारूप में जिला खेल अधिकारी कार्यालय, मेजर शैतान सिंह स्टेडियम में जमा करवाए जा सकते हैं। प्रतियोगिताओं से जुड़ी विस्तृत जानकारी या सहायता के लिए अनिल पुरोहित से संपर्क किया जा सकता है।कुरजां महोत्सव स्थानीय संस्कृति, कला और खेल भावना के सम्मिलन का प्रतीक बनकर लोगों के मनोरंजन और सहभागिता का केन्द्र बनेगा।

हत्या के विरोध में ग्रामीणों का प्रदर्शन, सड़क पर शव रख लगाया जाम

दिलीप कुमार/बिहारः थाना क्षेत्र के बरदाहां पंचायत के घोठा टोला गांव में सोमवार की देर शाम दो पक्षों में रुपए की लेन देन को लेकर बीस वर्षीय युवक विजय साह पिता विश्वनाथ साह की हत्या मामले में ग्रामीण आक्रोशित होकर आगजनी कर शव को सड़क पर रखकर एच एच को जाम कर दिया है। परिजन राजेश कुमार, राजकुमार सोनी, आकास कुमार, मंजीत कुमार आदि ने बताया कि जब तक प्रशासन आरोपियों को गिरफ्तार नहीं करेगी। लोग सड़क जाम कर प्रदर्शन करते रहेंगे। सड़क जाम की सुचना पर पहुंची जगदीशपुर व नौतन पुलिस के काफी मशक्कत के बाद भी लोग जाम हटाने पर राजी नहीं हो रहे थे।

कोटकासिम सांसद खेल उत्सव क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य उद्घाटन

रामहेत सिंह यादव और गुरुदेव भास्कर भारद्वाज रहे मुख्य अतिथि

जैबीर सिंह

राजस्थानः सांसद खेल उत्सव के अंतर्गत आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य उद्घाटन रामलीला मैदान, कोटकासिम में राष्ट्रीय परिषद के सदस्य एवं पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव द्वारा किया गय इस अवसर पर आध्यात्मिक जगत के महान सितारे गुरुदेव भास्कर भारद्वाज की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। उद्घाटन मैच बिलाहेडी वर्सेस तिगांवा के बीच खेला गया, जिसमें शानदप्रदर्शन करते हुए बिलाहेडी टीम ने जीत दर्ज की। मुख्य अतिथि रामहेत सिंह यादव ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि

खेल केवल जीत-हार का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, एकता और निष्पक्ष खेल भावना का प्रतीक है। उन्होंने बच्चों व युवाओं को खेलों के माध्यम से शारीरिक व मानसिक विकास पर जोर देने की प्रेरणा दी।

इस अवसर पर वेदप्रकाश पंडित, संत भास्कर भारद्वाज जी, मंडल अध्यक्ष यशपाल शर्मा (कोटकासिम), अशोक डाटा,सुरेंद्र जांगिड़ मंडल अध्यक्ष (हरसौली) विक्रम सिंह, मुकेश यादव, मुकेश गुरुजी, कृष्ण गुरुजी, पोनी, मनोज मित्तल (मंडल अध्यक्ष किशनगढ़ बास), राजेंद्र शर्मा, महावीर यादव, गायशीराम, राकेश गुप्ता, राजेंद्र उर्फ नागा जी सहित अनेक कार्यकर्ता व खेल प्रेमी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान खिलाड़ियों और दर्शकों में उत्साह देखने को मिला तथा आयोजकों द्वारा प्रतियोगिता को सफल व अनुशासित रूप से संपन्न कराने का संकल्प लिया गया।

पुलिस मुठभेड़ में दुष्कर्म का आरोपी घायल, पैर में गोली लगी

22

भाजपा ने जगदीश पालीवाल को स्वच्छ भारत मिशन का जिला संयोजक नियुक्त किया

महेश कुमार पुरोहित

राजस्थानः भारतीय जनता पार्टी ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत जोधपुर देहात उत्तर जिले में संगठनात्मक स्तर पर नई जिम्मेदारी सौंपते हुए जगदीश पालीवाल को जिला संयोजक नियुक्त किया है। यह मनोनयन भाजपा शीर्ष नेतृत्व एवं जोधपुर देहात उत्तर जिला अध्यक्ष श्रीमती ज्योति जाणी की स्वीकृति के बाद किया गया, जिसके बाद स्थानीय कार्यकताओं में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। मनोनीत जिला संयोजक जगदीश पालीवाल ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन जैसे जनआंदोलन से जुड़ना उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वे स्वच्छता अभियान को जन-जन तक पहुँचाने, लोगों की भागीदारी बढ़ाने और मिशन को गति देने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। पालीवाल ने बताया कि वे जल्द ही एक संगठित टीम बनाकर ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में स्वच्छता एवं जागरूकता अभियान चलाएंगे। इन अभियानों के माध्यम से लोगों

अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन महानगर की बैठक में संगठन विस्तार, नए पदाधिकारियों की नियुक्ति

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेशः सहारनपुर महानगर अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन महानगर द्वारा एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन दिल्ली रोड स्थित राघव रेजिडेंसी होटल में किया गया। इस बैठक में संगठन का विस्तार करते हुए आने वाले समय में किस तरह समाज के उत्थान के लिए कार्य किया जाए इस पर जोर शोर से चर्चा हुई।

बैठक के दौरान संगठन का विस्तार करते हुए कुछ नए पदाधिकारियों को नियुक्ति दी गई, जिसमें रितु सिंघल को महानगर महिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। संदीप गर्ग को जिला संगठन मंत्री,गौरव गुप्ता

को महानगर महामंत्री,मनीष गुप्ता को जिला उपाध्यक्ष,वरुण मित्तल को जिला शिक्षक प्रकोष्ठ का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रवि गुप्ता, जिला अध्यक्ष अनिल आर्य, महानगर अध्यक्ष बृजेश गुप्ता, एडवोकेट अमित गुप्ता,प्रीतम गोयल, कोषाध्यक्ष रंजन गुप्ता महानगर महामंत्री, संदीप सिंघल महानगर उपाध्यक्ष, आनंद गुप्ता महानगर मंत्री,आशुतोष गोयल, सचिन गोयल, उज्जवल गर्ग, संदीप गर्ग,राकेश अग्रवाल, राजेंद्र गर्ग, शिवांग गर्ग, अभय गर्ग,पदम गर्ग, सुधीर गुप्ता, संजय बंसल, विमल गुप्ता, महानगर उपाध्यक्ष धर्मेंद्र गर्ग, मनीष गुप्ता,प्रवीण गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष एवं अन्य सम्मानित साथी उपस्थित रहे।

रेलवे फाटक की मरम्मत से दो दिन से यातायात ठप्प, लोगों को भारी परेशानी

खत्री रमिजभाई

गुजरातः बोडेली शहर में रेलवे फाटक की मरम्मत के चलते पिछले करीब दो दिनों से सड़क यातायात पूरी तरह बाधित है, जिससे आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रेलवे विभाग द्वारा फाटक नंबर 65 पर रखरखाव एवं संभावित मरम्मत कार्य शुरू किया गया है। इसी कारण सुरक्षा के मद्देनजर इस मार्ग से सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही अस्थायी रूप से रोक दी गई है।

सड़क बंद होने के कारण स्थानीय लोगों को वैकल्पिक

मार्गों का सहारा लेना पड़ रहा है। इससे विशेष रूप से स्कूल-कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों और बाहर से आने वाले यात्रियों को काफी असुविधा हो रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि मरम्मत कार्य शीघ्र पूरा नहीं हुआ, तो यातायात समस्या और गंभीर हो सकती है। लोगों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से जल्द समाधान निकालने की मांग की है। रेलवे विभाग के अनुसार, मरम्मत कार्य पूर्ण होने के बाद ही यह मुख्य मार्ग पुनः यातायात के लिए खोला जाएगा।

स्थापना दिवस पर बोले आचार्य मनीष, आयुर्वेद अपनाने से बदलेगी जीवनशैली

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेशः सहारनपुर हॉस्पिटल एंड इंस्टिट्यूट ऑफ इंटीग्रेटेड मेडिकल साइंस के आयुर्वेदाचार्य आचार्य मनीष ने कहा कि आप लोग अपनी जीवन शैली को परिवर्तित करके ज्यादा अच्छा स्वस्थ जीवन जी सकते हैं और जीवन में लम्बी आयु व निरोगी जीवन के लिये पंचकर्म करना अति आवश्यक है। इसलिये आयुर्वेद से सभी को जुडना चाहिए। उन्होने कहा कि व्यापार मंडल आयुर्वेद चिकित्सायल खुलवाते हैं तो वह सभी का निःशुल्क उपचार

करेगें।आयुर्वेदाचार्य आचार्य मनीष रेलवे रोड स्थित सहारनपुर उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के महानगर कार्यालय व्यापार भवन पर व्यापार मंडल की स्थापना दिवस के अवसर पर एक प्रेस वार्ता में पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। हॉस्पिटल एंड इंस्टिट्यूट ऑफ इंटीग्रेटेड मेडिकल साइंस के आयुर्वेदाचार्य आचार्य मनीष कार्यक्रम में विशेष रूप से रहे। प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी व्यापार महोत्सव के अंतर्गत कार्यक्रम होने जा रहे है। उन्होंने व्यापार मंडल की ओर से आने वाले पारिवारिक कार्यक्रमों के टिकट का भी विमोचन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहारनपुर उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के महानगर अध्यक्ष विवेक मनोचा और वरिष्ठ महामंत्री सरदार सुरेंद्र मोहन सिंह चावला ने व्यापारियों से कहा की आयुर्वेद और नेचुरोपैथी जैसा कि आचार्य ने बताया है उसको जीवन में अवश्य अपनाये। आज विदेशों में भी यदि हम देखें तो विदेशी भी आयुर्वेद के मुरीद हुए जा रहे हैं, तो एक योग और आयुर्वेद आपके जीवन में बहुत बड़ा परिवर्तन ला सकता है। मनोचा व चावला ने बताया कि व्यापार मण्डल आज अपना स्थापना दिवस मना रहा है। उन्होंने कहा कि लाला बिशम्बर दयाल ने जो पौधा काशी के तट पर रोपित किया था आज वह वट वृक्ष बनकर व्यापारियों को सबलता प्रदान कर रहा है।

उन्होंने व्यापार मंडल के आने वाले कार्यक्रम व्यापार महोत्सव में भी सभी व्यापारियों से बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने की अपील की। इस अवसर पर मुख्य रूप से अध्यक्ष विवेक मनोचा, वरिष्ठ महामंत्री सरदार सुरेन्द्र मोहन सिंह चावला, महामंत्री पुनीत चौहान, कोषाध्यक्ष सुधीर मिगलानी, यशपाल मैनी, राजेन्द्र गुप्ता, अशोक छाबडा, राजीव मदान, संजय भसीन, राजपाल सिंह, राम राजीव सिंघल, राजीव मदान, पवन गोयल, दीपक खेडा, कुबेर नरूला, विनीत चौहान, सुदर्शन जुनेजा, मुकेश दत्ता, नीरज जैन, राकेश नारंग, गौतम शंकर सिंघल, हरजिन्दर सिंह, अनिल तुली, गोपी खनेजा, संजीव भारती, संजय जुनेजा, रवि पाहूजा, नितिन गर्ग, आशीष गर्ग, गुलशन नारंग, गुलशन अनेजा आदि भारी संख्या में व्यापारी प्रतिनिधि शामिल रहे।

सम्पादकीय

बीमा कंपनियां क्यों निवेश बढ़ाएंगी?

भारत में 2.8 प्रतिशत लोगों के पास जीवन बीमा और एक फीसदी लोगों के पास सामान्य बीमा पॉलिसी है। प्राइवेट स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी धारकों की संख्या पांच प्रतिशत से कम है। बाकी लोग पॉलिसी का बोझ उठाने में सक्षम नहीं है। बढ़ती आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर केंद्र ने हाल में अनेक ऐसे फैसले लिए हैं, जिनके जरिए संदेश भेजने की कोशिश हुई है कि नरेंद्र मोदी सरकार तीव्र गति से अगले चरण के आर्थिक सुधारों को लागू कर रही है। इस दिशा में जीएसटी दरों में हेरफेर और चार श्रम संहिताओं पर अमल के बाद अब बीमा क्षेत्र में उदारीकरण का बड़ा फैसला लिया गया है। कैबिनेट ने नए बीमा विधेयक को मंजूरी दी है, जिसके तहत इस क्षेत्र को 100 फीसदी विदेशी निवेश के लिए खोला जाएगा। साथ ही इस क्षेत्र में निवेश संबंधी अनेक प्रमुख शर्तों को आसान करने का निर्णय लिया गया है। आशा की गई है कि इससे बड़े पैमाने पर बाहरी निवेश आएगा, जिससे कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में लगातार हालिया गिरावट से उपजी समस्या से राहत मिलेगी। लेकिन क्या सचमुच ऐसा होगा? अगर पिछले अनुभव पर ध्यान दें, तो इसकी संभावना कम लगती है। 2021 में केंद्र ने बीमा क्षेत्र में विदेशी निवेश की सीमा बढ़ा कर 49 से 74 फीसदी की थी। मगर उससे फैसले से विदेशी बीमा कंपनियां भारत की ओर आकर्षित नहीं हुईं। ना ही भारतीय कंपनियों के साथ साझा उद्यम में उनके निवेश में कोई ठोस बढ़ोतरी हुई। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक जब से बीमा क्षेत्र को विदेशी निवेश के लिए खोला गया, लगभग 82 हजार करोड़ रुपये का बाहरी निवेश आया है। लेकिन यह अधिकांशतः भारतीय कंपनियों के साथ साझा उद्यम में आया। मुमकिन है, ताजा फैसले से वैसे निवेश में कुछ बढ़ोतरी हो। मगर भारतीय बीमा बाजार के मूल ढांचे में किसी गुणात्मक परिवर्तन की संभावना कम ही है। इसका कारण इस बाजार का सीमित आकार है। भारत में 2.8 प्रतिशत लोगों को जीवन बीमा सुरक्षा हासिल है। सामान्य बीमा की पैठ तो महज एक फीसदी आबादी तक है। प्राइवेट स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी धारकों की संख्या भी पांच प्रतिशत से कम ही है। बाकी लोगों की जेब किसी तरह की बीमा पॉलिसी का बोझ उठाने में सक्षम नहीं है। जब तक यह सूरत नहीं बदलती, बीमा कंपनियां क्यों निवेश बढ़ाएंगी? यह स्थिति कैसे बदले, इसकी कोई दृष्टि सरकार ने सामने नहीं रखी है।

विकास की पटरी पर कुचला वन्यजीवन

-डॉ. सत्यवान सौरभ-

दिसंबर 2025 में असम के होजाई ज़िले में सात हाथियों-जिनमें शावक भी शामिल थे-की रेल दुर्घटना में हुई मृत्यु कोई साधारण हादसा नहीं थी। यह घटना भारत के विकास मॉडल और पर्यावरणीय संवेदनशीलता के बीच बढ़ते टकराव का प्रतीक बनकर सामने आई। तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आकर न केवल हाथियों की जान गई, बल्कि इंजन और कई डिब्बों के पटरी से उतरने से यह भी स्पष्ट हुआ कि ऐसी घटनाएँ केवल वन्यजीवों के लिए ही नहीं, बल्कि मानव जीवन और सार्वजनिक संपत्ति के लिए भी गंभीर खतरा हैं।

हाथी भारत का ह्लराष्ट्रीय धरोहर पशुह्व है और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची-कमें संरक्षित है। इसके बावजूद, हर वर्ष रेलवे ट्रैक पर हाथियों की मौतें यह सवाल उठाती हैं कि क्या हमारा विकास सचमुच सतत है, या वह प्रकृति की कीमत पर आगे बढ़ रहा है। सरकारी आँकड़ों के अनुसार, पिछले दो दशकों में सैकड़ों हाथी ट्रेन दुर्घटनाओं में मारे जा चुके हैं, जिनमें असम, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड सबसे अधिक प्रभावित राज्य हैं।

भारत में रेलवे लाइनों, राष्ट्रीय राजमार्गों, बिजली ट्रांसमिशन लाइनों और अन्य रेखीय अवसंरचनाओं का तेजी से विस्तार हुआ है। यह विस्तार आर्थिक प्रगति के लिए आवश्यक माना गया, किंतु समस्या तब उत्पन्न होती है जब ये परियोजनाएँ वनों, घास के मैदानों और आर्द्रभूमियों को बिना पर्याप्त पारिस्थितिक योजना के काटती हुई आगे बढ़ती हैं। रेलवे ट्रैक विशेष रूप से घातक सिद्ध होते हैं क्योंकि ट्रेनें न तो दिशा बदल सकती हैं और न ही अचानक रुक सकती हैं। दूसरी ओर, हाथियों की दृष्टि क्षमता सीमित होती है और उनका भारी शरीर तेज प्रतिक्रिया में बाधक बनता है।

हाथी बड़े भूभाग में विचरण करने वाले जीव हैं और भोजन, पानी तथा प्रजनन के लिए पारंपरिक प्रवासी मार्गों पर निर्भर रहते हैं। जब रेलवे लाइनें इन गलियारों को काट देती हैं, तो हाथियों के सामने ट्रैक पार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता। दुर्भाग्य से, अनेक दुर्घटना-प्रवण क्षेत्र आज भी आधिकारिक रूप से ह्लहाथी गलियारेह्व घोषित नहीं किए गए हैं। असम का होजाई क्षेत्र इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है, जहाँ वर्षों से हाथियों की नियमित आवाजाही के बावजूद कानूनी संरक्षण का अभाव रहा है।

दुर्घटनाओं का एक प्रमुख कारण ट्रेनों की अत्यधिक गति भी है। पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में भी ट्रेनों की रफ्तार 90 से 110 किलोमीटर प्रति घंटा तक रहती है। इतनी गति पर हाथियों को देखकर ट्रेन रोक पाना लगभग असंभव हो जाता है। अस्थायी गति प्रतिबंध और चेतावनियाँ प्रायः कागजी साबित होती हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि रेलवे संचालन में अभी भी पर्यावरणीय सुरक्षा की तुलना में समय और दक्षता को अधिक प्राथमिकता दी जाती है।

दृश्यता की समस्या भी इन दुर्घटनाओं को बढ़ाती है। अधिकांश हाथी-रेल टकराव रात या तड़के होते हैं, जब कोहरा, वर्षा या घनी वनस्पति के कारण ट्रेन चालकों की दृष्टि सीमित हो जाती है। असम और पूर्वोत्तर भारत में यह स्थिति और भी गंभीर है, जहाँ मौसम की अनिश्चितता सामान्य बात है। इसके अतिरिक्त, रेलवे ट्रैक स्वयं हाथियों को आकर्षित करते हैं। यात्रियों द्वारा फेंका गया खाद्य अपशिष्ट, नमकयुक्त मिट्टी और पटरियों के आसपास पकती फसलें हाथियों को जोखिम वाले क्षेत्रों की ओर खींचती हैं, विशेषकर फसल कटाई के मौसम में। रेलवे ट्रैक का डिजाइन भी कई बार समस्या को बढ़ाता है। ऊँचे तटबंध, कंक्रीट की दीवारें और बाड़ें हाथियों को ट्रैक पर फँसा देती हैं। शावक जल्दी बाहर नहीं निकल पाते, जिससे पूरा झुंड धीमा हो जाता है और दुर्घटना की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। इसके साथ ही, वन विभाग और रेलवे के बीच समुचित समन्वय की कमी भी एक बड़ी चुनौती है। गश्ती दल द्वारा हाथियों की उपस्थिति की सूचना अक्सर समय पर रेलवे नियंत्रण कक्ष तक नहीं पहुँच पाती, जिससे दुर्घटनाएँ रोकी नहीं जा पातीं। हर बड़ी दुर्घटना के बाद जाँच, मुआवजा और अस्थायी प्रतिबंध जैसे कदम उठाए जाते हैं, किंतु ये सभी प्रतिक्रियात्मक उपाय हैं। पर्यावरण प्रभाव आकलन अक्सर औपचारिकता बनकर रह जाता है और परियोजना स्वीकृति के बाद पशु व्यवहार में आए परिवर्तनों को गंभीरता से नहीं लिया जाता। आवश्यकता इस बात की है कि संरक्षण को विकास की राह में बाधा नहीं, बल्कि उसका अनिवार्य हिस्सा माना जाए। हाथियों की सुरक्षा के लिए सभी ज्ञात प्रवासी गलियारों को कानूनी संरक्षण देना आवश्यक है, चाहे वे पहले से अधिसूचित हों या नहीं। ऐसे सभी क्षेत्रों में स्थायी गति सीमा लागू की जानी चाहिए। तकनीकी समाधान के रूप में अक आधारित इंट्रूजन डिटेक्शन सिस्टम, जो हाथियों की गतिविधि पहचानकर समय से ट्रेन चालकों को चेतावनी देते हैं, अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो सकते हैं। इन प्रणालियों का सीमित प्रयोग पर्याप्त नहीं है; इन्हें राष्ट्रव्यापी स्तर पर अपनाने की आवश्यकता है। इसके साथ ही, वैज्ञानिक रूप से डिजाइन किए गए अंडरपास, ओवरपास और मिट्टी के रैंप हाथियों के सुरक्षित पारगमन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। पर्यावरण मंत्रालय के अनुसार, ऐसे ढाँचों से हाथियों की मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी संभव है। पटरियों के किनारे फलदार पेड़ों की कटाई, नियमित सफाई और ट्रेनों में शून्य-कचरा नीति अपनाना भी उतना ही आवश्यक है। ह्लप्लान बीह्व जैसी योजनाएँ, जिनमें मधुमक्खियों की आवाज से हाथियों को दूर रखा जाता है, व्यवहारिक और मानवीय समाधान प्रस्तुत करती हैं। अंतरराष्ट्रीय अनुभव बताते हैं कि जब संरक्षण को गंभीरता से लिया जाता है, तो विकास और वन्यजीवन के बीच संतुलन संभव है। कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड जैसे देशों ने वन्यजीव पारगमन संरचनाओं और कठोर गति नियंत्रण से दुर्घटनाओं में भारी कमी लाई है।

अरावली की चिन्ता: नारे से आगे, अस्तित्व की लड़ाई

-ललित गर्ग-

> सुप्रीम कोर्ट ने समय-समय पर अरावली के संरक्षण को लेकर गंभीर टिप्पणियां की हैं। न्यायालय का दृष्टिकोण स्पष्ट रहा है कि पर्यावरणीय संतुलन को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर रोक लगनी चाहिए और विकास के नाम पर प्रकृति के विनाश को वैधता नहीं दी जा सकती। इसके बावजूद, विभिन्न स्तरों पर नियमों की व्याख्या और पुनर्व्याख्या के जरिए खनन को अनुमति देने के प्रयास होते रहे हैं। विशेष रूप से ह्ल100 मीटर ऊंचाईह्व जैसे मानदंडों के आधार पर पर्वतों को परिभाषित करना और उससे नीचे की संरचनाओं को खनन योग्य मानना एक खतरनाक प्रवृत्ति है।

अरावली पर्वत श्रृंखला की नई परिभाषा को लेकर उठा विवाद अब जन-आन्दोलन का रूप ले रहा है। इसी के अन्तर्गत अरावली बचाओ की चिन्ता-यह केवल भावनात्मक आह्वान नहीं, बल्कि भारत के पर्यावरणीय भविष्य की जीवनरेखा है। गुजरात से लेकर दिल्ली तक फैली अरावली पर्वतमाला पृथ्वी की प्राचीनतम पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। यह पर्वत केवल पत्थरों का ढेर नहीं, बल्कि जल, जंगल, जैव-विविधता, जलवायु संतुलन और मानव जीवन के लिए एक प्राकृतिक कवच है। आज जब खनन, शहरीकरण और विकास की आड़ में इस पर्वतमाला को टुकड़ों में बांटने की कोशिशें हो रही हैं, तब यह प्रश्न केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि मनुष्य जाति के अस्तित्व का बन गया है। हमें उम्मीद करनी चाहिए कि अरावली को लेकर सरकारों की चिन्ता व्यर्थ न जाये, कोई सकारात्मक रंग लाए। पहाड़ी इलाकों के खनन, उपेक्षा एवं लोभवृत्ति पर विचार करना होगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सरकारों की उपेक्षा की वजह से अरावली के बड़े हिस्से का खनन ही नहीं हुआ, आमजन एवं प्रकृति-पर्यावरण रक्षा का यह कवच ध्वस्त भी हुआ है।

अरावली की आयु भूगर्भीय दृष्टि से करोड़ों वर्षों में आंकी जाती है। यह हिमालय से भी पुरानी है। यही कारण है कि अरावली का स्वरूप अपेक्षाकृत निचला और क्षरित दिखाई देता है, किंतु इसका महत्व कहीं अधिक गहरा है। राजस्थान, हरियाणा, गुजरात और दिल्ली के बड़े हिस्सों में वर्षा जल का संचयन, भूजल रिचार्ज और मरुस्थलीकरण पर नियंत्रण अरावली के कारण ही संभव है। थार मरुस्थल को पूर्व की ओर बढ़ने से रोकने में अरावली की भूमिका किसी अदृश्य दीवार की तरह है। आज के समय में पर्यावरणीय संकट बहुआयामी हो चुका है-जल संकट, वायु प्रदूषण, जैव-विविधता का क्षय, जलवायु परिवर्तन और अनियंत्रित शहरी विस्तार। इन सभी चुनौतियों का एक साझा समाधान अरावली जैसी प्राकृतिक संरचनाओं का संरक्षण है। दुर्भाग्यवश, खनन और निर्माण गतिविधियों ने इस पर्वतमाला को गहरे घाव दिए हैं। पत्थर, संगमरमर और अन्य खनिजों के लिए की जा रही अंधाधुंध खुदाई ने न केवल पहाड़ों को खोखला किया है, बल्कि आसपास के गांवों, नदियों और जंगलों को भी संकट में डाल दिया है। लगातार संकट से घिर रही अरावली को बचाने के लिये एक याचिका 1985 से न्यायालय में विचाराधीन है। हालांकि इस याचिका का ही नतीजा है कि अरावली का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा संरक्षित श्रेणी में आता है। वैसे अब समय आ गया है कि अरावली को पूरी तरह से खनन-मुक्त रखने का फैसला किया जाये। अब भी खनन जारी रहा तो उससे होने वाले लाभ से कई गुणा ज्यादा कीमत हमें पर्यावरण के मोर्चे पर चुकानी पडेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने समय-समय पर अरावली के संरक्षण को लेकर गंभीर टिप्पणियां की हैं। न्यायालय का दृष्टिकोण स्पष्ट रहा है कि पर्यावरणीय संतुलन को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर रोक लगनी चाहिए और विकास के नाम पर प्रकृति के विनाश को वैधता नहीं दी जा सकती। इसके बावजूद, विभिन्न स्तरों पर नियमों की व्याख्या और पुनर्व्याख्या के जरिए खनन को अनुमति देने के प्रयास होते रहे हैं। विशेष रूप से ह्ल100 मीटर ऊंचाईह्व जैसे मानदंडों के आधार पर पर्वतों को परिभाषित करना और उससे नीचे की संरचनाओं को खनन योग्य मानना एक खतरनाक प्रवृत्ति है। यह तर्क न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से कमजोर है, बल्कि पर्यावरणीय समझ के भी विपरीत है। खनन की वजह से अरावली की छलनी हो चुकी है।

पर्वत केवल ऊंचाई से नहीं पहचाने जाते, बल्कि उनके भूगर्भीय ढांचे, जलधारण क्षमता और पारिस्थितिकी तंत्र से उनकी पहचान होती है। 100 मीटर से कम ऊंचाई वाले पहाड़ भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने ऊंचे पर्वत। यदि इस तर्क को स्वीकार कर लिया जाए, तो धीरे-धीरे पूरी अरावली को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर समाप्त किया जा सकता है। यह दृष्टिकोण अल्पकालिक आर्थिक लाभ को दीर्घकालिक पर्यावरणीय सुरक्षा से ऊपर रखता है। राजस्थान सरकार की कुछ पहलें संरक्षण की दिशा में सराहनीय कही जा सकती हैं, जैसे वन क्षेत्रों की अधिसूचना, अवैध खनन पर कार्रवाई और पर्यावरणीय स्वीकृतियों की सख्ती। किंतु इन प्रयासों के समानांतर ऐसी नीतिगत ढील भी दिखाई देती है, जो खनन और रियल एस्टेट गतिविधियों को बढ़ावा देती हैं। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत तथ्यों और आंकड़ों के आधार पर यह तर्क दिया जाता है कि नियंत्रित खनन से विकास संभव है। परंतु अनुभव बताता है कि ह्लनियंत्रितह्व शब्द व्यवहार में अक्सर अर्थहीन हो जाता है। भले ही वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव स्पष्टीकरण दे रहे हैं कि सिर्फ 277 वर्ग किमी में ही खनन की अनुमति है। उन्होंने आश्वस्त किया है कि नई परिभाषा से खनन बढ़ेगा नहीं, बल्कि अवैध खनन रूकेगा।

विकास और पर्यावरण को आमने-सामने खड़ा करना एक पुरानी भूल है। सच्चा विकास वही है जो प्रकृति के साथ सामंजस्य बैठाकर हो। अरावली का संरक्षण विकास विरोधी कदम नहीं, बल्कि दीर्घकालिक विकास की शर्त है। जिन क्षेत्रों में अरावली को नुकसान पहुंचा है, वहां जल स्तर गिरा है, तापमान बढ़ा है और जैव-विविधता घट गई है। दिल्ली-एनसीआर की जहरीली हवा और जल संकट में अरावली के क्षरण की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अरावली में वन्यजीव लगभग खत्म होने को है। खनन के विकल्प पर विचार करना होगा। खनन मुख्यत पत्थर के लिये होता है और पत्थरों से सुन्दर घर बनाने की परम्परा सदियों से चली आ रही है, इस परम्परा पर नये सिरे से चिन्तन करने की अपेक्षा है। घर या इमारत बनाने के दूसरे संसाधन पर सोचना होगा। जिनसे मकान तो बहुत बन जायेंगे, पर कटने वाले पहाड़ फिर कभी खड़े नहीं होंगे। पर्यावरण एवं प्रकृति रक्षक ये पहाड़ कहां से लायेंगे? सर्वोच्च न्यायालय ने अरावली के साथ-ही-साथ उत्तराखण्ड में भी जंगलों में हो रहे अतिक्रमण के खिलाफ चिन्ता का इजहार किया है। लेकिन अदालतों के साथ सरकारों को भी पर्यावरण, प्रकृति, पहाड़, पहाड़ी जंगलों एवं वन्यजीवों पर कड़ा रुख अपनाना होगा और इन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता में रखना होगा।

तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो विश्व के अनेक देशों ने अपनी प्राचीन पर्वतमालाओं और प्राकृतिक संरचनाओं को राष्ट्रीय धरोहर के रूप में संरक्षित किया है। यूरोप में आल्प्स, अमेरिका में रॉकी पर्वत और चीन में पीली नदी के बेसिन क्षेत्र इसके उदाहरण हैं। इन क्षेत्रों में खनन और निर्माण पर कठोर नियंत्रण है, क्योंकि वहां यह समझ विकसित हो चुकी है कि प्रकृति की कीमत पर आर्थिक समृद्धि टिकाऊ नहीं होती। भारत में भी इस सोच को अपनाने की आवश्यकता है। अरावली केवल जल का स्रोत नहीं है; यह जैव-विविधता का आश्रय है। यहां पाए जाने वाले वनस्पति और जीव-जंतु पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जंगलों की कटाई और पहाड़ों की खुदाई से वन्यजीवों का आवास नष्ट होता है, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ता है। यह समस्या केवल पर्यावरणीय नहीं, सामाजिक भी है।

आज देशभर में अरावली के संरक्षण को लेकर आंदोलन हो रहे हैं। ये आंदोलन इस बात का संकेत हैं कि समाज अब खामोश नहीं रहना चाहता। नागरिकों, पर्यावरणविदों, न्यायपालिका और नीति-निमार्ताओं के बीच संवाद आवश्यक है। यह समय भावनात्मक नारों से आगे बढ़कर ठोस नीतिगत निर्णय लेने का है-खनन पर पूर्ण प्रतिबंध, पुनर्वनीकरण, जल संरक्षण परियोजनाएं और स्थानीय समुदायों की भागीदारी। बीज अगर आज प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के प्यार का बोए जाएंगे, तो कल स्वच्छ हवा, पर्याप्त जल और सुरक्षित भविष्य का फल मिलेगा। अरावली बचेगी तो भारत खुशहाल रहेगा, यह केवल कविता की पंक्ति नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक सत्य है। धरती मां की रक्षा करना हमारा अधिकार ही नहीं, कर्तव्य भी है। यदि आज हमने लालच को प्राथमिकता दी, तो आने वाली पीढ़ियां हमें माफ नहीं करेंगी।

पूरी दुनिया गांधी की कायल, पर हम नाम मिटाने में मशगूल

-दिलीप कुमार पाठक-

मनरेगा से गांधी जी के नाम को हटाना केवल और केवल घटिया राजनीति का नमूना है, ये देश दुनिया के लिए हैरान करने वाला है ' क्या गांधी का नाम इतना भारी था कि उसे हटाना पड़ा? आज संपूर्ण विश्व न केवल महात्मा गांधी को नमन करता है, बल्कि उनके सिद्धांतों को जीवन के आधार स्तंभ के रूप में स्वीकार करता है। वे मात्र एक ऐतिहासिक पुरुष नहीं, बल्कि एक शाश्वत वैश्विक आइकन हैं, जिनके विचार समय की सीमाओं को लांघकर हर युग में प्रासंगिक बने हुए हैं। विश्व के महानतम विभूतियों की श्रेणी में गांधी जी का नाम सर्वोच्च सम्मान के साथ अंकित है। उनके विचार आज भी मानवता के लिए एक मशाल की तरह हैं, जो घृणा और हिंसा के अंधकार में शांति, सत्य और अहिंसा का मार्ग प्रशस्त करते हैं। गांधी जी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि एक विश्व-पथप्रदर्शक हैं। अपनी अडिग विचारधारा और नैतिक बल के कारण वे सीमाओं से परे, विश्व के करोड़ों लोगों के दिलों पर राज करते हैं। उनकी विरासत आज भी एक बेहतर और न्यायपूर्ण दुनिया के निर्माण की प्रेरणा देती है। गांधी जी कितने महान हैं इस बात से समझा जा सकता है कि जब भारत में जी - 20 समिट हुआ तब दुनिया के शीर्ष नेताओं ने नंगे पैर जाकर गांधी जी के समाधि स्थल राजघाट पर श्रद्धांजलि अर्पित की थी, आज भी जब दुनिया का कोई शीर्षस्थ इंसान आता है तो वो सबसे पहले गांधी जी को प्रणाम करने आता है, क्योंकि हमारे देश में गांधी जी से ज्यादा सुन्दर, विराट, अतुलनीय विरासत कुछ और नहीं है '

महात्मा गांधी की वैचारिक आभा आज संपूर्ण विश्व में दैदीप्यमान है। वर्तमान में दुनिया के 100 से अधिक देशों में उनकी प्रतिमाएं स्थापित हैं, जो इस बात का प्रमाण हैं कि वे आधुनिक इतिहास की उन विरलतम हस्तियों में शुमार हैं जिनकी स्मृतियों को विदेशों ने सर्वाधिक सम्मान के साथ संजोया है। 2025 तक के नवीनतम आंकड़ों और सूचना के अधिकार (आरटीआई) के अनुसार, विश्व के कम से कम 102 राष्ट्रों में बापू की मूर्तियां और स्मारक श्रद्धा का केंद्र बने हुए हैं। इनमें से 82 देशों में उनकी भव्य पूर्ण आकार की प्रतिमाएं राष्ट्रपिता के कद की वैश्विक स्वीकृति को दशार्ती हैं। अमेरिका वह राष्ट्र है जहाँ भारत के बाहर गांधी जी के सर्वाधिक स्मारक स्थित हैं। इसके अतिरिक्त ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका, जर्मनी, रूस, चीन, स्विट्ज़रलैंड और अर्जेंटीना जैसे शक्तिशाली देशों के प्रमुख नगरों में उनकी प्रतिमाएं शांति और सद्भाव का संदेश दे रही हैं। गांधी जी का सम्मान केवल मूर्तियों तक सीमित नहीं है; विश्व के 150 के करीब देशों ने उनके सम्मान में डाक टिकट जारी किए हैं और अनगिनत सड़कों व शैक्षणिक संस्थानों का नामकरण उनके नाम पर किया गया है। लंदन का पार्लियामेंट स्क्वायर, न्यूयॉर्क का यूनियन स्क्वायर और जोहान्सबर्ग की गलियां आज भी उनके सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों की गवाह हैं। आज समूचा विश्व बापू के जीवन दर्शन का अध्ययन कर रहा है। यह भारतवर्ष का परम सौभाग्य और गौरव है कि ऐसे महामानव हमारे पूर्वज रहे हैं, जिन्होंने न केवल भारत को स्वतंत्र कराया, बल्कि पूरी मानवता को जीने की एक नवीन दृष्टि प्रदान की।

पूरी दुनिया जब हमारे पूर्वज गांधी जी को पूज रही है यहां तक कि यूरोप, अमेरिका में गांधी जी को ईसा मसीह की तरह माना जाता है, लेकिन हम कितने कृतघ्न हैं कि हम आज गांधी जी के नाम को योजनाओं से हटा रहे हैं! दुनिया जब इस बात को जानेगी तो हम पर हँसेगी कि इससे कृतघ्न क्या कोई समाज हो सकता है, जिसकी रोज वंदना होना चाहिए, उनके प्रति हम असम्मान जाहिर करें? मोदी सरकार को ध्यान रखना चाहिए कि नाम बदलने से नहीं, गांधी के सिद्धांतों पर चलने से होगा विकसित भारत।

ये बात मैं इसलिए भी कर रहा हूं क्योंकि मोदी सरकार ने मनरेगा यानि गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम से गांधी जी का नाम हटा दिया है, जो सुनकर ही मन कचोट कर रह गया ' नए अधिनियम (वीबी-जी राम जी एक्ट, 2025) के तहत योजना के नाम से महात्मा गांधी हटा दिया गया है। पहले इसकी फंडिंग केंद्र सरकार करती थी, लेकिन अब केंद्र और राज्य की फंडिंग का अनुपात बदल गया है। पहले केंद्र सरकार 90% खर्च उठाती थी, लेकिन अब यह 60% (केंद्र) और 40% (राज्य) कर दिया गया है। अगर राज्यों के पास बजट न हुआ और राज्य सरकारों ने इसे लागू करने से इंकार किया तो सरकार के पास इसका कोई समाधान है?? लगता है जैसे मोदी सरकार कोई भी काम सनसनी फैलाने के लिए ही कर रही है क्योंकि निर्णयों में कोई दूरदर्शिता नहीं है, चूंकि कई बार मोदी सरकार ने आलोचनाओं या खुद भी मूल्यांकन के बाद कई बार अपने नियमो, कानूनो को खुद ही बदला है ' परंतु इस बार देश के महान राष्ट्रपिता का नाम देश की सबसे बड़ी जनकल्याण योजना से उनका नाम हटाना घटिया राजनीतिक कुचक्र को दशार्ता है '

बांग्लादेश की भीतरी हलचल

-कुलदीप चंद अग्निहोत्री-

बांग्लादेश के भीतर हो रही घटनाओं को सही परिप्रेक्ष्यों में पकड़ पाने के लिए 1947 के भारत विभाजन को समझना जरूरी है। यह कहा जा सकता है कि 1947 के कृत्रिम विभाजन के झटके अभी तक भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश में अनुभव किए जा रहे हैं। दरअसल भारत दुनिया के उन चंद देशों में शामिल है जिसकी सीमा बहुत हद तक प्रकृति द्वारा ही निर्मित है। इसके नीचे की तीनों दिशाएं समुद्र से घिरी हुई हैं और उत्तर दिशा में नागराज हिमालय है। बाबा साहिब अंबेडकर ऐसा मानते हैं कि भारत की भौगोलिक सीमा प्रकृति ने स्वयं निर्धारित की है। जाहिर है जब इस प्रकार के देश की सीमाओं से छेड़छाड़ की जाती है तो उसके परिणाम लम्बे समय तक भोगने पड़ते हैं। यदि इस प्रकार के विभाजन का कोई तार्किक आधार न हो तो ये परिणाम बहुत लम्बे समय तक भी चलते रहते हैं। भारत विभाजन का कोई ठोस आधार न तो 1947 में था और न ही आज 2025 में है। मजहब के आधार पर देश का विभाजन भारतीय दर्शन और प्रकृति के विपरीत है। भारतीय समाज की पहचान के यदि विभिन्न आधार तलाशने भी हों तो वे उसके विभिन्न समुदायों में मिलेंगे न कि उनके मजहबों में। उदाहरण के लिए भारतीय समाज का एक समुदाय गुज्जर है। गुज्जर समुदाय के कुछ लोग शिया पंथ को मानने वाले हैं, कुछ इस्लाम पंथ को मानने वाले हैं, कुछ नानकपंथी हैं, कुछ शाक्त पंथ को मानने वाले हैं और कुछ वैष्णव मत के उपासक हैं। इसलिए उनकी सामूहिक पहचान गुज्जर होने की है न कि मजहब के आधार पर टिकी हुई है। एक दूसरा उदाहरण लिया जा सकता है। भारतीय समाज का एक समुदाय बंगला भाषा के आधार पर बंगाली कहलाता है। बंगला समुदाय में लोग अलग अलग मजहबों को मानने वाले हो सकते हैं और हैं भी।

वे शाक्त मत को मानने वाले हैं, शिया मत को मानने वाले हैं और इस्लाम मत को मानने वाले हैं, शैव और वैष्णव मत को मानने वाले हैं। लेकिन उनकी समग्र पहचान उनकी बंगला भाषा पर टिकी है। मजहब के आधार पर देश गठित करने की विरासत यूरोप में मिल जाती है। यूरोप के लोगों ने अपने हितों को ध्यान में रखते हुए भारत को मजहब के आधार पर 1947 में विभाजित कर दिया। इस काम के लिए उन्होंने कुछ भारतीयों को अपने साथ मिला लिया और उनके माध्यम से मजहब के आधार पर इस्लाम पंथ के लोगों को संगठित करने के लिए मुस्लिम लीग का गठन कर दिया। अब एक अजीब स्थिति पैदा हो गई। मुस्लिम लीग की सफ में भी राजपूत बैठा है और हिंदू की सफ में भी राजपूत बैठा है। मुस्लिम लीग की सफ में भी जाट बैठा है और हिंदू-सिख की सफ में भी जाट बैठा है। एक तमाशा और भी था। मुस्लिम लीग की सफ में अरब, तुर्क और मुगल मूल का मुसलमान भी बैठा है और भारत का देसी मुसलमान भी बैठा है जिनका आपस में कुछ लेना देना नहीं है। मजहब एक हो जाने से भी बंगाल के मुसलमान का भारत में रह रहे अरब मूल के सैयद मुसलमान से कोई रिश्ता नहीं बनता। लेकिन ब्रिटिश सरकार ने अपने कुछ लोगों के माध्यम से यह नकली ड्रामा भी कर दिखाया। लेकिन एक बात ध्यान में रखनी चाहिए कि ये सारे प्रयोग उत्तरी भारत तक ही सीमित थे। इन प्रयोगों के चलते पश्चिमोत्तर भारत का अधिकांश हिस्सा मसलन बलोचिस्तान, खैबर पख्तूनखवा, सिन्ध प्रदेश और पश्चिमी पंजाब इत्यादि देश से अलग हो गया। इसी प्रकार बंगाल का पूर्वी क्षेत्र भी देश से अलग हो गया। अलग हुए इन दोनों हिस्सों को पाकिस्तान का नाम दिया। लेकिन 1947 के लगभग पच्चीस साल से भी कम समय में पूर्वी बंगाल ने पाकिस्तान में रहने से इंकार कर दिया। पाकिस्तान के हुकुमरानों ने बहुत समझाया कि हमारा तो मजहब एक ही है।

लेकिन पाकिस्तान के बंगालियों ने कहा मजहब तो एक है लेकिन हमारी भाषा एक नहीं है। तुम्हारी भाषा उर्दू है। इतना ही नहीं हमने इस्लाम मजहब या शिया मजहब को अपनाया है, लेकिन रवीन्द्र नाथ ठाकुर को नहीं छोड़ा है। पूर्वी पाकिस्तान, जो दरअसल पूर्वी बंगाल था, वह पाकिस्तान से लड़ कर अलग हो गया और बांग्लादेश बन गया। इस प्रकार 1947 से बंटना शुरू हुआ भारत अब दो में नहीं बल्कि तीन हिस्सों में बंट गया। क्योंकि विभाजन कृत्रिम था, इसलिए वह 1947 से लेकर अब तक दर्द दे रहा है। इसको एक उदाहरण से समझा जा सकता है। यदि शरीर में सचमुच ट्यूमर हो, दर्द हो रहा हो, और उसे शल्य क्रिया द्वारा निकाल दिया जाए तो शरीर का दर्द दूर हो जाता है और उसे सुख मिलता है। लेकिन यदि शरीर में ट्यूमर ही न हो, लेकिन तब भी आप्रेशन कर उसका कोई अंग निकाल दिया जाए तो दर्द शुरू हो जाता है और निरन्तर होता रहता है। यही भारत के साथ हुआ। ब्रिटिश सरकार ने भारत में हिंदू-मुस्लिम नाम से भारत के नाम से एक नकली ट्यूमर होने की अफवाह फैला दी। लेकिन शरीर में दर्द भी तो होना चाहिए। इस काम के लिए एटीएम मूल के दुखी मुसलमान लगा दिए जिन्हें भारत में से अपनी सत्ता खत्म हो जाने से लगातार दुख हो रहा था। उनका दुख भारत के देसी मुसलमानों का दुख नहीं था। लेकिन अंग्रेजों ने शोर मचाना शुरू कर दिया कि यह दर्द इनका भी है। उनमें से भी कुछ को महसूस होने लगा कि यह दर्द उनका भी है। यह कुछ उसी प्रकार था जिस प्रकार किसी हट्टे कट्टे आदमी को बार बार कहा जाए कि वह बीमार है तो उसे भी लगने लगता है कि वह बीमार है और उसे दर्द हो रहा है। चन्द लोगों के असली-नकली दर्द को आधार बना कर अंग्रेजों ने भारत बांट दिया और आप्रेशन के बाद कैंची पेट में ही छोड़ दी। तब बाबा साहिब अंबेडकर ने बहुत जोर से कहा कि धूर्त अंग्रेज हुक्मरान कैंची भारत पेट में ही छोड़ रहे हैं। जब तक यह कैंची पेट में रहेगी, दर्द देती रहेगी। इसलिए इसे पेट से निकालो। लेकिन कांग्रेस के लोग नहीं माने। अब मामला यह है कि भारत में दर्द इसलिए होता है क्योंकि कैंची पेट के अन्दर है और पाकिस्तान में दर्द इसलिए होता है क्योंकि वहां के बलूच, पश्तून, सिन्धी चिल्ला रहे हैं कि हमारी पहली पहचान सिन्धी, बलूच और पश्तून होने की है न कि मजहब की।

पाकिस्तान में वहां नाग कुंडली मार कर बैठा सैयद समझा रहा है तुम्हारी बलूच, सिन्धी और पश्तून होने की पहचान खत्म हो गई है, अब तुम केवल मुसलमान हो और कुछ नहीं। यही कारण है कि वहां रोज बलूच और पश्तून पाकिस्तान से अलग होने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कहा जा सकता है कि भारत (भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश) में विभाजन की प्रक्रिया अभी तक जारी है। दो शक्तियों में रस्साकशी जारी है। वे शक्तियां जो आज 2025 में भी मजहब की पहचान को अन्य सभी पहचानों पर थोप कर, देश का मुकम्मल विभाजन करना चाहती हैं। दूसरी वे शक्तियां हैं जो मजहब को किसी भी व्यक्ति का व्यक्तिगत मामला मानती हैं और उसके आधार पर विभाजन को कृत्रिम मानती हैं। इतना ही नहीं, मजहब के नाम पर हो चुके विभाजन को अस्वीकार कर उसे पुनः एक करना चाहती हैं। तीसरी वे शक्तियां हैं जो जहां से मुगल छोड़ कर गए थे, वहीं से दोबारा यात्रा शुरू करना चाहती हैं और पूरे भारत को ही दारुल इस्लाम के रूप में परिवर्तित करने के अभियान को पुनः शुरू करना चाहती हैं। तीनों शक्तियां लड़ती हैं, कभी एक पराजित हो जाती है तो समझ लिया जाता है, वह खत्म हो गई है। लेकिन ऐसा होता नहीं है। वह कमजोर होती है। समय पाकर उठ खड़ी होती है, बांग्लादेश में यही हो रहा है। 1971 में जो शक्तियां पराजित हो गईं थीं, वे समय पाकर फिर उठ खड़ी हैं और एक बार फिर वहां मजहबी पहचान के आधार पर परचम लहराना चाहती हैं।

इंग्लैंड में विशाल सिंकहोल से मचा हड़कंप, नहर में फंसीं नावें, आपात स्थिति घोषित

लंदन/श्रॉपशायर। इंग्लैंड के श्रॉपशायर काउंटी में एक ऐतिहासिक नहर में अचानक बने विशाल सिंकहोल (धरती धंसने) से अफरा-तफरी मच गई। इस घटना में दो कैनाल बोट गहरे कीचड़ में फंस गईं, जबकि एक अन्य नाव असंतुलित होकर गड्ढे के किनारे झुक गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए आपात सेवाओं ने इसे 'मेजर इंसिडेंट' घोषित किया। श्रॉपशायर फायर एंड रेस्क्यू सर्विस के अनुसार, व्हिचर्च कस्बे के पास श्रॉपशायर यूनियन कैनाल में लगभग 50×50 मीटर क्षेत्र में बड़ा धंसाव हुआ है। सुबह स्थानीय समयानुसार करीब 5:17 बजे आपात स्थिति घोषित की गई थी, हालांकि बाद में हालात को स्थिर बताया गया। अधिकारियों ने बताया कि प्रभावित नावों में फिलहाल किसी व्यक्ति के मौजूद होने की आशंका नहीं है और किसी के घायल होने की सूचना नहीं मिली है। रेस्क्यू टीमों ने अस्थिर जमीन और तेज बहते पानी के बीच चुनौतीपूर्ण हालात में काम करते हुए 10 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। दमकल विभाग के क्षेत्रीय प्रबंधक स्कॉट हरफोर्ड ने कहा कि खोज और बचाव अभियान अब समाप्त कर दिया गया है, लेकिन एहतियात के तौर पर लोगों से इलाके से दूर रहने की अपील की गई है।

इजराइल में आर्मी रेडियो बंद करने का फैसला, विपक्ष ने बताया लोकतंत्र पर हमला

यरुशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाली दक्षिणपंथी सरकार ने देश के लोकप्रिय और लंबे समय से प्रसारित हो रहे आर्मी रेडियो स्टेशन को बंद करने का निर्णय लिया है। मंत्रिमंडल की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई, जिसके तहत यह रेडियो स्टेशन 01 मार्च, 2026 तक पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने इस प्रस्ताव को पेश करते हुए कहा कि आर्मी रेडियो का मूल उद्देश्य सेना के जवानों के लिए प्रसारण करना था, लेकिन समय के साथ यह मंच आम नागरिकों तक पहुंच गया और इस पर सेना और सैनिकों की आलोचना करने वाली सामग्री प्रसारित होने लगी। उन्होंने दावा किया कि स्टेशन को बंद करने का मकसद सेना की राजनीतिक निरपेक्षता बनाए रखना है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने भी इस फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक देश में सेना द्वारा संचालित रेडियो स्टेशन का आम जनता के लिए प्रसारण करना असामान्य है। उन्होंने तुलना करते हुए कहा कि ऐसा मॉडल उत्तर कोरिया जैसे कुछ देशों में ही देखने को मिलता है।

नेपाल के केसिनो में भारतीय आधार कार्ड का भंडार बरामद, सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा

विराटनगर। नेपाल में कोसी प्रांत की राजधानी एवं मोरंग जिला मुख्यालय विराटनगर में एक कैसिनो में रविवार देर रात नेपाली पुलिस की कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में भारतीय आधार कार्ड बरामद होने के बाद अंतरराष्ट्रीय सीमा पार सुरक्षा व्यवस्था पर एक बड़ा सवालिया निशान लग गया है। नेपाल में ज़ेन-जी आंदोलन के बाद से भी भारत नेपाल सीमा पर सुरक्षा कड़ी की जा चुकी है। अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर कई गंभीर मामले लगातार सामने आ रहे हैं। एक ओर जेनजी आंदोलन के बाद फरार कैदियों की मौजूदगी सीमा पार अपराध की संभावना बलवती हुई तो वहीं ताजा मामले में रविवार की देर रात नेपाल पुलिस की छापेमारी में नेपाली नागरिकों द्वारा प्रयोग किए जा रहे भारतीय आधार कार्ड का भंडार मिला है। सुरक्षा एजेंसियों ने इसकी तहकीकात शुरू कर दी है। बताया गया है कि भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने भी इस घटना का संज्ञान लिया है। मोरंग के प्रमुख जिला अधिकारी युवराज कटेल के निर्देशन में सहायक प्रमुख जिला अधिकारी सरोज कोइराला और मोरंग के पुलिस अधीक्षक कोवित कटुवाल के नेतृत्व में एक टीम ने रविवार रात शहर के बिग होटल और रत्ना होटल के केसिनो में छापा मारा। कोइराला के अनुसार छापेमारी के क्रम में नेपाली नागरिक द्वारा विराटनगर के कैसिनो में जाने के लिए भारतीय आधार कार्ड दिखाया गया लेकिन आगे की सत्यापन की प्रक्रिया में एटीएम कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस देखने के बाद उनकी पोल खुल गयी।

रूस ने भारत-बंगलादेश से तनाव कम करने का किया आग्रह

ढाका। बंगलादेश में रूसी राजदूत अलेक्जेंडर जी खोज़िन ने सोमवार को बंगलादेश और भारत दोनों देशों से उनके बीच जारी तनाव को और बढ़ने से रोकने का रास्ता खोजने का आग्रह किया। ढाका में रूसी दूतावास में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, श्री खोज़िन ने कहा कि बंगलादेश के आगामी राष्ट्रीय चुनाव से पहले एक अनुकूल वातावरण बनाया जाना चाहिए और भारत के साथ तनाव कम करना आवश्यक है।

ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, उन्होंने आगे कहा कि जितनी जल्दी दोनों देशों के बीच तनाव कम हो जाए, उतना ही अच्छा है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि रूस बंगलादेश और भारत के द्विपक्षीय संबंधों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहता लेकिन उसका मानना है कि यह सुनिश्चित करना बुद्धिमानी होगी कि तनाव अपने वर्तमान स्तर से आगे न बढ़े। श्री खोज़िन ने इस बात पर बल दिया कि संबंध आपसी विश्वास और भरोसे पर आधारित होने चाहिए। राजदूत ने चुनाव आयोग द्वारा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा का स्वागत करते हुए आशा व्यक्त किया कि चुनाव समय पर संपन्न होंगे।

रूसी पर्यवेक्षकों को भेजने की संभावना पर उन्होंने कहा कि रूस चुनाव आयोग के संपर्क में है और आधिकारिक निमंत्रण की प्रतीक्षा कर रहा है।

चक्रवात प्रभावित श्रीलंका को 45 करोड़ डॉलर की मदद करेगा भारत

एजेंसी

कोलंबो। भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने चक्रवाती तूफान दित्वा से प्रभावित श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से मंगलवार को यहां मुलाकात की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से राष्ट्रपति अनुरा को संदेश दिया और चक्रवात प्रभावित पड़ोसी के साथ एकजुटता प्रगट की।

विदेश मंत्री ने एक्स पर इसकी जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि भारत ऑपरेशन सागर बंधु के तहत हमारी प्रथम रिस्पॉन्डर गतिविधि को आगे बढ़ाते हुए श्रीलंका के लिए 45 करोड़ अमेरिकी डॉलर के पुनर्निर्माण पैकेज की घोषणा करता है। भारत अपने सभ्यतागत संबंधों, नेबरहुड फर्स्ट और विजन महासागर के आधार पर श्रीलंका के साथ मजबूती से खड़ा है। भारत के पैकेज में

सड़क, रेलवे और पुल कनेक्टिविटी के पुनर्वास और बहाली; पूरी तरह से नष्ट और आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त घरों का निर्माण; विशेष रूप से चक्रवात से क्षतिग्रस्त स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों के लिए सहायता; कृषि, जिसमें अल्पकालिक और मध्यम अवधि में संभावित कमी को दूर करना तथा बेहतर आपदा प्रतिक्रिया और तैयारी को शामिल किया गया है।विदेश मंत्री ने इस दौरान राष्ट्रपति और विदेश मंत्री के साथ उत्तरी प्रांत के किलिनोच्ची जिले में स्थित 120 फुट लंबा दोहरी लेन वाला बेली ब्रिज का उद्घाटन किया।

यह चक्रवात दित्वाह से बुरी तरह प्रभावित क्षेत्रों में से एक में स्थित है। विदेश मंत्री ने श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिनी अमरासुरिया से भी मुलाकात की और भारत की ओर से चक्रवात दित्वा के बाद श्रीलंका के पुनर्निर्माण के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया। भारत द्वारा प्रस्तावित पुनर्निर्माण पैकेज हमारे दोनों देशों के बीच गहरे संबंधों का प्रतीक है।

अमेरिका की कार्रवाई के खिलाफ वेनेजुएला को रूस का 'पूरा समर्थन', बढ़ते तनाव पर जताई चिंता

एजेंसी

कराकास। रूस ने अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के बीच वेनेजुएला को पूर्ण समर्थन देने का ऐलान किया है। दोनों देशों ने कहा कि कैरेबियाई सागर में अमेरिकी बलों द्वारा प्रतिबंधित तेल टैंकरों को रोके जाने और सैन्य कार्रवाई जैसे कदमों से क्षेत्रीय स्थिरता को गंभीर खतरा पैदा हो रहा है। रूस और वेनेजुएला के विदेश मंत्रियों–सर्गेई लावरोव और इवान गिल–के बीच हुई टेलीफोन बातचीत में अमेरिकी गतिविधियों की कड़ी आलोचना की गई। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि मंत्रियों ने कैरेबियाई क्षेत्र में वाशिंगटन की कार्रवाइयों में तेजी पर गहरी चिंता जताई, जो अंतरराष्ट्रीय नौवहन और क्षेत्रीय शांति के लिए गंभीर परिणाम ला सकती हैं। रूसी बयान में कहा गया कि मौजूदा हालात में मॉस्को वेनेजुएला की सरकार और वहां की जनता के साथ एकजुटता प्रकट करता है। दोनों पक्षों ने इस बात पर भी सहमति जताई कि वे संयुक्त राष्ट्र सहित अंतरराष्ट्रीय मंचों पर समन्वय बनाए रखेंगे, ताकि संप्रभुता और आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने के सिद्धांतों की रक्षा की जा सके। इस बीच, वेनेजुएला के अनुरोध पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद 23 दिसंबर को अमेरिका-वेनजुएला संकट पर चर्चा करने जा रही है। इस बैठक का समर्थन चीन और रूस ने किया है। वेनेजुएला के विदेश मंत्री इवान गिल ने सोशल मीडिया मंच टेलीग्राम पर आरोप लगाया कि अमेरिका कैरेबियाई क्षेत्र में जहाजों पर हमले, अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघन और कथित समुद्री डकैती जैसी कार्रवाइयों में शामिल है।

पाली कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए गगन थापा ने की, उम्मीदवारी की घोषणा

एजेंसी

काठमांडू। नेपाली कांग्रेस के महामंत्री गगन थापा ने पार्टी के आगामी 15वें महाधिवेशन में पार्टी अध्यक्ष पद के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की है और पार्टी नेतृत्व को महाधिवेशन के आयोजन में विलंब किये जाने को लेकर चेतावनी देते हुए कहा है कि वह इसके लिए कोई भी कीमत चुकाने को तैयार हैं। थापा ने मंगलवार को यहां पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ संवाद कार्यक्रम में कहा कि वह पार्टी अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ेंगे और नेतृत्व की दौड़ में जीत को लेकर आश्वस्त हैं। उन्होंने महाधिवेशन समय पर कराये जाने पर जोर दिया और यह भी स्पष्ट किया कि महाधिवेशन पूरा किए बिना पार्टी चुनाव में नहीं जाएगी। थापा ने कहा, 'मैं अब 15वें महाधिवेशन में पार्टी अध्यक्ष पद का उम्मीदवार हूं। मैं पार्टी अध्यक्ष बनूंगा और बनना चाहता हूं।' उन्होंने कहा कि महाधिवेशन केवल नेतृत्व परिवर्तन का विषय नहीं है, बल्कि पार्टी के नवीनीकरण से जुड़ा हुआ है। नेपाली कांग्रेस के महामंत्री ने कहा कि वह बार-बार पार्टी अध्यक्ष शेरबहादुर

देउबा से कह चुके हैं कि महाधिवेशन समय पर होना चाहिए और इस मुद्दे पर उनका रुख पूरी तरह स्पष्ट है। उन्होंने कहा, 'महाधिवेशन समय पर पूरा हो सकता था, लेकिन कहीं न कहीं देरी का आभास हो रहा है। हम पार्टी नेतृत्व को इस बारे में स्पष्ट रूप से बता रहे हैं और इसके लिए कोई भी कीमत चुकाने को तैयार हैं। थापा ने जोर देकर कहा कि नेपाली कांग्रेस को नियमित या विशेष महाधिवेशन में से कोई एक अवश्य करना होगा और बिना महाधिवेशन के पार्टी चुनाव में नहीं जाएगी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'महाधिवेशन के बिना नेपाली कांग्रेस चुनाव में नहीं जाएगी। उसे नहीं जाना चाहिए, नहीं जा सकती और नहीं जाएगी। यह पूरी तरह स्पष्ट है।' थापा ने 5 मार्च 2026 को चुनाव कराना अनिवार्य बताते हुए कहा कि संविधान को 'पटरी पर लाने' के लिए यह जरूरी है।

रवि लामिछाने-बालेन शाह की मुलाकात से राजनीतिक गठजोड़ की अटकलें तेज

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में हाल ही में कैद से निकले राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष रवि लामिछाने और काठमांडू महानगरपालिका के मेयर बालेन शाह के बीच बीती रात हुई मुलाकात के बाद आगामी आम चुनाव में दोनों नेताओं के बीच भविष्य में राजनीतिक सहयोग की संभावनाओं को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं।

सूत्रों के अनुसार यह मुलाकात पूर्व सांसद एवं आरएसपी केंद्रीय समिति सदस्य आसिम शाह के निवास पर हुई। यह ऐसे समय में हुई है जब हिरासत से रिहा होने के बाद रवि लामिछाने की राजनीतिक सक्रियता बढ़ी है, जिससे आगामी चुनावों को लेकर उनकी रणनीति और संभावित गठबंधनों पर जिज्ञासा और बढ़ गई है। मुलाकात के बाद आसिम शाह ने सोशल मीडिया पर इसे 'कहानी की एक सुखद शुरुआत' बताते हुए साझा किया। उन्होंने इसे दो भाइयों के पुनर्मिलन के रूप में वर्णित किया और कहा कि यह केवल व्यक्तिगत मुलाकात नहीं, बल्कि उस आशा का संगम है जिसकी देश लंबे समय से तलाश कर रहा है। उन्होंने नेपाली जनता को बधाई भी दी, जिससे इस मुलाकात के राजनीतिक अर्थ और गहरे हो गए।

हालांकि आसिम शाह ने बातचीत के विवरण सार्वजनिक करने से इनकार किया, लेकिन उन्होंने कहा कि इस बैठक का व्यापक महत्व है। उनका कहना था, 'आखिरकार, कहानी की शुरुआत सकारात्मक रही है। यह केवल व्यक्तियों की बात नहीं, बल्कि उस उम्मीद की है जिसकी देश को जरूरत है।' सूत्रों के अनुसार रवि लामिछाने और बालेन शाह ने करीब पांच घंटे साथ बिताए। यह बैठक सोमवार रात करीब 8 बजे शुरू होकर देर रात लगभग 1 बजे तक चली। चर्चा में आरएसपी के उपाध्यक्ष डीपी आर्याल भी मौजूद थे, जबकि मेयर शाह की ओर से उनके सलाहकार कुमार बेन शामिल हुए। लंबी बैठक के बावजूद न तो आरएसपी और न ही मेयर शाह की टीम ने आधिकारिक तौर पर एजेंडा या नतीजों का खुलासा किया है। हालांकि सोशल मीडिया पर प्रसारित तस्वीरों और वीडियो में लामिछाने और शाह को एक ही वाहन में स्थल से निकलते देखा गया। मुलाकात के मेजबान आसिम शाह, विघटित प्रतिनिधि सभा के समानुपातिक सांसद रह चुके हैं और आरएसपी के प्रमुख नेता हैं। पूर्व फिल्म निर्देशक रहे शाह मुस्लिम समुदाय से आते हैं। पारंपरिक पार्टी ढांचे से इतर वैकल्पिक राजनीतिक शक्तियों और नेतृत्व में बढ़ती जन-रुचि के बीच इस मुलाकात को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि रवि लामिछाने और बालेन शाह दोनों ने बातचीत की सामग्री पर चुप्पी साध रखी है, लेकिन मुलाकात का समय और उसका प्रतीकात्मक महत्व इसे नेपाल की बदलती राजनीतिक परिदृश्य में तीव्र बहस का विषय बनाए हुए है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के करक में पुलिस वैन पर हमला, पांच कांस्टेबल मारे गए

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा के करक के गुरगुरी इलाके में आज एक पुलिस वैन पर हुए हमले में पांच कांस्टेबल मारे गए। जिला पुलिस अधीक्षक शौकत खान ने घटना और हताहत कांस्टेबलों की संख्या की पुष्टि की है। डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, जिला पुलिस अधीक्षक खान ने बताया कि शहीद पुलिसकर्मियों की पहचान कांस्टेबल शाहिद इकबाल, समीउल्लाह, आरिफ, सफदर और मोहम्मद अबरार के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि इलाके को घेर लिया गया है। हमलावरों की तलाश की जा रही है। दुनिया न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, पांचों कांस्टेबल रोज की तरह गश्त पर निकले थे। हमलावरों ने घात लगाकर उनकी वैन पर गोलियां चला दीं। दुनिया न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, इस साल (2025) अब तक खैबर पख्तूनख्वा में हुएआतंकी हमलों में

सुरक्षा अधिकारियों सहित 502 लोग मारे गए। खैबर पख्तूनख्वा पुलिस के अनुसार, कुल 1,588 आतंकवादी घटनाएं हुईं, जिनमें 223 नागरिकों की मौत हुई और 570 घायल हुए। इसके अलावा, 137 पुलिस अधिकारी शहीद हुए और 236 अन्य घायल हुए, जबकि विभिन्न एजेंसियों के 18 कानून प्रवर्तन कर्मियों ने भी अपनी जान गंवाई। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन हमलों में फेडरल कांस्टेबुलरी के 124 कर्मी शहीद हुए और 244 घायल हुए। इस दौरान सुरक्षा बलों ने आतंकवाद से लड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विभिन्न अभियानों के दौरान 348 आतंकवादियों को मार गिराया गया। आतंकवाद से संबंधित सबसे ज्यादा 394 घटनाएं बन्नू क्षेत्र में हुईं। 41 पुलिस अधिकारी शहीद हो गए और 89 घायल हुए। इस क्षेत्र में 54 नागरिकों की मौत और 125 घायल होने की भी सूचना मिली। डेरा इस्माइल खान, उत्तरी वजीरिस्तान और दक्षिणी वजीरिस्तान जैसे अन्य क्षेत्रों में भी बड़ी संख्या में घटनाएं हुईं। अकेले उत्तरी वजीरिस्तान में 181 मामले दर्ज किए गए, जिसके परिणामस्वरूप 38 नागरिकों की मौत हुई और 182 घायल हुए। दक्षिणी वजीरिस्तान में, 103 दर्ज मामलों में 39 नागरिक मारे गए और 86 घायल हुए।

मैक्सिको की नौसेना का विमान दुर्घटनाग्रस्त, पांच की मौत

एजेंसी

गैल्वेस्टन (टेक्सास)। मैक्सिको की नौसेना का एक विमान टेक्सास के गैल्वेस्टन में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में कई लोगों की मौत हो गई। राहत और बचाव कार्य जारी है। मृतकों की संख्या पर रिपोर्ट अलग-अलग हैं। अमेरिकी कोस्ट गार्ड के अनुसार, इस हादसे में कम से कम पांच लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। अन्य रिपोर्टों में पायलटों, एक डॉक्टर और मरीज सहित छह लोगों की मौत का अंदेशा जताया गया है द न्यूयॉर्क टाइम्स और ह्यूस्टन क्रानिकल की रिपोर्ट के अनुसार, इस विमान में चार मैक्सिकन नेवी अधिकारियों और चार नागरिकों सहित आठ लोग सवार थे। यह विमान आग में गंभीर रूप से झुलसे एक साल के बच्चे को ले जा रहा था। बताया गया है कि राहत और बचाव अभियान के दौरान कम से कम दो लोगों को बचाकर स्थानीय चिकित्सा केंद्रों में ले जाया गया। इनमें एक 27 वर्षीय महिला भी है। दुर्घटना की वजह घना कोहरा बताया गया है। गैल्वेस्टन काउंटी शेरिफ जिमी फुलन ने कहा कि यह विमान दोपहर 3:17 बजे गैल्वेस्टन कॉज-वे के पश्चिम में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। शाम पांच बजे तक छह लोगों को बाहर निकाला जा सका। मेक्सिको की नौसेना के सचिवालय ने एक्स पोस्ट में कहा, ''दुर्घटना के समय विमान मिचौ और माउ फाउंडेशन के साथ समन्वय में एक मेडिकल सहायता मिशन पर था। मिचौ और माउ फाउंडेशन मेक्सिको में आग में गंभीर रूप से झुलसे बच्चों की मदद करते हैं।'' रिपोर्ट्स के मुताबिक, गैल्वेस्टन पुलिस विभाग, गैल्वेस्टन काउंटी शेरिफ कार्यालय, अमेरिकी कोस्ट गार्ड और टेक्सास सार्वजनिक सुरक्षा विभाग के अधिकारी हादसे की जांच कर रहे हैं।

हिंसाग्रस्त बलोचिस्तान में इस वर्ष मारे गए 248 लोग और 205 सैनिक

एजेंसी

क्वेटा। आजादी की मांग से गूंजायमान पाकिस्तान का अशांत प्रांत बलोचिस्तान इस साल भी हिंसा की लपटों में झुलसता रहा। 2025 में बलूचिस्तान में हमलों, बम धमाकों और हथियारबंद घटनाओं में कम से कम 248 आम नागरिक और 205 पाकिस्तान के सुरक्षाकर्मी मारे गए। यह साल बलूचिस्तान के सबसे हिंसक वर्षों में से एक बन गया। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि 2025 बलूचिस्तान में कानून-व्यवस्था के लिए एक और मुश्किल और खूनखराबे वाला साल साबित हुआ। सुरक्षा अधिकारियों की रिपोर्ट में कहा गया है कि साल के दौरान बलूचिस्तान में कुल 432 घटनाएं दर्ज की गईं। पूरे प्रांत में डर का माहौल रहा। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, हिंसा में 248 आम नागरिकों और 205 सुरक्षाकर्मियों की जान चली गई। इन घटनाओं ने रोजमर्रा की जिंदगी को

बुरी तरह प्रभावित किया और बलोचिस्तान में समग्र सुरक्षा स्थिति के बारे में गंभीर सवाल खड़े किए। रिपोर्ट के अनुसार, इस साल क्वेटा, मस्तुंग, खुजदार, तुरबत और नोकुंडी में छह आत्मघाती बम धमाके किए गए। 11 मार्च को बलोच आजादी समर्थक समूहों ने बोलन इलाके में जाफर एक्सप्रेस पर हमला किया। इससे पहले 18 फरवरी को बरखान में सात लोग मारे गए। 15 मई को खुजदार में एक बस पर हमला हुआ, जिसमें छह लोग मारे गए। 30 सितंबर को क्वेटा में फ्रंटियर कॉर्प्स मुख्यालय पर एक आत्मघाती बम धमाके में 12 लोग मारे गए।दूसरी ओर, बलोचिस्तान के अधिकारियों का कहना है कि पूरे साल बड़े पैमाने पर आतंकवाद विरोधी अभियान जारी रहे। 2025 में पूरे बलूचिस्तान में 78,000 से ज्यादा खुफिया आधारित अभियान चलाए गए। इनमें में बलोच समूहों के 707 सदस्य मारे गए। सुरक्षा अधिकारियों का कहना है कि सशस्त्र समूहों और उनके सदस्यों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहे, लेकिन वे यह भी मानते हैं कि बलोचिस्तान में सुरक्षा का बड़ा खतरा है। अधिकारियों ने 2025 को बलोचिस्तान में शांति और स्थिरता के लिए एक निराशाजनक साल बताया है। आलोचकों का तर्क है कि बड़ी संख्या में घटनाएं रिपोर्ट नहीं की जाती हैं, जबकि सुरक्षा कर्मियों के बीच हताहतों की संख्या भी कथित तौर पर कम बताई जाती है।

ढाका में हवा की गुणवत्ता खराब , बांग्लादेश की राजधानी दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में तीसरे स्थान पर

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश की राजधानी ढाका आज सुबह 9:05 बजे 252 के वायु गुणवत्ता सूचकांक के साथ दुनिया के सबसे खराब हवा की श्रेणी वाले शहरों की सूची में तीसरे पायदान पर रही। वायु गुणवत्ता और प्रदूषण सिटी रैंकिंग के अनुसार, ढाका की हवा को 'बहुत खराब' श्रेणी में रखा गया है। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस सूची में मिस्र का काहिरा, भारत का दिल्ली और कोलकाता क्रमशः पहले, दूसरे और चौथे स्थान पर रहे। इनका वायु गुणवत्ता सूचकांक क्रमशः 374, 290 और 210 रहा। 151 से 200 के बीच वायु गुणवत्ता सूचकांक को 'खराब' माना जाता है, जबकि 201-300 को 'बहुत खराब' और 301-400 को 'खतरनाक' माना जाता है। ढाका लंबे समय से वायु प्रदूषण की समस्याओं से जूझ रहा है। सर्दियों में इसकी हवा की गुणवत्ता आमतौर पर खराब हो जाती है और मानसून के दौरान इसमें सुधार होता है।

रूस ने भारत-बंगलादेश से तनाव कम करने का किया आग्रह

एजेंसी

ढाका। बंगलादेश में रूसी राजदूत अलेक्जेंडर जी खोज़िन ने बंगलादेश और भारत दोनों देशों से उनके बीच जारी तनाव को और बढ़ने से रोकने का रास्ता खोजने का आग्रह किया। ढाका में रूसी दूतावास में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, श्री खोज़िन ने कहा कि बंगलादेश के आगामी राष्ट्रीय चुनाव से पहले एक अनुकूल वातावरण बनाया जाना चाहिए और भारत के साथ तनाव कम करना आवश्यक है। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, उन्होंने आगे कहा कि जितनी जल्दी दोनों देशों के बीच तनाव कम हो जाए, उतना ही अच्छा है।

उन्होंने इस बात पर बल दिया कि रूस बंगलादेश और भारत के द्विपक्षीय संबंधों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहता लेकिन उसका मानना है कि यह सुनिश्चित करना बुद्धिमानी होगी कि तनाव अपने वर्तमान स्तर से आगे न बढ़े। श्री खोज़िन ने इस बात पर बल दिया कि संबंध आपसी विश्वास और भरोसे पर आधारित होने चाहिए। राजदूत ने चुनाव आयोग द्वारा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा का स्वागत करते हुए आशा व्यक्त किया कि चुनाव समय पर संपन्न होंगे। रूसी पर्यवेक्षकों को भेजने की संभावना पर उन्होंने कहा कि रूस चुनाव आयोग के संपर्क में है और आधिकारिक निमंत्रण की प्रतीक्षा कर रहा है।

बांग्लादेश ने ढाका में भारतीय उच्चायुक्त को किया तलब, नई दिल्ली मिशन से वीजा सेवाएं निलंबित की

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने आज ढाका में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को बुलाकर हालिया घटनाओं पर गहरी चिंता जताई। विदेश मंत्रालय की विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। पिछले 10 दिन में भारतीय उच्चायुक्त को दूसरी बार तलब किया गया। इस बीच ढाका ने अपने दिल्ली स्थित बांग्लादेशी मिशन से वीजा सेवाओं को निलंबित करने की घोषणा की है।प्रोथोम आलो अखबार की रिपोर्ट में आज दोपहर यह जानकारी दी गई। अखबार ने विदेश मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से कहा कि वर्मा को सुबह 10 बजे बुलाया गया। उन्होंने मंत्रालय में विदेश सचिव असद आलम सियाम से मुलाकात की। पिछले 10 दिन में भारतीय उच्चायुक्त को दूसरी बार तलब किया गया। अंतरिम सरकार के कार्यकाल के दौरान भारत के राजदूत को विभिन्न मुद्दों पर कम से कम छह बार बुलाया गया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, बांग्लादेश ने 20 दिसंबर

को नई दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग और उच्चायुक्त के घर के बाहर हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना, साथ ही 22 दिसंबर को सिलीगुड़ी में बांग्लादेश वीजा केंद्र में की गई तोड़फोड़ पर चिंता जताई। विज्ञप्ति में कहा गया कि बांग्लादेश ने भारत में कई बांग्लादेशी राजनयिक मिशनों के बाहर हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों पर भी गहरी चिंता व्यक्त की है। बांग्लादेश ने इन घटनाओं की कड़ी निंदा की। रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश ने भारत सरकार से इन घटनाओं की जांच करने और उन्हें दोबारा होने से रोकने के लिए सभी जरूरी कदम उठाने का आग्रह किया। साथ भारत से बांग्लादेशी राजनयिक मिशनों और संबंधित संस्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया। बयान में कहा गया है कि बांग्लादेश उम्मीद करता है कि भारत सरकार अपने अंतरराष्ट्रीय राजनयिक दायित्वों के अनुसार, राजनयिक कर्मियों और परिसरों की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तेज़ी से और उचित कार्रवाई करेगी। प्रोथोम आलो की रिपोर्ट के अनुसार, ढाका पहले ही दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग और अगरतला स्थित सहायक हाई कमीशन में वीजा और कांसुलर सेवाओं को निलंबित कर चुका है। दोनों मिशन अलग-अलग नोटिस जारी कर इसकी घोषणा भी कर चुके हैं। दिल्ली में वीजा सेवाओं को निलंबित करने के बारे में पूछे जाने पर बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि शनिवार रात को उच्चायोग के बाहर विरोध प्रदर्शन हुआ। इसके बाद यह निर्णय लिया गया।

मुंबई पोर्ट भूमि पर सीजीओ कॉम्प्लेक्स विकास हेतु एनबीसीसी-एमबीपीए के बीच एमओयू

एजेंसी

मुंबई। शहरी अवसंरचना विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के अधीन नवरत्न सीपीएसई एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड और मुंबई पत्तन प्राधिकरण (एमबीपीए) बोर्ड के बीच 23 दिसंबर 2025 को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह एमओयू कॉटन ग्रीन डिपो के समीप मुंबई पोर्ट की लगभग 25 एकड़ भूमि पर केंद्रीय सरकारी कार्यालय (सीजीओ) कॉम्प्लेक्स के विकास के लिए किया गया है। इस परियोजना में एनबीसीसी संकल्पना से लेकर कमीशनिंग तक संपूर्ण कार्य निष्पादन की जिम्मेदारी निभाएगा। समझौता ज्ञापन पर एमबीपीए के उपाध्यक्ष आदेश तितरमारे, आईएएस तथा एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के. पी. महादेवास्वामी ने दोनों संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। सीजीओ कॉम्प्लेक्स के अतिरिक्त, मुंबई पत्तन प्राधिकरण ने एनबीसीसी को कई अन्य परियोजनाओं के लिए सैद्धांतिक स्वीकृति भी प्रदान की है। इनमें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र, आइकोनिक भवन, बहुस्तरीय कार पार्किंग का निर्माण तथा भवनों, शेड, घाट, भंडारण क्षेत्रों और सड़कों का अनुरक्षण शामिल है।

सतत चेक क्लियरेंस प्रणाली का दूसरा चरण टला

मुंबई। रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सतत चेक क्लियरेंस प्रणाली का दूसरा चरण जनवरी में लागू करने की योजना को फिलहाल टालते हुए इसकी तैयारी के लिए बैंकों को अतिरिक्त समय प्रदान किया है।इसका पहला चरण 04 अक्टूबर 2025 को लागू किया गया था और दूसरा चरण 03 जनवरी 2026 से लागू होना था। पहले चरण में जिस दिन चेक संबंधित बैंक को क्लियरेंस के लिए पेश किया गया है, उसी दिन उसे क्लियर करना या खारिज कर देना अनिवार्य कर दिया गया है। वहीं, दूसरे चरण में जिस घंटे में चेक पेश किया गया है उसके अगले तीन घंटे में उसे क्लियर या खारिज करने की अनिवार्यता का प्रस्ताव था। केंद्रीय बैंक ने जारी अधिसूचना में कहा है, 'दूसरे चरण का क्रियान्वयन अगले नोटिस तक के लिए टाला जा रहा है ताकि बैंकों को अपने परिचालन को सुचारू करने के लिए और समय मिल सके।' इसके अलावा, पहले चरण के तहत संबंधित बैंक को (जिसका चेक है) चेक प्रस्तुत करने और संबंधित बैंक द्वारा उसे क्लियर करने के समय में बदलाव किया गया है। चेक प्रस्तुत करने का समय सुबह 10 बजे से अपराह्न चार बजे तक था जिसे बदलकर अब सुबह नौ बजे से दोपहर बाद तीन बजे तक किया गया है।

एनएचएआई प्रायोजित निवेश प्रबंधन इकाई को सेबी से इन्फ्रा इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट के रूप में मान्यता

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की एजेंसी राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) प्रायोजित राजमार्ग इन्फ्रा इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (रीइट) को पूंजी बाजार विनियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (इन्विट) के रूप में कामकाज करने की मान्यता मिल गयी है। यह जानकारी मंत्रालय की जारी एक विज्ञप्ति में दी गयी है। एनएचएआई ने अपनी परिसंपत्ति मुद्रीकरण योजना को सुदृढ़ करने के लिए इन्फ्रा इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट को इन्विट के रूप में सेबी में पंजीकृत कराया है। इससे उसके इस इन्विट को खुदरा और घरेलू निवेशकों से दीर्घकालिक पूंजी जुटाने में मदद मिलेगी। मंत्रालय ने इसे राष्ट्रीय राजमार्ग विकास की यात्रा में सार्वजनिक भागीदारी को व्यापक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। एनएचएआई ने प्रमुख बैंकों और वित्तीय संस्थानों की इक्विटी भागीदारी के साथ एक सहयोगी उद्यम के रूप में स्थापित राजमार्ग इन्फ्रा इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स प्राइवेट लिमिटेड को रीइट के लिए निवेश प्रबंधक के रूप में गठित किया था। इनमें भागीदार बैंकों में भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, नाबफिड (नेशनल बैंक फॉर फाइनेंसिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं डेवलममेंट), एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व वेंचर्स लिमिटेड, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, आईडीबीआई बैंक, इंडसइंड बैंक और यस बैंक शामिल हैं।

रुपया आठ पैसे कमजोर

मुंबई। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया आठ पैसे कमजोर हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 89.71 रुपये का बोला गया। भारतीय मुद्रा 5.50 पैसे मजबूत होकर 89.63 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। रुपये में आज भी भारी उतार-चढ़ाव देखा गया। यह सात पैसे की बढ़त में 89.56 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और 89.51 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत हुआ। बीच कारोबार में यह 89.83 रुपये प्रति डॉलर तक टूट गया था। अंत में 89.71 रुपये प्रति डॉलर पर रहा। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की भारतीय पूंजी बाजार में बिकवाली से रुपये पर दबाव रहा। हालांकि दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर सूचकांक में नरमी से रुपये की गिरावट सीमित रही।

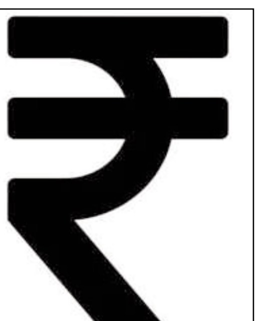

डिजिटल मंचों के भ्रामक तरीकों से जुड़ी उपभोक्ता शिकायतों का हो रहा निपटानः प्रल्हाद जोशी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि उनका मंत्रालय ई-कॉमर्स एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपभोक्ताओं को भ्रमित करने वाले 'डार्क पैटर्न' से जुड़ी शिकायतों का सक्रिय रूप से निपटान कर रहा है। प्रल्हाद जोशी ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस, 2025 कार्यक्रम को सबोधित करते हुए यह बात कही। इस मौके पर केंदीय उपभोक्ता मंत्री ने कई हाई-इम्पैक्ट वाले उपभोक्ता-केन्द्रित डिजिटल, रेगुलेटरी और जागरूकता पहलों की शुरुआत की।जोशी ने अपने संबोधन में कहा, 'हर दिन कोई नया डार्क पैटर्न सामने आता है, और हम इसे तुरंत संभालते हैं। उन्?होंने कहा कि कंपनियां भी ग्राहकों को लुभाने के लिए नए तरीके लाती रहती हैं, लेकिन हमारा विभाग बहुत सक्रिय है।' मंत्री ने राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस पर भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की ओर से आयोजित कार्यक्रम में मंत्रालय की सचिव निधि खरे और उनकी टीम को उपभोक्ता शिकायतों के सफल निपटान के लिए बधाई दी। 'डिजिटल न्याय के माध्यम से प्रभावी और त्वरित निपटान' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जनवरी, 2025 में शुरू हुए डिजिटल मंच 'ई-जागृति' पर अब तक 1.4 लाख से अधिक मामले दर्ज और निपटाए जा चुके हैं। जिला उपभोक्ता विवाद निपटान आयोगों ने 1.19 लाख से अधिक मामले दर्ज किए है, जबकि 1.20 लाख से अधिक मामलों का निपटान किया। पांच महीनों के भीतर 4,300 से अधिक मामलों का समाधान किया गया।

उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस 2025 का विषय 'डिजिटल न्याय के जरिए कुशल और त्वरित निपटान' है। मंत्रालय ने 30 नवंबर, 2023 को दिशानिर्देश जारी कर 13 तरह के डार्क पैटर्न को चिह्नित किया था, ताकि ऐसी अनुचित व्यापार प्रथाओं को रोका और नियंत्रित किया जा सके। इनमें सब्सक्रिप्शन लेने के लिए बहलाना-फुसलाना और झुंझलाने वाले अलर्ट लगातार भेजते रहने जैसे तरीके शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि डार्क पैटर्न का इस्तेमाल डिजिटल मंचों या वेबसाइट पर उपयोगकर्ताओं को भ्रम में डालने, किसी अनचाही गतिविधि के लिए प्रेरित करने या अनचाहे निर्णय लेने के लिए मजबूर करने के लिए किया जाता है।

शंख एयर की 2026 की पहली तिमाही में उड़ानें शुरू करने की योजना

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय विमानन क्षेत्र में एंट्री करने जा रही एयरलाइन कंपनी शंख एयर की 2026 की पहली तिमाही में उड़ान सेवाएं शुरू करने की योजना है। कंपनी ने नागर विमानन मंत्रालय से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) मिलने के बाद कहा कि शंख एयर की 2026 की पहली तिमाही में उड़ान सेवाएं शुरू करने की योजना है। शंख एविएशन ने जारी एक बयान में कहा कि उसके विमान वर्तमान में तकनीकी समीक्षा से गुजर रहे हैं और भारत में डिलिवरी के लिए तैयार किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश स्थित शंख एविएशन कंपनी शंख एयर का संचालन करेगा। शंख एविएशन के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (एमडी) श्रवण कुमार विश्वकर्मा ने एक दिन पहले सोमवार को नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू से मुलाकात की और एयरलाइन की योजनाओं के बारे में जानकारी दी। विश्वकर्मा के अनुसार, एयरलाइन की योजना 2026 की पहली तिमाही के आसपास अपनी उड़ान सेवाएं शुरू करने की है। उन्होंने यह भी कहा कि कंपनी का लक्ष्य अगले दो से तीन वर्षों में अपने बेड़े को 20-25 विमानों तक बढ़ाने का है।उल्लेखनीय है कि भारत की सबसे नई और सबसे मॉडर्न एयरलाइन, शंख एयर, मई 2025 में अपनी पहली फ्लाइट शुरू करके हवाई यात्रा में क्रांति लाने के लिए तैयार है। इस कंपनी का मुख?यालय लखनऊ में स्थित है। कंपनी की योजना लखनऊ से दिल्ली, फाइनेंशियल हब मुंबई, कल्चरल शहर चेन्नई और देश के दूसरे बड़े शहरों से जोड़ने की है।

इंडसइंड बैंक के 1960 करोड़ रुपये के भारी नुकसान की जांच अब SFIO के हवाले

एजेंसी

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के इंडसइंड बैंक की मुश्किलें उस समय और बढ़ गई जब केंद्र सरकार की विशेष जांच एजेंसी SFIO (गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय) ने बैंक के खिलाफ जांच का मोर्चा संभाल लिया। बैंक ने स्वयं शेयर बाजार को सूचित किया है कि उसे 23 दिसंबर को SFIO की ओर से आधिकारिक जांच का आदेश प्राप्त हुआ है। यह पूरा मामला बैंक के डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में हुई अकाउंटिंग विसंगतियों से जुड़ा है, जिसके कारण बैंक को लगभग 1,960 करोड़ रुपये का भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ा है। बाहरी लेखा परीक्षकों (Auditors) द्वारा विसंगतियों का खुलासा किए जाने के बाद अब बैंक की साख और निवेशकों के भरोसे पर बड़ा सवालिया निशान खड़ा हो गया है। इस मामले में एक महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (EOW) और SFIO के निष्कर्षों में विरोधाभास देखा गया। कुछ समय पहले मुंबई पुलिस की EOW ने अपनी प्रारंभिक जांच में कहा था कि उसे फंड की हेराफेरी या किसी आपराधिक मंशा का कोई ठोस सबूत नहीं मिला है, जिसके आधार पर मामले को बंद करने की तैयारी थी। हालांकि, केंद्र सरकार ने मामले की गंभीरता और तकनीकी जटिलताओं को देखते हुए अब इसकी बागडोर SFIO को सौंप दी है। SFIO अब इस बात की गहराई से पड़ताल करेगा कि क्या यह केवल एक अकाउंटिंग त्रुटि थी या इसके पीछे किसी बड़े वित्तीय गबन की साजिश रची गई थी। इस घोटाले का असर बैंक की बैलेंस शीट पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। स्वतंत्र एजेंसियों की रिपोर्ट के अनुसार, अकाउंटिंग की इन गंभीर गलतियों की वजह से 31 मार्च 2025 तक बैंक के लाभ-हानि खाते पर 1,959.98 करोड़ रुपये का नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इतना ही नहीं, बैंक की कुल शुद्ध संपत्ति (Net Worth) में भी लगभग 1,979 करोड़ रुपये की भारी कमी आने की आशंका जताई गई है। बैंकिंग विशेषज्ञों का मानना है कि SFIO की जांच के परिणाम न केवल इंडसइंड बैंक के प्रबंधन के लिए चुनौतीपूर्ण होंगे, बल्कि पूरी बैंकिंग इंडस्ट्री के डेरिवेटिव पोर्टफोलियो और अकाउंटिंग मानकों की समीक्षा का आधार भी बनेंगे।

नए साल 2026 के पहले महीने में छुट्टियों की भरमार, जनवरी में 16 दिन बंद रहेंगे बैंक और 9 दिन नहीं होगी शेयर मार्केट में ट्रेडिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। 25 दिसंबर, 2025। वर्ष 2026 का आगाज छुट्टियों के साथ होने जा रहा है। जनवरी महीने में सार्वजनिक अवकाश, रविवार और दूसरे-चौथे शनिवार को मिलाकर देश के विभिन्न राज्यों में कुल 16 दिन बैंक बंद रहेंगे। विशेष रूप से महीने के अंत में 24 जनवरी (चौथा शनिवार), 25 जनवरी (रविवार) और 26 जनवरी (गणतंत्र दिवस) की वजह से लगातार तीन दिनों का 'लॉन्ग वीकेंड' मिल रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक (ऋब्ढ्ढ) के कैलेंडर के अनुसार, 1 जनवरी को नए साल के साथ छुट्टियों का सिलसिला शुरू होगा, जिसमें मकर संक्रांति, पोंगल, बसंत पंचमी और हजरत अली के जन्मदिन जैसे क्षेत्रीय त्योहार भी शामिल हैं। ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि वे अपने जरूरी काम समय रहते निपटा लें। निवेशकों के लिए भी जनवरी का महीना सीमित कारोबारी सत्रों वाला होगा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) और

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (ह्रस्श्व) में शनिवार और रविवार की 8 छुट्टियों के अलावा 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में कुल 9 दिन ट्रेडिंग बंद रहेगी। हालांकि, बैंकों की शाखाएं बंद रहने के बावजूद ग्राहकों के लिए राहत की बात यह है कि ऑनलाइन बैंकिंग, नेट बैंकिंग और एटीएम (ॠञ्जरू) सेवाएं निर्बाध रूप से चालू रहेंगी। डिजिटल ट्रांजैक्शन और फोन बैंकिंग के जरिए पैसे का लेन-देन छुट्टियों के दौरान भी किया जा सकेगा, जिससे आम जनता को नकदी या फंड ट्रांसफर की समस्या नहीं होगी। रिजर्व बैंक ने बैंकिंग छुट्टियों को 'नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट' और 'रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट' जैसी तीन श्रेणियों में विभाजित किया है। जनवरी में कई छुट्टियां राज्य-विशिष्ट हैं, जैसे 2 जनवरी को मन्नत जयंती पर केरल में और 12 जनवरी को विवेकानंद जयंती पर कोलकाता में बैंक बंद रहेंगे। वहीं, 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती और सरस्वती पूजा के अवसर पर पश्चिम बंगाल, ओडिशा और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में बैंक अवकाश रहेगा। चूंकि 2026 के पूरे साल का शेयर बाजार कैलेंडर भी जारी हो चुका है, इसलिए निवेशकों को सलाह दी गई है कि वे मार्च में होली और अप्रैल में गुड फ्राइडे जैसी आगामी बड़ी छुट्टियों को ध्यान में रखकर अपनी वित्तीय रणनीति बनाएं।

यूपी का कायाकल्प : मुख्यमंत्री योगी ने दिया 'Fearless Business' और 'Ease of Doing Business' का मंत्र

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में वर्ष 2025-26 के अनुपूरक बजट पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की बदलती आर्थिक तस्वीर का खाका खींचा। उन्होंने स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश अब 'बीमारू' राज्य की छवि से बाहर निकलकर 'Fearless Business' (भयमुक्त व्यापार), Ease of Doing Business और Trust of Doing Business (व्यापार का विश्वास) का ग्लोबल मॉडल बन चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में vittiya anushasan (वित्तीय अनुशासन) और good governance (सुशासन) को प्राथमिकता दी गई है। इसी का परिणाम है कि राज्य का GSDP जो 2012-16 के बीच मात्र 12.88 लाख करोड़ रुपये था, वह आज बढ़कर 35-36 लाख करोड़ रुपये के करीब पहुंच गया है। प्रदेश की per capita income (प्रति व्यक्ति आय) भी 43,000 रुपये से बढ़कर 1,20,000 रुपये हो गई है।

कृषि विकास दरः प्रदेश में agriculture growth rate 8फीसदी से बढ़कर 18फीसदी तक पहुंच गई है। मेडिकल कॉलेजः 'एक जनपद-एक मेडिकल कॉलेज' के लक्ष्य के साथ प्रदेश में 81 मेडिकल कॉलेज संचालित या निर्माणाधीन हैं।

रिन्यूएबल एनर्जीः पर्यावरण संरक्षण की दिशा में vGW solar प्रोजेक्ट्स के साथ यूपी देश का अग्रणी राज्य बन रहा है।

रोजगार और स्टार्ट-अप का बना इकोसिस्टम

मुख्यमंत्री ने सदन को बताया कि प्रदेश में unemployment rate (बेरोजगारी दर) में भारी गिरावट आई है, जबकि Employment ratio में लगातार सुधार हो रहा है। राज्य में start-up ecosystem को बढ़ावा देने के लिए 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को जमीन पर उतारा गया है, जिससे 60 लाख युवाओं को सीधे रोजगार मिला है। एमएसएमई सेक्टर की 96 लाख इकाइयां आज 2 करोड़ परिवारों का सहारा बनी हैं।

बैंकों के प्रति बढ़ा भरोसाः CD Ratio में सुधार

मुख्यमंत्री ने बैंकिंग सेवाओं पर जोर देते हुए कहा कि प्रदेश का CD ratio (क्रेडिट-डेपोजिट रेशियो) 44फीसदी से बढ़कर 62-65फीसदी हो गया है, जिसे 70फीसदी तक ले जाने का लक्ष्य है। इसका सीधा मतलब है कि जनता का पैसा अब प्रदेश के विकास और युवाओं के स्वरोजगार में लग रहा है। सीएम ने कहा कि हमारी हर welfare scheme (जन-कल्याणकारी योजना) 'फेसलेस' और 'भ्रष्टाचार मुक्त' है। चाहे वह मुफ्त राशन हो या आयुष्मान कार्ड, लाभ बिना किसी भेदभाव के हर पात्र व्यक्ति तक पहुँच रहा है। अंत में उन्होंने दोहराया कि उत्तर प्रदेश में अपराध के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति ने व्यापारियों में सुरक्षा का भाव जगाया है, जिससे राज्य अब निवेश का 'ड्रीम डेस्टिनेशन' बन गया है।

जेएसडब्ल्यू समूह ने संदीप बत्रा को बनाया मुख्य मानव संसाधन अधिकारी

एजेंसी

मुंबई। इस्पात, ऊर्जा और अन्य कारोबार में लगे प्रतिष्ठित जेएसडब्ल्यू समूह ने अपनी मानव संसाधन (एचआर) प्रबंधन टीम को और मजबूत बनाने के लिए संदीप बत्रा को प्रेसिडेंट एवं मुख्य मानव संसाधन अधिकारी (स्टील एवं कॉर्पोरेट) बनाया है। कंपनी ने एक विज्ञप्ति में बताया कि श्री बत्रा जेएसडब्ल्यू स्टील और कॉर्पोरेट विभाग में मानव संसाधन एवं प्रतिभा से जुड़ी कार्ययोजनाओं का नेतृत्व करेंगे। भारतीय सेना में कमीशंड ऑफिसर के रूप में काम कर चुके श्री बत्रा को आईटी, उपभोक्ता, टेलीकॉम, रिटेल, इन्फ्रास्ट्रक्चर और एविएशन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिभा प्रबंधन, संगठनात्मक डिज़ाइन और उत्पादकता वृद्धि के क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक का अनुभव है। वह इससे पहले अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स के मानव संसाधन प्रभाग का नेतृत्व कर रहे थे। वह लैंडमार्क ग्रुप और वोडाफोन इंडिया में भी काम कर चुके हैं। समूह ने शिल्पी लाल शर्मा को अपने प्रतिभा, सीख एंड विकास का समूह-प्रमुख बनाया है। जेएसडब्ल्यू सीमेंट और जेएसडब्ल्यू पेंट्स के प्रबंध निदेशक पार्थ जिंदल ने इन निर्णयों पर कहा,' भविष्य के लिए तैयार संगठनों के निर्माण के लिए प्रतिभा, नेतृत्व विकास और एक मजबूत प्रदर्शन-आधारित संस्कृति पर स्पष्ट फोकस आवश्यक है। उच्च प्रदर्शन करने वाले संगठनों के निर्माण में संदीप का व्यापक अनुभव और प्रतिभा, लर्निंग व समावेशन में शिल्पी की मजबूत विशेषज्ञता, हमें अत्याधुनिक टीमों के निर्माण में मदद करेगी, जो समूह की दीर्घकालिक विकास योजनाओं में सहायक होगा।

उतार-चढ़ाव के बाद लाल निशान पर बंद हुआ घरेलू शेयर बाजार, सेंसेक्स 116 अंक टूटा

एजेंसी

नई दिल्ली। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन शेयर बाजार उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में लाल निशान पर बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 116.14 अंक यानी 0.14 फीसदी टूटकर 85,408.70 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सेंचज (एनएसई) का निफ्टी भी 37.45 अंक यानी 0.14 फीसदी अंक की गिरावट के साथ 26,139.70 के स्तर पर बंद हुआ। आज विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और चुनिंदा सेक्टर्स में मुनाफावसूली के चलते निवेशकों का सेंटीमेंट कमजोर बना रहा। एक समय सेंसेक्स लगभग 200 अंक बढ़कर 85738.18 के स्तर पर पहुंच गया था। हालांकि, यह तेजी ज्यादा देर बरकरार नहीं रही। आज कारोबार में सेंसेक्स के 30 स्टॉक का प्रदर्शन मिला-जुला रहा। सबसे ज्यादा बिकवाली टीएमपीवी, सन फार्मा, हिंदुस्तान यूनिलीवर, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एशियन पेंट्स जैसे स्टॉक में देखने को मिली है।दूसरी तरफ, ट्रेंट, मारुति सुजुकी इंडिया, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस और पावर ग्रिड जैसे शेयर टॉप गेनर रहे। एशियाई शेयर बाजारों में शामिल दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्केई 225 सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में स्थिर हुए। यूरोपीय बाजारों में मामूली बढ़त देखी गई। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले भारतीय रुपया 15 पैसे टूटकर 89.78 रुपये प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद। एक दिन पहले बीएसई का सेंसेक्स 42.63 अंक यानी 0.050 फीसदी की गिरावट के साथ 85,524.84 के स्तर पर बंद हुआ था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 4.75 अंक यानी 0.018 फीसदी बढ़कर 26,177.15 के स्तर पर बंद हुआ था।

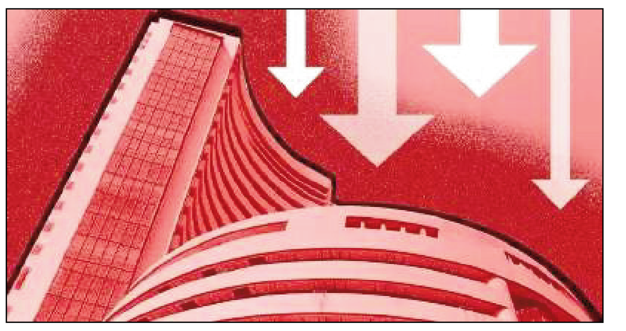

अल हिंद एयर और फ्लाईएक्सप्रेस उड़ान भरने को तैयार, सरकार से मिली मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के नागरिक उड्डयन बाजार में नई प्रतिस्पर्धा शुरू होने वाली है। भारत में दो नई एयरलाइंस कंपनियां अल हिंद एयर और फ्लाईएक्सप्रेस जल्द ही उड़ान भरने के लिए तैयार हैं। इन कंपनियों को नागर विमानन मंत्रालय से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मिल गया है।नागर विमानन मंत्रालय से अल हिंद एयर और फ्लाईएक्सप्रेस को उड़ान भरने की मंजूरी पहले ही मिल चुकी है। इन दो कंपनियों के अलावा उत्तर प्रदेश की कंपनी शंख एयर को भी पहले ही एनओसी मिल चुका है। इनके 2026 में परिचालन शुरू करने की संभावना है। सरकार ने विमानन क्षेत्र में भारत ने एविएशन में प्रतिस्पर्धा करने की कोशिश में नई एयरलाइंस को मंजूरी दी है। इससे कुछ बड़े प्लेयर्स के दबदबे वाले इस सेक्टर में और प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा कि भारतीय विमानन क्षेत्र में अधिक विमानन कंपनियों को प्रोत्साहित करना मंत्रालय का प्रयास रहा है, जो सबसे तेजी से बढ़ते विमानन बाजारों में से एक है। इस समय देश में फिलहाल नौ घरेलू विमानन कंपनियां नियमित सेवा दे रही हैं।उन्होंने कहा कि 'उड़ान' जैसी योजनाओं ने स्टार एयर, इंडिया वन एयर और फ्लाई91 जैसी छोटी विमानन कंपनियों को देश के भीतर क्षेत्रीय संपर्क में अहम भूमिका निभाने में सक्षम बनाया है और भविष्य में वृद्धि की और भी गुंजाइश है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसी) के अनुसार एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, इंडिगो और सार्वजनिक क्षेत्र की अलायंस एयर के अलावा अन्य विमानन कंपनियां अकासा एयर, स्पाइसजेट, स्टार एयर, फ्लाई91 और इंडियावन एयर हैं। गो फर्स्ट तथा जेट एयरवेज सहित कई विमानन कंपनियों ने पिछले कुछ साल के दौरान कर्ज के बोझ तले दबकर अपनी उड़ान सेवाएं बंद कर दी हैं। क्षेत्रीय विमानन कंपनी फ्लाई बिग ने अक्टूबर में नियमित उड़ानें निलंबित कर दी थीं। इंडिगो एयरलाइन और एयर इंडिया समूह (एयर इंडिया व एयर इंडिया एक्सप्रेस) की घरेलू बाजार में 90 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी है।

रोम के लिए मार्च से दोबारा उड़ान शुरू करेगी एयर इंडिया

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया अगले साल 25 मार्च से दिल्ली और इटली की राजधानी रोम के बीच नॉन-स्टॉप उड़ान शुरू करेगी। एयरलाइन ने बताया कि यह उड़ान सप्ताह में चार दिन सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और रविवार को उपलब्ध होगी। इस मार्ग पर वह बोइंग 7878-8 विमान का परिचालन करेगी। इसमें बिजनेस श्रेणी में 18 फ्लैट बेड और इकोनॉमी क्लास में 238 सीटें होंगी। रोम के लिए उड़ान लगभग छह साल बाद शुरू की जा रही है। कोविड-19 के समय साल 2020 में यह उड़ान बंद कर दी गयी थी। एयर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी निपुण अग्रवाल ने कहा कि भारत और इटली के बीच संस्कृति, व्यापार और व्यवसाय में काफी कुछ साझा है। दोनों देशों की राजधानियों के बीच नॉन-स्टॉप सेवा शुरू करने से इटली के यात्रियों को भारतीय उपमहाद्वीप के साथ दक्षिण पूर्व एशिया के लिए भी अतिरिक्त विकल्प मिलेंगे। वे दिल्ली होते हुए एयर इंडिया की उड़ान से बैंकॉक, कोलंबो, हो ची मिन्ह सिटी, काठमांडू, क्वालालम्पुर, मनीला, फुकेट और सिंगापुर जा सकेंगे।

एनबीसीसी ने दुबई में रियल एस्टेट क्षेत्र में रखा कदम, सीपीएसयू के रूप में पहली बार डेवलपर के तौर पर किया लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली। एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड ने अंतरराष्ट्रीय रियल एस्टेट क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए दुबई में अपनी उपस्थिति का विस्तार किया है। एनबीसीसी ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एनबीसीसी ओवरसीज़ रियल एस्टेट एलएलसी के माध्यम से दुबई में विदेशी रियल एस्टेट परिचालनों की औपचारिक शुरुआत की है। इसके साथ ही एनबीसीसी दुबई में स्वयं को रियल एस्टेट डेवलपर के रूप में लॉन्च करने वाला देश का पहला केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम (सीपीएसयू) बन गया है। एनबीसीसी ओवरसीज़ रियल एस्टेट एलएलसी ने दुबई मेनलैंड में मिश्रित-उपयोग विकास परियोजना के लिए एक प्रमुख भूखंड का अधिग्रहण किया है। यह भूखंड 16 मिलियन एईडी में खरीदा गया है, जिसमें दुबई लैंड डिपार्टमेंट (डीएलडी), ब्रोकर एवं अन्य शुल्कों के रूप में भुगतान किए गए 1 मिलियन एईडी भी शामिल हैं। प्रस्तावित परियोजना का कुल ग्रॉस फ्लोर एरिया (जीएफए) 51,718 वर्गफुट होगा तथा इसकी संरचना जी+2 पोडियम+8 मंज़िलों की होगी। इस परियोजना से 58 से 60 मिलियन एईडी के अनुमानित राजस्व की संभावना जताई गई है। भारत सरकार और आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के समर्थन व अनुमोदन से यह परियोजना एनबीसीसी की वैश्विक विस्तार रणनीति का हिस्सा है। एनबीसीसी के प्रबंधन ने अपनी मजबूत ब्रांड पहचान और स्मार्ट प्राइसिंग रणनीति का लाभ उठाते हुए इस अवसर को साकार किया है, जिसे कंपनी की विकास यात्रा में एक अहम मील का पत्थर माना जा रहा है। घरेलू स्तर पर भी एनबीसीसी ने रियल एस्टेट क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के तहत अटकी हुई अम्रपाली परियोजनाओं को अपने अधीन लेकर एनबीसीसी ने हजारों घर खरीदारों को राहत प्रदान की है। लगभग 38,000 इकाइयों के दायित्व में से अब तक करीब 30,000 इकाइयों का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। साथ ही, अप्रयुक्त फ्लोर एरिया रेशियो (एफएआर) के माध्यम से अतिरिक्त 8,200 इकाइयों को लॉन्च कर परियोजनाओं का और विस्तार किया जा रहा है। इससे पूर्व एनबीसीसी ने दुबई साउथ में वर्ल्ड एक्सपो 2020 के लिए लगभग 172 मिलियन एईडी की लागत से इंडिया पवेलियन का सफलतापूर्वक निर्माण किया था, जिसने वैश्विक मंच पर भारतीय उत्कृष्टता को प्रदर्शित किया। दुबई में यह नया कदम एनबीसीसी की अंतरराष्ट्रीय पहचान को और सुदृढ़ करेगा तथा भविष्य में विकास के नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करेगा।

चौथे एशेज टेस्ट के पहले दिन रिकॉर्ड 20 विकेट गिरे

एशेज टेस्ट

- **आस्ट्रेलिया ने पहले दिन का खेल समाप्त होने तक दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के चार रन बनाये थे**

मेलबर्न, एजेंसी।

आस्ट्रेलियाई टीम 152 रन पर आउट हो गई लेकिन इसके बावजूद इंग्लैंड पर पहली पारी में 42 रन की बढत बना ली और चौथे एशेज टेस्ट के पहले दिन शुक्रवार को रिकॉर्ड 20 विकेट गिर गए।

मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर 'बॉक्सिंग डे' टेस्ट के लिये रिकॉर्ड 94199 दर्शक पहुंचे थे जबकि पिछला रिकॉर्ड 93013 का था जो आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच 2015 विश्व कप फाइनल के दौरान दर्ज किया गया था। आस्ट्रेलिया ने पहले दिन का खेल समाप्त होने तक दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के चार रन बनाये थे और उसके पास अब 46 रन की बढत है।

जोश टंग ने 45 रन देकर पांच विकेट लिये और टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए इंग्लैंड ने मेजबान टीम को सस्ते में आउट कर दिया। जवाब में इंग्लैंड की टीम 29.5 ओवर में 110 रन पर आउट हो गई। माइकल नेसेर ने 45 रन देकर चार विकेट लिये। आस्ट्रेलिया ने पहले तीन टेस्ट जीतकर श्रृंखला 11 दिन के भीतर ही अपने नाम कर ली है।

आस्ट्रेलिया ने पहले छह ओवर में 27 रन बनाये। इसके बाद ट्रेविस हेड (12) को गुस एटकिंसन ने सस्ते में आउट किया। टंग ने जेक वेदराल्ड (10) को पवेलियन भेजा और उनका अगला शिकार मार्नस लाबुशेन (छह) बने जो पहली स्लिप में कैच देकर लौटे। आस्ट्रेलिया के तीन विकेट 34 रन पर गिर गए थे।

कप्तान स्टीव स्मिथ को टंग ने जब आउट किया तब स्कोर 51 रन था। अनुभवी उस्मान ख्वाजा 29 रन बनाकर एटकिंसन की गेंद पर आउट हुए। उस समय स्कोर पांच विकेट पर 89 रन था और दो रन बाद एलेक्स कैरी ने गली में कैच थमा दिया। नेसेर (35) और कैमरन ग्रीन (17) ने 52 रन की साझेदारी की लेकिन ग्रीन के रन आउट होने पर यह साझेदारी टूट गई। टंग ने नेसेर और स्कॉट बोलैंड (0) को अपने 12वें ओवर की पहली दो गेंदों पर आउट किया।

जवाब में इंग्लैंड ने पांचवें ओवर में तीन विकेट आठ रन पर गंवा दिये थे। जैक क्रॉली (पांच), जैकब बेथेल (दो) और बेन डकेट (दो) जल्दी आउट हो गए।

हैरी टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 3000 रन बनाने वाले इंग्लैंड के पहले खिलाड़ी बने

मेलबर्न, एजेंसी। इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने यहां ऑस्ट्रेलिया के खिाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट क्रिकेट में अपने 3000 रन पूरे कर लिए हैं। इसी के साथ ही वह सबसे तेज 3,000 टेस्ट रन बनाने वाले इंग्लैंड के खिलाड़ी बन गए हैं। हैरी ने इंग्लैंड की ओर से पहली पारी में 34 गेंदों में दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 41 रन बनाए। उन्होंने इस मैच में जैसे ही 7 रन बनाये उनके 3000 रन पूरे हो गये। हैरी के अब 34 टेस्ट मैचों में 57 पारियों में 86 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 3,034 रन बनाए हैं। इसमें 10 शतक और 14 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 317 रन रहा है। हैरी ने अपने 3000 रन केवल 3,468 गेंदों में ही हासिल किये हैं। इस प्रकार वह सबसे कम गेंदों में ये आंकड़ा हासिल करने वाले खिलाड़ी बने हैं। वह 3000 रन बनाने वाले इंग्लैंड के दूसरे सबसे तेज खिलाड़ी भी हैं, उनसे पहले डेनिस कॉम्पटन ने 57 ने इतनी ही पारियों में ये रन बनाये थे। सबसे तेज 3,000 टेस्ट रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज डॉन ब्रैडमैन रहे हैं जिन्होंने केवल 33 पारियों में ही ये आंकड़ा हासिल किया। इस साल हैरी ने 10 टेस्ट और 17 इनिंग में 44.29 के औसत से 753 रन बनाए हैं जिसमें 82 से ज्यादा का स्ट्राइक रेट है, जिसमें दो शतक, चार फिफ्टी और 158 का बेस्ट स्कोर शामिल है।

एमएसजी में पांच विकेट लेने वाले इंग्लैंड के पहले गेंदबाज बने टोंग

मेलबर्न, एजेंसी। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोश टोंग ने यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में पांच विकेट लेने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। टंग मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में किसी टेस्ट मैच में 5 विकेट लेने वाले इंग्लैंड के पहले गेंदबाज बन गए हैं। टंग के पांव विकेटों से ऑस्ट्रेलिया की टीम अपनी पहली पारी में केवल 152 रनों पर ही सिमट गयी। टोंग की गेंदों के सामने मेजबान बल्लेबाज बेबस नजर आये। शुरुआती तीन टेस्ट मैच में हार का सामना करने वाली इंग्लैंड के प्रशंसकों में टोंग के इस प्रदर्शन से खुशी की लहर दौड़ गयी। इससे पहले इस मैदान पर पांच विकेट का रिकार्ड डैरेन गफ और डीन हेडली का रहा है। इस मैच में टोंग ने जेक वेदरलैंड को 10 जबकि स्टीव स्मिथ को 9 और मार्नस लाबुशेन के 6 रनों पर आउट कर दिया। स्मिथ तीसरी बार उनका शिकार बने हैं। यह तीसरी बार है जब ऑस्ट्रेलियाई टीम साल 2000 के बाद से घरेलू मैदान पर एशेज टेस्ट में 50 ओवर के अंदर आउट हुई है।

ख्वाजा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 8,000 रन पूरे किये

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने शुक्रवार से यहां इंग्लैंड के खिलाफ एमसीजी में शुरु हुए बॉक्सिंग डे टेस्ट में अपने 8,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे किये। ख्वाजा ने पारी की शुरुआत करते हुए 52 गेंदों में दो चौके लगाकर 29 रन बनाए। वह बड़ी पारी नहीं खेल पाये और गस एटकिंसन का शिकार बन। ख्वाजा अब ऑस्ट्रेलिया की ओर से 19वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं उन्होंने 136 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 42.55 की औसत से 8,001 रन बनाए हैं जिसमें 18 शतक और 41 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने 87 टेस्ट में 43.70 की औसत से 6,206 रन बनाए हैं, जिसमें 16 शतक और 28 अर्धशतक हैं। ख्वाजा ने अपने करियर के दौरान 40 एकदिवसीय में 42.00 की औसत से 1,554 रन बनाए हैं जिसमें 39 पारियों में दो शतक और 12 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने 9 टी20 में उन्होंने 26.77 की औसत और 132.41 के स्ट्राइक रेट से 241 रन बनाए हैं जिसमें एक अर्धशतक शामिल है।

संक्षिप्त

हार्दिक एचआईएल संचालन परिषद टीम के कप्तान बने

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत के स्टार मिडफील्डर हार्दिक सिंह को तीन जनवरी से चेन्नई में शुरू हो रही पुरूष हॉकी इंडिया लीग में एचआईएल संचालन परिषद टीम का कप्तान बनाया गया है। एचआईएल संचालन परिषद का पहला मैच पांच जनवरी को एसजी पाइपर्स से होना है। हार्दिक ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''मैं इस मौके के लिये शुक्रगुजार हूं। कप्तानी करना रोमांचक अनुभव होगा और हमारे पास युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। हमें उम्मीद है कि इस सत्र में प्रदर्शन शानदार होगा।''

इस टीम में ललित उपाध्याय, सैम वार्ड, सुरेंदर कुमार और केन रसेल जैसे दिग्गज भी हैं। इनके अलावा जूनियर विश्व कप में कांस्य जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे गुरजोत सिंह, मनमीत सिंह और टी प्रियव्रत भी टीम में हैं।

शुभमन इस साल सबसे अधिक शतक लगाने वाले भारतीय बने

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए साल 2025 मिला-जुला रहा है। सीमित ओवरों टी20 और एकदिवसीय में टीम को सफलता मिली है पर टेस्ट में उसे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ क्लीन स्वीप तक का सामना करना पड़ा है। इस साल भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक शतक टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल ने लगाये हैं। शुभमन ने इस साल 7 शतक लगाये हैं। टेस्ट में शुभमन खासे सफल रहे और उन्होंने सबसे अधिक रन बनाये। इंग्लैंड सीरीज में ही इस बल्लेबाज ने 700 से अधिक रन बनाये पर एकदिवसीय और टी20 में वह असफल रहे। शुभमन ने टेस्ट क्रिकेट में 5 शतक लगाये वहीं एकदिवसीय में 2 शतक उनके नाम है। टी20 में वह एक भी शतक नहीं लगा पाये।

पहली बार आईपीएल खेलने को लेकर उत्साहित हैं मंगेश

नई दिल्ली, एजेंसी। पहली बार आईपीएल खेलने जा रहे मध्यप्रदेश के बांए हाथ के युवा तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर मंगेश यादव बेहद उत्साहित है। मंगेश ने कहा कि मिनी नीलामी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरबीसी) ने जब उन्हें 5.2 करोड़ रुपए में खरीदा तो उन्हें इसका भरोसा नहीं हुआ। ये उनके लिए किसी सपने के सच होने के समान है। मंगेश के अनुसार चार फ्रेंचाइजियों के बोली लगाने से भी वह हैरान थे। मंगेश 140 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं। आरसीबी में वह तेज गेंदबाज यश दयाल की जगह शामिल किये गये हैं। इस युवा तेज गेंदबाज ने कहा है कि उन्हें अपने राज्य के अनुभवी खिलाड़ियों से जो सलाह मिली उससे भी उससे लाभ मिला है। इस क्रिकेटर ने कहा कि मुझे सीनियर क्रिकेटरों रजत पाटीदार, वेंकटेश अय्यर और आनंद राजन से भी सहयोग मिला है।

अय्यर ने शुरु किया बल्लेबाजी अभ्यास

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की टीम में वापसी की संभावना बन रहे हैं। श्रेयस अब ऑस्ट्रेलिया दौरे में आंतों पर लगी चोट से उबरते दिख रहे हैं। उन्होंगे बल्लेबाजी अभ्यास भी शुरु कर दिया है जिसमें उन्हें कोई परेशानी नहीं आयी है।

अय्यर को ऑस्ट्रेबललिया दौर के तीसरे मैच में चोट लगी थी। इसके बाद उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया है पर अब वह ठीक हैं हालांकि अभी वह सेंटर ऑफ एक्सीलेंसी में ही बने रहेंगे उन्होंने जिम में भी फिटनेस के लिए व्यायाम शुरु कर दिये हैं। चोट के बाद के सभी एक्स-रे उनके ठीक आये हैं। उनकी टीम में वापसी फिटनेस पर आधारित रहेगी। भारतीय टीम को अगले माह से न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 एकदिवसीय और 5 टी-20 मैचों की सीरीज खेलनी है। अगर वह तब तक फिट हो गये तो एकदिवसीय सीरीज में खेल सकेंगे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वैभव सूर्यवंशी को दिया प्रधानमंत्री 'राष्ट्रीय बाल पुरस्कार'

नई दिल्ली, एजेंसी। एक विस्फोटक बल्लेबाज के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी से उभर रहे बिहार के वैभव सूर्यवंशी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया।

पिछले एक साल में वैभव सूर्यवंशी ने हर फॉर्मेट में देश-विदेश में अपनी बल्लेबाजी से दुनियाभर के क्रिकेट फैंस को हैरान किया है। उनकी असाधारण बल्लेबाजी क्षमता और प्रदर्शन को देखते हुए ही उन्हें इस सम्मान के लिए चुना गया।

सम्मान समारोह की वजह से वैभव सूर्यवंशी दिल्ली में हैं। दिल्ली में होने के कारण वे रांची में विजय हजारे ट्रॉफी में मणिपुर के खिलाफ खेले जा रहे मैच में बिहार टीम का हिस्सा नहीं हैं। वैभव सूर्यवंशी ने विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 के पहले मैच में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 84 गेंदों पर 190 रन की पारी खेली थी। इस पारी में 16 चौके और 15 छक्के शामिल थे।

वैभव के लिए साल 2025 स्वर्णिम रहा है। इसकी शुरुआत आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेलते हुए गुजरात टाइटंस के खिलाफ शतक लगाने से हुई थी। वैभव ने 35 गेंद पर शतक लगाते हुए लीग में सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय का रिकॉर्ड अपने नाम किया था। आईपीएल 2025 के 7 मैचों में उन्होंने 252 रन बनाए थे। इसके अलावा वैभव ने हाल ही में अंडर-19 एशिया कप में शतक लगाया था। वैभव यूथ वनडे में भी शतक लगा चुके हैं।

26 दिसंबर को 'वीर बाल दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

विजय हजारे ट्रॉफीः विराट कोहली शतक चूके, रोहित शर्मा का नहीं चला बल्ला

बेंगलुरु, एजेंसी। विजय हजारे ट्रॉफी 2025 काफी चर्चा में है। इसकी वजह भारतीय क्रिकेट के मौजूदा दौर के दो सबसे बड़े स्टार रोहित शर्मा और विराट कोहली टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं। विराट और रोहित ने शतक के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत की थी, लेकिन दूसरे मैच में रोहित शर्मा जहां खाता खोलने में सफल नहीं रहे, वहीं विराट शतक के करीब पहुंचे।

बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सिलेंस में दिल्ली की तरफ से खेलते हुए विराट कोहली ने गुजरात के खिलाफ टूर्नामेंट के दूसरे मैच में 77 रन की पारी खेली। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे विराट ने 61 गेंदों पर खेली गई अपनी पारी में 13 चौके और 1 छक्का लगाया। विराट इस मैच में भी शतक की तरफ बढ़ रहे थे, लेकिन तेजी से रन बनाने की कोशिश में विशाल जायसवाल की गेंद पर

उर्विल पटेल ने उन्हें स्टंप कर दिया। विराट ने आंध्र प्रदेश के खिलाफ पिछले मैच में 101 गेंद पर 131 रन की पारी खेली थी।

रोहित शर्मा ने भी टूर्नामेंट के पहले मैच में सिक्किम के खिलाफ शतक लगाया था। रोहित ने 94 गेंद पर 155 रन की पारी खेली थी। जयपुर के फैंस मुंबई और उत्तराखंड के बीच मैच में भी रोहित से बड़ी पारी की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन रोहित इस बार फैंस की उम्मीद पर खरे नहीं उतरे। रोहित पारी की पहली ही गेंद पर बिना खाता खोले आउट हो गए।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के नए नियम के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों को कम से कम दो घरेलू मैच जरूर खेलने हैं। रोहित और विराट दोनों का ही ये दूसरा मैच है।

रिंकू ने 56 गेंदों में ही शतक लगाया

राजकोट, एजेंसी। उत्तरप्रदेश की कप्तानी करते हुए रिंकू सिंह ने विजय हजारे ट्रॉफी में चंडीगढ़ के खिलाफ केवल 56 गेंदों में ही शतक लगाकर टी20 विश्वकप के लिए अपने चयन को सही साबित किया है। रिंकू ने इस मैच में 11 चौकेऔर 4 छक्के लगाये। रिंकू ने 60 गेंदों में नाबाद 106 रन 176.67 के शानदार स्ट्राइक रेट से बनाये। इस प्रकार रिंकू ने लिस्ट ए मे अपना दूसरा शतक लगाया। उन्होंने अपनी इस पारी में 11 चौके और चार छक्के लगाए। इससे उत्तर प्रदेश ने 50 ओवरों में चार विकेट पर 367 रन बनाये। वहीं इससे पहले इस मैच में

मेलबर्न टेस्टः स्टीव स्मिथ ने तोड़ा राहुल द्रविड़ का रिकॉर्ड

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार से मेलबर्न में एशेज सीरीज का चौथा टेस्ट शुरू हुआ। स्टीव स्मिथ ने इस टेस्ट में वापसी की। ऑस्ट्रेलिया के कार्यकारी कप्तान की इस मैच में वापसी सुखद नहीं रही। वह पहली पारी में महज 9 रन बना सके, लेकिन फील्डिंग में उन्होंने कमाल किया और सर्वाधिक टेस्ट कैच पकड़ने के मामले में भारत के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ को पीछे छोड़ा।

स्टीव स्मिथ ने इंग्लैंड की पहली पारी में 2 कैच पकड़े। पहला कैच पकड़ते ही उन्होंने सर्वाधिक कैच पकड़ने के मामले में राहुल द्रविड़ को पीछे छोड़ दिया। स्टीव स्मिथ के टेस्ट मैचों में अब 212 कैच हो गए हैं। राहुल द्रविड़ ने 210 कैच लिए थे। स्मिथ से आगे सिर्फ जो रूट हैं जिनके टेस्ट में 214 कैच हैं। बात अगर टेस्ट मैच की करें तो पहले दिन पूरी तरह गेंदबाजों का दबदबा दिखा।

टॉस जीतकर इंग्लैंड ने गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 152 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया के लिए ट्रेविस हेड ने 12, जेक वेदराल्ड ने 10, उस्मान ख्वाजा ने 29, एलेक्स कैरी ने 20 और कैमरन ग्रीन ने 17 रन बनाए। स्टीव स्मिथ का बल्ला भी शांत रहा। स्मिथ महज 9 रन बना सके। माइकल नेसर ने सर्वाधिक 35 रन की पारी खेली।

इंग्लैंड की तरफ से जोश टंग सबसे सफल गेंदबाज रहे। टंग ने 5 विकेट लिए। गस एटकिंसन ने 2 विकेट लिए। कप्तान बेन स्टोक्स और ब्रायडन कार्स को भी 1-1 विकेट मिला।

इंग्लैंड के पास बड़ा स्कोर बनाकर मैच में मजबूत पकड़ बनाने का मौका था, लेकिन इंग्लैंड की बल्लेबाजी ने एक बार फिर निराश किया। पूरी टीम 110 रन पर सिमट गई। हैरी ब्रूक 41 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे, गस एटकिंसन ने 28 रन बनाए, और कप्तान बेन स्टोक्स ने 16 रन बनाए।

इरफान पठान ने सुपर जायंटस की बल्लेबाजी को कमजोर बताया

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने आईपीएल 2026 के लिए की लखनऊ सुपर जायंटस की बल्लेबाजी को कमजोर बताया है। पठान ने कहा कि जिस प्रकार से टीम ने मिनी नीलामी में खरीददारी की है। उसमें भी उसने गेंदबाजी पर ही जोर दिया। इससे उसके पास अच्छे गेंदबाज तो काफी हो गये हैं पर अच्छे बल्लेबाजों की उसे कमी है। की जरूरत है। पठान ने कहा टीम के पासा एनरिक नॉर्टजे जैसा तेज गेंदबाज और वानिन्दु हसरंगा जैस स्पिनर है। उसके पास तेज गेंदबाजी सहित सभी क्षेतों में अच्छे विकल्प हैं पर बल्लेबाजों की कमी नजर आती है। पठान ने कहा, आयुष बडोनी और अब्दुल समद के अलावा उसे एक और अच्छे बल्लेबाज की जरुरत है। मुझे उम्मीद थी कि वह लिविंगस्टोन जैसे किसी खिलाड़ी को खरीदेगा पर ऐसा नहीं हुआ। कुल मिलाकर टीम को अभी भी कम से कम पांच अच्छे स्तर के बल्लेबाज चाहिये।

भारतीय हॉकी — **अहम अंतरराष्ट्रीय साल से पहले मजबूत अभियान का लक्ष्य**

हरमनप्रीत सिंह और हार्दिक सिंह की एचआईएल 2026 पर नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के स्टार खिलाड़ी हरमनप्रीत सिंह और हार्दिक सिंह की निगाहें पुरुष हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2026 पर टिकी हुई हैं। दोनों खिलाड़ी इसे एक अहम मंच के तौर पर देख रहे हैं, जहां से वे आने वाले व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर—जिसमें एफआईएच प्रो लीग, हॉकी विश्व कप 2026 और 2026 एशियन गेम्स शामिल हैं—के लिए अपनी फॉर्म और आत्मविश्वास को नई ऊंचाई दे सकें।

भारतीय टीम और सूरमा हॉकी क्लब के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि एचआईएल 2025-26 का समय राष्ट्रीय टीम के लिए बेहद अहम है।

हरमनप्रीत ने कहा, "एचआईएल

2026 हम सभी भारतीय खिलाड़ियों के लिए बिल्कुल सही समय पर आ रही है। सूरमा हॉकी क्लब के रूप में हमारी कोशिश होगी कि हम दोनों सर्कल में सबसे अनुशासित और खतरनाक टीम बनें। सभी फ्रेंचाइज़ी का स्तर बहुत ऊंचा है, ऐसे में हर मैच अंतरराष्ट्रीय मुकाबले जैसा महसूस होगा, जो प्रो लीग, विश्व कप और एशियन गेम्स से पहले हमारे लिए बेहद जरूरी है।"

उन्होंने यह भी कहा कि लीग का माहौल सीनियर खिलाड़ियों के साथ-साथ युवाओं के विकास में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा, "भारत और सूरमा दोनों टीमों के कप्तान के तौर पर मैं एचआईएल को नेतृत्व क्षमता बढ़ाने और युवा खिलाड़ियों को बड़े मैचों का अनुभव दिलाने का शानदार मौका मानता हूं। अगर हम यहां मेहनत, पेनल्टी कॉर्नर की प्रभावशीलता और मजबूत डिफेंसिव संगठन के साथ लय पकड़ते हैं, तो उसका सीधा फायदा हमें आगे भारत के लिए खेलते समय मिलेगा। लक्ष्य साफ है—एचआईएल में मजबूत प्रदर्शन और फिर देश के लिए पदक।"

वहीं, भारतीय टीम के मिडफील्ड के मजबूत स्तंभ हार्दिक सिंह एचआईएल 2026 में एचआईएल गवर्निंग काउंसिल टीम की ओर से खेलते नजर आएंगे। यह टीम 2026 सत्र से पहले यूपी रुद्रास फ्रेंचाइज़ी के संचालन की जिम्मेदारी संभाल चुकी है, ताकि खिलाड़ियों को निरंतरता मिल सके।

हार्दिक सिंह ने कहा, "मेरे लिए और हमारी एचआईएल गवर्निंग काउंसिल टीम के लिए यह एचआईएल सीजन बेहद अहम है। लीग हमेशा हाई-इंटेंसिटी और दबाव वाले मुकाबले देती है, जो बड़े टूर्नामेंट से पहले सबसे अच्छी तैयारी होती है। हमारी कोशिश आक्रामक हॉकी खेलने, एक मजबूत टीम पहचान बनाने और यह दिखाने की होगी कि हम लीग की किसी भी फ्रेंचाइज़ी को टक्कर दे सकते हैं।"

हार्दिक ने आगे कहा कि अलग-अलग फ्रेंचाइज़ियों की रणनीति और खिलाड़ियों की विविधता अंतरराष्ट्रीय स्तर की तैयारी में मदद करेगी।

उन्होंने कहा, "हर हफ्ते अलग-अलग खेल शैलियों, टॉप ड्रैग-फ्लिकर्स, तेज फॉरवर्ड्स और मजबूत डिफेंस से सामना होता है। अगर हम यहां अपनी योजनाओं को सही तरीके से लागू करते हैं और निरंतरता बनाए रखते हैं, तो वही लय प्रो लीग, विश्व कप और एशियन गेम्स तक साथ जाएगी। व्यक्तिगत तौर पर मैं डिफेंस और अटैक—दोनों में ज्यादा जिम्मेदारी निभाना चाहता हूं और भारतीय टीम में वापसी के समय पूरी तरह फिट रहना चाहता हूं।"

एचआईएल 2026 में कुल आठ फ्रेंचाइज़ियां हिस्सा लेंगी—तमिलनाडु ड्रैगन्स, हैदराबाद तूफान्स, जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब, मौजूदा चैंपियन श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स, वेदांता कलिंगा लांसर्स, रांची रॉयल्स, एसजी पाइपर्स और एचआईएल गवर्निंग काउंसिल।

लीग सिंगल राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में खेली जाएगी, जिसमें 23 लीग मुकाबलों के बाद प्लेऑफ होंगे। क्वालिफायर-1 और एलिमिनेटर 23 जनवरी को, क्वालिफायर-2 25 जनवरी को और ग्रैंड फाइनल 26 जनवरी को भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में खेला जाएगा। कुल 33 हाई-प्रेशर मैच होंगे।

लीग की शुरुआत 3 जनवरी को चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में होगी (3–9 जनवरी), इसके बाद मुकाबले रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ (11–16 जनवरी) में खेले जाएंगे और अंत में 17 से 26 जनवरी तक भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में टूर्नामेंट का समापन होगा।

अक्षय कुमार होस्ट करेंगे दुनिया का सबसे बड़ा गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून'

'खिलाड़ी कुमार' यानी अक्षय कुमार फिल्मों में लोगों को एंटरटेन करने के बाद अब टीवी पर गेम खिलाने के लिए आ रहे हैं। एक बार फिर अक्षय कुमार बड़े पर्दे के अलावा छोटे पर्दे पर नजर आने वाले हैं। वो एमी अवॉर्ड विनर टीवी गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' भारत में लेकर आ रहे हैं। अक्षय कुमार इस शो को होस्ट करेंगे।

सोनी टीवी पर आएगा शो

आठ बार एमी अवॉर्ड जीतने वाला अमेरिका का नंबर वन टेलीविजन गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' अब भारत में सोनी टीवी और सोनी लिव पर प्रसारित होने के लिए तैयार है। अक्षय कुमार शो में बतौर होस्ट शामिल होंगे। सोनी टीवी की ओर से इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया गया, 'दुनिया के सबसे बड़े टेलीविजन गेम शो ने भारत को नमस्ते कहा है।' इसके साथ ही मेकर्स ने ये भी स्पष्ट कर दिया है कि अक्षय कुमार इस शो को होस्ट करेंगे। हालांकि, अभी तक शो की रिलीज डेट और कंटेस्टेंट के नाम सामने नहीं आए हैं।

अक्षय कुमार ने जताई खुशी

इस गेम शो से जुड़ने पर अभिनेता अक्षय कुमार ने भी खुशी जाहिर की है। एक्टर ने कहा कि 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' दुनिया भर में लाखों लोगों का पसंदीदा शो रहा है। मैं इसके भारतीय संस्करण को यहां के दर्शकों के सामने पेश करने के लिए बेहद उत्साहित हूं। कई पीढ़ियों से चली आ रही शो की लोकप्रियता और पहेलियां सुलझाने का रोमांच इसे दुनियाभर में लोकप्रिय बना चुका है। मुझे भरोसा है कि भारतीय दर्शक भी इसका भरपूर आनंद लेंगे। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव के जरिए 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' भारतीय दर्शकों को अलग-अलग प्लेटफार्म्स पर शानदार तरीके से जोड़ेगा।

ये अक्षय की टीवी पर वापसी है

अक्षय कुमार इससे पहले 'खतरों के खिलाड़ी' के पहले, दूसरे और चौथे सीजन को भी होस्ट कर चुके हैं। चौथा सीजन साल 2011 में आया था। इसके अलावा वो एक कॉमेडी शो लेकर भी आए थे। हालांकि, ये ज्यादा दिन तक नहीं चला था। हाल ही में अक्षय करण जौहर के साथ 'पिच टू गेट रिच' में भी नजर आए थे। अब अक्षय दुनिया के सबसे पॉपुलर शो को लेकर आ रहे हैं।

धुरंधर के गाने शरारत के लिए तमन्ना भाटिया थीं पहली पसंद

फिर आदित्य धर ने क्यों किया रिजेक्ट?

बॉलीवुड में जब भी दमदार डांस नंबर की बात होती है, तो सबसे पहला नाम तमन्ना भाटिया का लिया जाता है। स्त्री 2 के 'आज की रात' से लेकर 'घफूर' जैसे गानों ने उन्हें स्पेशल सॉन्ग की क्वीन बना दिया है। ऐसे में जब फिल्म धुरंधर के चर्चित गाने शरारत को लेकर यह खुलासा हुआ कि तमन्ना को इस गाने के लिए रिजेक्ट कर दिया गया था, तो इंडस्ट्री से लेकर फैंस तक सभी हैरान रह गए।

पहली पसंद थीं तमन्ना

फिल्म धुरंधर के कोरियोग्राफर विजय गांगुली ने हाल ही में फिल्मी ग्यान के साथ एक इंटरव्यू में इस पूरे मामले पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि जब 'शरारत' गाने की प्लानिंग चल रही थी, तब उनके दिमाग में सबसे पहला नाम तमन्ना भाटिया का ही आया था। उनके मुताबिक, तमन्ना की स्क्रीन प्रेजेंस और डांसिंग स्टाइल इस तरह के गाने के लिए एकदम परफेक्ट बैठती थी।

फिर क्यों तमन्ना नहीं हुईं कास्ट?

विजय गांगुली ने बताया कि तमन्ना का नाम डायरेक्टर आदित्य धर के सामने रखा गया था, लेकिन आदित्य इस फैसले को लेकर पूरी तरह साफ थे। उनका मानना था कि वो फिल्म में ऐसा कोई गाना नहीं चाहते, जो कहानी से हटकर सिर्फ एक स्टार पर फोकस करे। अगर गाने में तमन्ना होतीं, तो दर्शकों का ध्यान कहानी की बजाय सिर्फ उन्हीं पर टिक जाता।

कहानी को रखा स्टारडम से ऊपर

आदित्य धर ने यह तय किया कि 'शरारत' को एक पारंपरिक आइटम सॉन्ग नहीं बनाया जाएगा, बल्कि कहानी का हिस्सा रखा जाएगा। यही वजह रही कि गाने में एक नहीं, बल्कि दो कलाकारों को लिया गया। आखिरकार इस गाने के लिए आयशा खान और क्रिस्टल डिसूजा को चुना गया, ताकि फोकस किसी एक चेहरे पर नहीं, बल्कि सीन और नैरेटिव पर बना रहे।

शादी के सीन से जुड़ा था गाना

कोरियोग्राफर के मुताबिक, शरारत गाना रणवीर सिंह और सारा अर्जुन के वेडिंग रिसेप्शन सीन का हिस्सा है। उस सीन में सिर्फ डांस ही नहीं, बल्कि कई अहम कहानी मोमेंट्स भी चलते हैं। ऐसे में डायरेक्टर नहीं चाहते थे कि गाने की वजह से फिल्म की रफ्तार या कहानी का असर कमजोर पड़े।

इंटरनेट पर छाया शरारत

दिलचस्प बात यह है कि इस गाने को काफी ज्यादा पंसद किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर गाने पर अब तक कई रील्स बनाई जा चुकी हैं। शरारत गाना रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। आयशा खान और क्रिस्टल डिसूजा की केमिस्ट्री और एनर्जी को दर्शकों ने खूब सराहा। यही नहीं, इस गाने पर सेलेब्स भी रिएक्ट कर रहे हैं।

29 साल बाद फिल्म में साथ नजर आएंगे अक्षय खन्ना और सनी देओल?

फिल्म धुरंधर में रहमान डकैत के खतरनाक किरदार के लिए अक्षय खन्ना को बहुत तारीफ मिल रही है। इसके बाद उनके करियर में एक नया और रोचक दौर शुरू हो रहा है। वे हमेशा अच्छी भूमिकाएं चुनते हैं और फिल्मों के बीच लंबा गैप लेते हैं, इसलिए लोग उनके अगले प्रोजेक्ट को लेकर उत्सुक रहते हैं। धुरंधर की सफलता पर अक्षय ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन उनकी अगली फिल्म की चर्चा जोरों पर है, जिसमें वह सनी देओल के साथ नजर आएंगे।

इक्का में साथ नजर आ सकते हैं अक्षय और सनी?

इंडिया टुडे की एक खबर के अनुसार, अक्षय खन्ना लगभग 29 साल बाद सनी देओल के साथ फिर स्क्रीन पर नजर आएंगे। दोनों ने आखिरी बार 1997 की फिल्म बॉर्डर में साथ काम किया था। हालांकि अभी फिल्ममेकर्स की तरफ से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। खबरों के मुताबिक, दोनों ने इक्का नाम की फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है।

फिल्म इक्का के बारे में

इक्का एक एक्शन-क्राइम थ्रिलर फिल्म है, जो सिनेमाघरों में नहीं बल्कि सीधे नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसमें दीया मिर्जा और संजीदा शेख भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म की कहानी और किरदारों के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। फिलहाल इक्का को लेकर सिर्फ ऑनलाइन चर्चाएं और अफवाहें हैं, कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है। फिर भी, अक्षय खन्ना और सनी देओल को एक एक्शन थ्रिलर में साथ देखने की खबर ने फैंस में काफी उत्साह जगा दिया है।

अदा शर्मा बनीं 'यूथ फॉर चेंज भारत - से नो टू ड्रग्स' अभियान की चेहरा

अभिनेत्री आदाह शर्मा को यूथ फॉर चेंज भारत – से नो टू ड्रग्स अभियान का चेहरा घोषित किया गया है। यह एक राष्ट्रव्यापी पहल है, जिसका उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रहने और स्वस्थ व सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। इस अभियान की शुरुआत इंदौर से हुई, जिसने युवाओं की ऊर्जा और सांस्कृतिक जुड़ाव से प्रेरित एक सशक्त आंदोलन की नींव रखी। अभियान के लिए आदाह शर्मा का चयन एक स्वाभाविक निर्णय माना जा रहा है। वर्षों से उन्होंने विभिन्न फिल्मी शैलियों में काम कर युवा दर्शकों के साथ एक मजबूत रिश्ता बनाया है। द केरल स्टोरी जैसी गंभीर फिल्मों से लेकर 1920 फ्रेंचाइज़ी में उनकी लोकप्रिय भूमिका, सनफ्लावर और कमांडो में उनके अलग अंदाज़ और रीता सान्याल में कॉमेडी तक—आदाह ने अपनी बेहतरीन बहुमुखी प्रतिभा साबित की है। चाहे तीव्र ड्रामा हो, हॉरर या हल्का-फुल्का मनोरंजन, उनकी परफॉर्मेंस हमेशा दर्शकों के दिल को छू जाती है। अभियान को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए आदाह ने कहा, मुझे इस अभियान का चेहरा चुने जाने पर बहुत खुशी है। हमने इसकी शुरुआत इंदौर, मध्य प्रदेश से की। हम यह संदेश फैलाना चाहते हैं कि असली मज़ा पैकेट या गोलियों में नहीं होता, बल्कि सबसे बेहतरीन 'हाई' नशे से दूर रहकर ज़िंदगी को पूरी तरह महसूस करने में है। ढोल बजाना बिल्कुल अचानक हुआ और मुझे बहुत मज़ा आया। लॉन्च इवेंट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें आदाह एक स्थानीय बैंड के साथ ढोल बजाती नजर आ रही हैं। यह पल पूरी तरह सहज, ऊर्जावान और स्थानीय संस्कृति से जुड़ा हुआ था—जो आज के युवाओं को खासतौर पर आकर्षित करता है। यह वीडियो रेड कार्पेट और फिल्मी सेट से अलग, आम लोगों के बीच आदाह की सहज कनेक्ट को खूबसूरती से दर्शाता है। आदाह जो भी करती हैं, वह असली और भरोसेमंद लगता है—कृत्रिम नहीं। यही सच्चापन युवाओं के साथ उनके मजबूत जुड़ाव का कारण है और यही वजह है कि अभियान के आयोजकों ने उन्हें इस पहल का चेहरा बनाया।

राम गोपाल वर्मा से मिली आदित्य धर को फिल्में बनाने की प्रेरणा

फिल्म निर्माता और निर्देशक आदित्य धर की फिल्म धुरंधर अपने नाम की तरह लोगों के दिलों से लेकर बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही है। हिंदी सिनेमा से जुड़ा हर शख्स फिल्म को आइकॉनिक बता रहा है। अब हिंदी फिल्मों के डायरेक्टर राम गोपाल वर्मा ने फिल्म की तारीफ की और उसका जवाब देते हुए आदित्य ने उनके साथ काम करने की इच्छा जाहिर की। आदित्य का कहना है कि वे राम गोपाल वर्मा की वजह से ही फिल्में बनाना सीख पाए हैं। रंगीला और आग जैसी फिल्में बनाने वाले डायरेक्टर राम गोपाल वर्मा ने फिल्म धुरंधर की तारीफ में एक के बाद एक ट्वीट किए और फिल्म को हिंदी सिनेमा का क्वांटम लीप कहा। उन्होंने लिखा, धुरंधर एक फिल्म नहीं है, यह इंडियन सिनेमा में एक क्वांटम लीप है। आदित्य धर ने अकेले ही इंडियन सिनेमा का भविष्य पूरी तरह से बदल दिया है, चाहे वह उत्तर हो या दक्षिण... ऐसा इसलिए है क्योंकि धुरंधर सिर्फ एक फिल्म नहीं है... यह एक क्वांटम लीप है। उन्होंने फिल्म को लेकर और भी बहुत कुछ लिखा। अपनी फिल्म और अपने काम की इतनी तारीफ सुनकर आदित्य धर ने राम गोपाल वर्मा को अपनी प्रेरणा बताया।

भाबीजी घर पर हैं 2.0 में लौटीं शिल्पा शिंदे

भाबीजी घर पर हैं में नजर आ चुकीं शिल्पा शिंदे एक बार फिर इस शो में लंबे समय बाद अंगूरी भाभी बनकर लौटी हैं। सीरियल भाबीजी घर पर हैं 2.0 के प्रोमो में उनकी झलक भी दिखा दी गई है। बिग बॉस सीजन 11 की विनर रह चुकीं शिल्पा शिंदे ने इस शो में लौटने की वजह भी बताई है।

शिल्पा शिंदे भाबीजी घर पर हैं कमबैक

शिल्पा शिंदे 'भाबीजी घर पर हैं 2.0' में अपने आइकॉनिक किरदार को निभाने के लिए एक फिर से इस शो से जुड़ गई हैं। इस शो में लौटने पर वो बेहद खुश और उत्साहित भी हैं। शिल्पा ने इस शो में वापसी पर बातें की और मेकर्स से अपने पुराने विवाद को लेकर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि झगड़े तो परिवारों में ही होते हैं. एक बार जब मैंने हां कह दिया तो मैंने कामों और रिएक्शन के बारे में ज्यादा नहीं सोचा। शिल्पा ने इस शो को लेकर बातचीत की। शिल्पा की वापसी के साथ ही ये शो दर्शकों के दिलों में पुरानी यादों और रोमांच की लहरें दौड़ गई हैं। करीब एक दशक के लंबे अंतराल के बाद हाल ही में जारी प्रोमो ने शिल्पा को देखकर फैन्स का दिल बाग बाग हो गया है।

आपकी असली अंगूरी भाभी वापस आ गई

10 साल बाद इस शो में अपनी वापसी पर बातें करते हुए शिल्पा शिंदे ने कहा, 10 साल बाद अंगूरी भाभी के रूप में वापसी करना मेरे लिए वाकई एक बहुत बड़ा पल है। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं इस किरदार में वापस आऊंगी लेकिन जिंदगी का अपना तरीका होता है आपको वहीं वापस ले आने का जहां आप असल में होते हैं। ऐसा लगता है जैसे किस्मत का अपना ही प्लान था। मुझे कभी ऐसा महसूस नहीं हुआ कि अंगूरी भाभी ने मुझे कभी छोड़ा हो, यहां तक कि जब मैं स्क्रीन पर उनका किरदार नहीं निभा रही थी तब भी› लोग मुझे न सिर्फ सोशल मीडिया पर, बल्कि असल जिंदगी में भी अंगूरी भाभी कहकर बुलाते रहे हैं। बहुत सारे फैंस, यहां तक कि जिन्हें मैं जानती भी नहीं थी, मुझसे मिलते और पूछते- आप अंगूरी भाभी बनकर कब आओगे? आज मैं उन्हें बताना चाहती हूं, आपकी असली अंगूरी भाभी वापस आ गई हैं।

मुझे घर जैसा महसूस होने लगा

शिल्पा आगे कहती हैं, इस वापसी को और भी खास बनाती है पूरी टीम से मिला प्यार। आसिफ, रोहिताश्व, विदिशा और सभी ने मेरा इतने प्यार से स्वागत किया कि मुझे तुरंत घर जैसा महसूस हुआ। प्रोमो और मेरी वापसी की घोषणा पर मिली प्रतिक्रिया बेहद उत्साहजनक और भावुक कर देने वाली रही है। इससे मुझे यकीन हो गया है कि अंगूरी भाभी सचमुच दर्शकों की ही हैं।

मैं खुश और बेहद उत्साहित हूं

एक्ट्रेस ने कहा, इस शो के साथ चैनल एक बार फिर हल्के-फुल्के, मन को खुश कर देने वाले कॉमेडी शो लेकर आ रहा है जो दर्शकों को आज की भागदौड़ भरी दुनिया में सुकून, आराम और हंसी का मौका देता है। मैं उनके इस सपने को साकार कर रही हूं। भाभीजी घर पर है 2.0 में वही गर्माहट, मासूमियत और खुशी है, लेकिन एक नए माहौल और नई ऊर्जा के साथ। मैं आभारी, खुश और बेहद उत्साहित हूं कि दर्शक एक बार फिर अंगूरी भाभी का अनुभव कर पाएंगे।

उन्होंने गलत अफवाहें फैलाई थीं, जिन्हें सच मान लिया गया

बता दें कि शिल्पा शिंदे ने जब ये शो छोड़ा था तब उन्होंने प्रड्यूसर पर हैरेसमेंट के आरोप लगाए थे। इतना ही नहीं उन्होंने प्रड्यूसर के खिलाफ स्न्ह्वक्रभी दर्ज कराई थी। मेकर्स ने भी शिल्पा पर भी अनप्रोफेशनलिज्म के आरोप लगाए थे। उनसे पूछा गया था कि इतनी कॉन्ट्रॉवर्सी के बाद शो में लौटने पर उनपर सवाल उठ सकते हैं। इसके जवाब में एक्ट्रेस ने कहा, उस समय चैनल की तरफ से थर्ड पार्टी भी शामिल थी और उन्होंने गलत अफवाहें फैलाई थीं, जिन्हें सच मान लिया गया था। कॉन्ट्रैक्ट के जरिए एक शख्स ने मुझे कंट्रोल करने की कोशिश की थी। मुझे कहीं भी ज्यादा काम करने की आजादी नहीं थी । सालों तक कड़ी मेहनत करके करियर बनाने के बाद जब किरदार पर सवाल उठाए जाते हैं तो वो बर्दाश्त करना काफी मुश्किल होता है। उन्होंने कहा- मेरा मानना है कि जब दो लोग किसी चीज का हिस्सा होते हैं और उसमें जब किसी थर्ड पार्टी की एंट्री होती है तो ऐसी चीजें हो जाती हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **सुनील कुमार** द्वारा वी-22 खजूर वाली गली नम्बर-2 अरविंद नगर, घोंडा दिल्ली-110053 से प्रकाशित एवं कारे प्रिंटिंग प्रेस 574ए विजय पार्क गली नम्बर-2 मौजपुर दिल्ली-110053 से मुद्रित।
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **सम्पादक : सुनील कुमार** RNI NO.- DELHIN/2007/22401